THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 65 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.5 2083 शुक्रवार, 5 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी का सूरत और दमन दौरा आज

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गुजरात के सूरत और केंद्र शासित प्रदेश दमन का दौरा करेंगे। इस दौरान वे सूरत में लगभग 18,800 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और आधारशिला रखेंगे।

इसके बाद दमन में भी करीब 2,970 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री शुक्रवार को दोपहर लगभग 2:30 बजे सूरत जिले के हजीरा पहुंचेंगे जहां वे चल रहे औद्योगिक कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। शाम 4:15 बजे सूरत में जनसभा को संबोधित करने के साथ ही वे 18,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

मानसून केरल तट से टकराया, तेलंगाना में 3-4 दिन में पहुंचने की संभावना

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को केरल तट से टकरा गया है, हालांकि तेलंगाना में इसके पहुंचने में अभी 3 से 4 दिन का समय लग सकता है। हैदराबाद स्थित आईएमडी के आंतरिक आकलन के अनुसार, मानसून के 7 या 8 जून तक तेलंगाना की सीमाओं में प्रवेश करने की संभावना है।

विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मानसून की बाहरी पट्टियां सबसे पहले राज्य के दक्षिणी जिलों, विशेषकर पूर्ववर्ती महबूबनगर क्षेत्र में दस्तक देंगी। इसके बाद पूरे राज्य में मानसून फैलने में लगभग 10 दिन का समय लग सकता है।

डेल्सी रोड्रिगेज का भारत दौरा

'वेनेजुएला से ऊर्जा सहयोग की संभावनाएं'

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारत और वेनेजुएला ने गुरुवार को उच्चस्तरीय वार्ता कर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा की। इस दौरान ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक संबंधों के विस्तार पर खास जोर दिया गया।

विदेश मंत्रालय में आयोजित विशेष ब्रीफिंग में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने बताया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज एक बड़े मंत्री स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच आधिकारिक दोपहर के भोज के दौरान विस्तृत चर्चा हुई। टंडन ने कहा कि इस महीने वेनेजुएला भारत को कच्चा तेल आपूर्ति करने वाला

तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि बातचीत का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी को और मजबूत करना था।उन्होंने कहा, भारत और वेनेजुएला ऊर्जा क्षेत्र में एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों देश अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम गतिविधियों में मिलकर काम कर सकते हैं। वेनेजुएला भारत को आने वाले कई वर्षों तक एक भरोसेमंद और स्थिर उपभोक्ता के रूप में देखता है, जो दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार है। ऊर्जा क्षेत्र के अलावा, दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग के अन्य अवसरों पर भी चर्चा की। टंडन ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध वेनेजुएला अब स्थिर आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे कई क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि ऊर्जा के अलावा खनन, पशुपालन, परिवहन, कृषि उपकरण, ऑटोमोबाइल और दवा उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। चर्चा इस बात पर केंद्रित रही कि भारतीय कंपनियां इन क्षेत्रों में निवेश और साझेदारी कैसे बढ़ा सकती हैं। टंडन ने वार्ता को बेहद सार्थक और कारोबारी बताया।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पुणे, 4 जून (एजेंसियां)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी।

ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा, अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था।

इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर बनी सहमति

वॉशिंगटन, 4 जून (एजेंसियां)। इजरायल और लेबनान ने वॉशिंगटन में दो दिनों तक चली अमेरिका की मध्यस्थता वाली बातचीत के बाद युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने आगे भी सीधे बातचीत जारी रखने और सुरक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने का वादा किया है, ताकि दक्षिणी लेबनान में किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह की वापसी रोकी जा सके।

यह समझौता दो और तीन जून को अमेरिकी विदेश विभाग में हुई अमेरिका, इजरायल और लेबनान की चौथी उच्च स्तरीय त्रिपक्षीय बैठक के बाद सामने आया। इस फैसले की घोषणा करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग के काउंसलर डैन हॉलर ने कहा, अमेरिका के नेतृत्व में हुई बातचीत के नतीजे के तौर पर इजरायल और लेबनान ने युद्धविराम लागू करने पर सहमति दी है। तीनों देशों के संयुक्त बयान के मुताबिक, यह युद्धविराम इस शर्त पर लागू होगा कि हिज्बुल्लाह की ओर से पूरी तरह से गोलीबारी बंद हो और उसके सभी लड़ाके दक्षिण लिटानी क्षेत्र से हट जाएं। यह भी तय हुआ है कि जल्द ही कुछ 'पायलट जोन' बनाए जाएंगे, जहां लेबनान की सेना पूरी तरह नियंत्रण संभालेगी। डैन हॉलर ने कहा, दोनों पक्षों ने अमेरिका के मार्गदर्शन में इस बात पर सहमति दी है कि ऐसे पायलट जोन जल्दी बनाए जाएंगे, जहां लेबनानी सेना पूरी तरह नियंत्रण रखेगी और किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह की मौजूदगी नहीं होगी। बयान में कहा गया कि ये कदम आगे चलकर दोनों देशों के बीच 'एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौते' की स्थिति बनाने में मदद करेंगे।

सीएम विजय ने राज्यसभा की एकमात्र सीट कांग्रेस को दी

डीएमके बोली-भाजपा से सीधे टकराव से बच रही टीवीके

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य की एकमात्र खाली राज्यसभा सीट अपनी सहयोगी पार्टी कांग्रेस को सौंपने की घोषणा की है। इस फैसले को कांग्रेस के लिए एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस का समर्थन टीवीके सरकार की स्थिरता के लिए बेहद ही अहम है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घोषणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडनकर की मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात के कुछ ही समय बाद हुई। इसके बाद अब उच्च सदन के लिए पार्टी की उम्मीदवारी को लेकर अटकलें तेज हो गईं। इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस रणनीतिकार प्रवीण चक्रवर्ती पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उभर सकते हैं। चक्रवर्ती को कांग्रेस-टीवीके गठबंधन को आकार देने में अहम भूमिका निभाने का क्रेडिट दिया जाता है। एआईएडीएमके नेता सीवी शनमुगम के तमिलनाडु विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद संसद से इस्तीफा देने के कारण राज्यसभा की यह सीट खाली हो गई। कांग्रेस नेताओं ने विजय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे उदार और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कदम बताया है।

शिलांग में एनईसी की 73वीं बैठक

शाह ने पूर्वोत्तर विकास और विजन 2047 पर की चर्चा

शिलांग, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शिलांग में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 73वीं पूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मेघालय के राज्यपाल सीएच विजय शंकर, मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा, केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार, गृह सचिव गोविंद मोहन और डोनर मंत्रालय के सचिव संजय जाजू शामिल हुए। बैठक से पहले सिक्किम के

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि यह पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण बैठक है। इसमें क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई योजनाओं और परियोजनाओं पर निर्णय लिया जाएगा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि उत्तर पूर्वी परिषद ने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि सभी आठ राज्य 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी विकास योजनाओं को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोनर मंत्रालय और एनईसी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिषद ने वर्षों से पूर्वोत्तर के विकास को नई दिशा दी है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों पर सीएम पेमा खांडू ने कहा कि यह हमारे लिए कोई नई बात नहीं है और हम इस तरह के दावों की बिल्कुल परवाह नहीं करते। हम इसे गंभीरता से नहीं लेते। हमारी सीमा चीन से नहीं, बल्कि तिब्बत से लगती है। अरुणाचल प्रदेश की सीमा सिर्फ़ तिब्बत से लगती है, 1962 के या उस दौर के बुनियादी ढांचे की तुलना आज के समय से करना काफ़ी गुमराह करने वाला है।

एनआईए का एक्शन : बम धमाके के मामले में टीएमसी के पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के घर छापा

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को भांगड़ के दक्षिण बामुनिया इलाके में टीएमसी के पूर्व विधायक शौकत मोल्ला के घर की तलाश ली है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दक्षिण बामुनिया इलाके में बम धमाका हुआ था। धमाके में एक शख्स की जान चली गई थी।

इस बम धमाके की जांच एनआईए से कराने की मांग की गई थी। एनआईए ने बीते दिनों इस मामले में टीएमसी के नेता वाहिदुल इस्लाम सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया था। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के साथ एनआईए की टीम सुबह मोल्ला के आवास पर पहुंची और व्यापक तलाशी ली। सूत्रों के अनुसार, करीब 10 वाहनों में पहुंची एनआईए की टीम ने बामुनिया गांव के कई घरों का भी दौरा किया। एक अधिकारी के अनुसार, जब जांच दल पहुंचा, तब मोल्ला घर पर मौजूद नहीं थे। उनके बेटे इमरान मोल्ला तलाशी के दौरान एनआईए की टीम के साथ रहे। भांगड़ के बामुनिया गांव में हुए बम विस्फोट के बाद इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) ने मामले में एनआईए जांच की मांग की थी। दक्षिण 24 परगना के दक्षिण बामुनिया गांव में 19 मार्च को हुए देसी बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

'मोदी सरकार ने अमेरिका के सामने किया सरेंडर'

राहुल गांधी ने कृषि और शिक्षा नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। सिमकनी में आयोजित पार्टी की जनसभा में खराब मौसम के कारण राहुल गांधी व्यक्तिगत रूप से तो नहीं पहुंच सके, उन्होंने दिल्ली से ही फोन के माध्यम से जनसभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में राहुल गांधी ने देश की विदेश नीति, कृषि और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। बृहस्पतिवार को आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अमेरिका के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की विदेश नीति को अमेरिका कंट्रोल कर रहा है। अमेरिका भारत को दबाव में ले रहा है और वह तय कर रहा है कि भारत को किस देश से तेल खरीदना चाहिए और किससे नहीं। विदेश नीति के साथ-साथ कांग्रेस नेता ने सरकार की घरेलू नीतियों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की वर्तमान नीतियों के कारण देश की शिक्षा व्यवस्था और कृषि क्षेत्र गहरे संकट में हैं। नीतियां आम जनता और किसानों के हित में न होकर कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई जा रही हैं। जीएसटी का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि गलत तरीके से लागू की गई इस टैक्स व्यवस्था के कारण देश के छोटे-छोटे कारोबार बंद हो गए। इसके चलते रोजगार खत्म हो गए और पूरा व्यापार कुछ बड़े उद्योगपतियों के हाथों में सिमट कर रह गया है। संबोधन के अंत में राहुल गांधी ने अल्मोड़ा की जनता और कार्यकर्ताओं से वादा किया कि वे निराश न हों, वह बहुत जल्द दोबारा उनके बीच आएंगे। इसके बाद उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया। कार्यक्रम के मंच पर मौजूद कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का दौरा रद्द होने की विधिवत घोषणा की और फोन के माध्यम से उनके जुड़ने की जानकारी दी।

'अदालत मामलों के निपटारे की समय सीमा तय नहीं करेगी'

> याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें मुकदमों को तय समय में निपटाने के लिए नियम बनाने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने एक वकील की इस अर्जी को खारिज कर दिया।

याचिका में देशभर की अदालतों में बार-बार मिलने वाली तारीखों (स्थगन) को रोकने के लिए कड़े और एक समान नियम बनाने का आग्रह किया गया था।

याचिकाकर्ता ने सभी अदालतों के लिए एक 'नेशनल केस फ्लो मैनेजमेंट पॉलिसी' लागू करने की मांग भी की थी। इसमें मुकदमों के हर चरण के लिए समय सीमा तय करने, जरूरत पड़ने पर रोजाना सुनवाई करने और पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का सुझाव दिया गया था। सुनवाई के दौरान बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे इस मामले को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया, स्टेट बार काउंसिल और विभिन्न बार एसोसिएशनों के पास जाएं। अदालत ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की कि वे वकीलों से दुश्मनी नहीं लेना चाहते क्योंकि हम वकीलों के दोस्त हैं।

'इंस्टाग्राम आपका मंच, बैलट बॉक्स नहीं'

> शशि थरूर ने जेन जेड को दे दी नसीहत

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के बयान के बाद ऑनलाइन वायरल आंदोलन की उपज कॉकरोच जनता पार्टी 6 मई को जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन करने वाली है।

इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस पार्टी को लेकर जेन जेड को बड़ी सलाह दी है। थरूर ने कहा कि अभिजीत दिपके की मुहिम ने उन जेन जेड युवाओं का ध्यान खींचा है जो भारत की राजनीतिक व्यवस्था से निराश हैं। कांग्रेस सांसद ने युवाओं को सलाह देते हुए कहा कि इंस्टाग्राम आपका सार्वजनिक मंच तो है, लेकिन यह 'बैलट बॉक्स' नहीं है। आपमें से जो लोग निराश महसूस कर रहे हैं,

उसे पूरी दुनिया महसूस कर रही है। शशि थरूर ने लिखे लेख में जेन जेड भारतीयों को सलाह दी कि अब जब उन्होंने एक पार्टी बना ली है और हमारे सिस्टम की कमियों को उजागर किया है, तो उन्हें आगे क्या करना चाहिए। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाएं। जेन जेड अपने स्थानीय विधायकों और सांसदों के दफ्तरों में जाकर अपनी बात जोर-शोर से रखें, और पारदर्शिता की मांग करने के लिए सूचना का अधिकार कानून (आरटीआई) का इस्तेमाल करें।

हताशा अपने आप में कोई अंत नहीं है। आपके साथ कॉकरोच जैसा बर्ताव होने की जरूरत नहीं है, और न ही आपको इस लेबल को अपनी स्थायी पहचान बनाने की जरूरत है।

अपनी पसंद के मुख्यधारा के राजनेताओं के साथ-चाहे वे किसी भी पार्टी के हों-मिलकर एक ऐसा सिस्टम बनाने का काम करें जो हर छात्र और हर नौकरी चाहने वाले की गरिमा का सम्मान करें। थरूर ने लोगों से कहा कि संस्थागत दबाव का लाभ उठाएं।

भारत की ओर बढ़ रहा है दीर्घकालिक वैश्विक निवेश : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि दुनिया भर का दीर्घकालिक निवेश अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में न्यूयॉर्क और टोरंटो के प्रमुख निवेशकों के साथ हुई उनकी बैठकों में हर चर्चा ने भारत की भविष्य की विकास यात्रा पर भरोसे को और मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि अब निवेशकों के सामने सवाल यह नहीं है कि भारत में निवेश करना है या नहीं, बल्कि यह है कि वे भारत की विकास गाथा को कितनी जल्दी पहचानते हैं और उसमें कितनी तेजी से भागीदारी करते हैं। मुंबई में आयोजित 'सिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2026' को वर्चुअली संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत को दुनिया का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उन्होंने विनिर्माण, कारोबार करने में आसानी, बुनियादी ढांचे, तकनीक अपनाने और वैश्विक व्यापार साझेदारी को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दो दशकों से अधिक समय तक भी भारत इस स्थिति को बनाए रखेगा।

गोयल ने कहा कि भारत ने हर संकट को अवसर में बदलने का काम किया है। देश ने बदलते भू-राजनीतिक और आर्थिक हालात के अनुरूप अपनी प्रक्रियाओं और कारोबारी रणनीतियों को ढाला है, जबकि व्यापार, विनिर्माण, निवेश और उद्योग के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है।

कनाडा की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि भारत से अब तक का सबसे बड़ा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल उनके साथ गया था।

नीट अभ्यर्थी की मौत पर ममता बनर्जी का केंद्र पर हमला

युवाओं से विश्वासघात कर रही है सरकार

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। टीएमसी नेता ममता बनर्जी ने एक नीट अभ्यर्थी की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार की शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि देश ने एक ऐसे युवा जीवन को खो दिया है, जिसके भीतर सपनों का एक पूरा संसार बसता था। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक सपना भले ही बुझ गया हो, लेकिन उसका दर्द परिवार के साथ हमेशा रहेगा।

यह कोई अकेली त्रासदी नहीं

मुख्यमंत्री ने इस घटना को कोई अकेली त्रासदी मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भाजपा शासन में देश की शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक, बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं ने छात्रों की मेहनत और प्रतिभा को दांव पर लगा दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार ने योग्यता को एक जुए और उम्मीद को निराशा में बदल दिया है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर युवाओं के साथ लगातार विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था देश के छात्रों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में विफल रही है।

गृह मंत्रालय पर भड़काऊ टिप्पणी को लेकर ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय को लेकर भड़काऊ बयान देने के मामले में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। गुरुवार को पुलिस ने बताया कि सिलीगुड़ी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एक वकील की शिकायत के आधार पर यह केस दर्ज किया गया है। यह शिकायत 2 जून को कोलकाता में रानी राशमोनी रोड पर एक विरोध सभा के दौरान ममता बनर्जी की टिप्पणियों से संबंधित है, जिसमें उन्होंने बांग्लादेशी नागरिक उस्मान हादी की हत्या का जिक्र किया था और इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय और गृह मंत्री अमित शाह को फंसाने वाले बयान दिए थे। वकील रिंकी सेन चटर्जी ने ममता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उस्मान हादी की हत्या पिछले दिसंबर में बांग्लादेश में हुई थी। हादी के हत्यारे मेघालय की सीमा पार करके जनवरी में पश्चिम बंगाल आए थे और राज्य की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीफ) ने उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया था।

होटल आग मामला मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था।

वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया।

इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था। गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था।

पाकिस्तान की नई साजिश : ग्राफिटी और प्रोपेगेंडा के सहारे भारतीय युवाओं का ब्रेनवॉश

> आईएसआई का सॉफ्ट टेरर प्लान

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी से बौखलाया पाकिस्तान अब भारत में घुसपैठ न कर पाने के कारण 'सॉफ्ट टेरर' और 'ग्राफिटी वार' का सहारा ले रहा है। आईएसआई सीमावर्ती राज्यों के भ्रमित युवाओं और ड्रग एडिक्ट्स को पैसे देकर दीवारों पर भारत विरोधी नारे और टीटीएच जैसे फर्जी संगठन के नाम लिखवा रही है, जिससे देश में भ्रम और अशांति फैलाई जा सके।

भारतीय सुरक्षा बलों के कड़े एक्शन से बौखलाया पाकिस्तान अब सीधे हमले के बजाय 'सॉफ्ट टेरर' पर उतर आया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर में मिली करारी शिकस्त और शर्मिंदगी को छिपाने के लिए पाकिस्तानी सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के खिलाफ यह नई साजिश रची है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था। इसके बाद से सीमा पर घुसपैठ पूरी तरह ठप है और पाकिस्तान के कई आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त हो चुके हैं।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अब भारत के खिलाफ एक फर्जी प्रोपेगेंडा कैंपेन चला रही है। इसका मुख्य मकसद भारत में 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' (टीटीएच) नाम के एक काल्पनिक और गैर-मौजूद संगठन को खड़ा करना है। पाकिस्तान इस फर्जी संगठन का संबंध 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' (टीटीपी) से जोड़कर दुनिया को दिखाना चाहता है कि इसे भारत ने बनाया है।

सीएम चंद्रबाबू ने आंध्र को स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल बनाने का संकल्प लिया

गुंटूर, 4 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुंटूर में 600 बिस्तरों वाले 'ललिता पीवीसी अस्पताल' का उद्घाटन करते हुए, विकास के केंद्र में स्वास्थ्य को रखते हुए, एक स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल आंध्र प्रदेश बनाने के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। अत्याधुनिक तकनीक और 32 विशेष विभागों से सुसज्जित, इस अस्पताल को एक ही छत के नीचे व्यापक सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी और जोड़ों के प्रतिस्थापन जैसी सेवाएं शामिल हैं। नायडू ने हैदराबाद और बेंगलुरु के बाहर एक ऐतिहासिक संस्थान स्थापित करने के लिए 'ललिता समूह' की सराहना की, और इस बात पर ज़ोर दिया कि विश्वसनीयता और विश्वास ही किसी भी व्यवस्था की सच्ची नींव होते हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 'संजीवनी परियोजना', जिसका पायलट प्रोजेक्ट पहले ही चित्तूर में शुरू किया जा चुका है, का जल्द ही पूरे राज्य में विस्तार किया जाएगा

अमरावती में 'योगांध्रा' में 25 हज़ार लोग शामिल होंगे: सीएम चंद्रबाबू

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू ने कहा कि 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, आंध्र प्रदेश राज्य भर में 7 जून से 20 जून तक 'योगांध्रा 2026' अभियान का आयोजन करेगा। उन्होंने बताया कि इस साल राज्य का लक्ष्य एक करोड़ लोगों को योग गतिविधियों से जोड़ना है। यह कहते हुए कि योग हर घर में एक आदत और रोज़ाना का अभ्यास बनना चाहिए, उन्होंने कहा कि इसे एक स्वस्थ आंध्र प्रदेश बनाने के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन का रूप लेना चाहिए। 'योगांध्रा 2026' का अमरावती में बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाएगा, जिसमें 21 जून को कृष्णा नदी के पश्चिमी बाईपास पुल पर 25,000 प्रतिभागी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए एक स्वस्थ और मज़बूत पीढ़ी तैयार करने के उद्देश्य से शैक्षणिक संस्थानों में योग को शामिल करने के प्रयास जारी हैं। सचिवालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत का दुनिया को दिया गया एक अमूल्य उपहार है और यह तनाव, चिंता तथा जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं जैसी बढ़ती चुनौतियों से निपटने के सबसे प्रभावी उपायों में से एक बना हुआ है। उन्होंने कहा, योग एक समग्र कल्याण अभ्यास है जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है। इन प्रयासों को समर्थन देने के लिए, राज्य सरकार ने 'योगांध्रा 2026' के लिए विशेष बजट के तौर पर 10 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें ज़िला और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा, प्रचार-प्रसार और कार्यक्रम प्रबंधन शामिल है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'योगांध्रा 2026' को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार कल्याण विशेषज्ञ डॉ. मन्थेना सत्यनारायण राजू से मार्गदर्शन प्राप्त कर रही है। व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, 168 से अधिक शैक्षिक योग वीडियो तैयार किए गए हैं। नागरिक 81424 04888 व्हाट्सएप नंबर पर नमस्ते संदेश भेजकर योग से संबंधित सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने 'योगांध्रा पोर्टल' का शुभारंभ किया, जो पंजीकरण, कार्यक्रम की समय-सारिणी, निर्देशात्मक वीडियो और 'योगांध्रा 2026' से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में कार्य करेगा।

तेलंगाना के लिए मेरा सम्मान कभी कम नहीं होगा: डिप्टी सीएम पवन

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण ने तेलंगाना और वहां के लोगों के प्रति अपने सम्मान को ज़ोरदार ढंग से दोहराते हुए, इस राज्य को यहां की धरती के बेटों की सही विरासत बताया। उन्होंने खुद को तेलंगाना-विरोधी के तौर पर पेश करने की कोशिशों को खारिज करते हुए ज़ोर दिया कि क्षेत्रीय नफ़रत से सिर्फ़ राष्ट्रीय एकता को ही नुकसान पहुंचता है। अमरावती के शाकामुरु में अमराजीवी पोट्टी श्रीरामुलु स्मृति वन (स्मारक) पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया से बात करते हुए, पवन कल्याण ने साफ़ किया कि उनकी यह टिप्पणी कि तेलंगाना किसकी जागीर है, सिर्फ़ उन लोगों के लिए थी जिन्होंने राज्य में उनके प्रवेश का विरोध किया था, न कि खुद तेलंगाना के खिलाफ़।

उन्होंने कहा, तेलंगाना के लिए मेरा स्नेह और इसके लिए संघर्ष करने वाले युवाओं के प्रति मेरा सम्मान कभी कम नहीं होगा। पवन कल्याण ने ज़ोर देकर कहा कि पोट्टी श्रीरामुलु ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, और यह कोई क्षेत्रीय नफ़रत का काम नहीं था। उन्होंने चेतावनी दी कि लोगों के मन में बंटवारे के बीज बोने से विनाश होता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक है। उन्होंने पूछा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लोगों के बीच गहरे बंधन हैं—पारिवारिक रिश्ते, व्यापारिक अनुबंध और सामाजिक संबंध।

फिर उनके बीच दुश्मनी क्यों भड़काई जाए? उन्होंने कांग्रेस पार्टी से आग्रह किया कि वह क्षेत्रवाद को भड़काने से परहेज़ करे और एक स्पष्ट राष्ट्रीय दृष्टिकोण को बनाए रखे। उन्होंने सवाल उठाया, अगर कांग्रेस क्षेत्रीय दुश्मनी को भड़काना जारी रखती है, तो वह जेन जेड (नई पीढ़ी) के युवाओं को राष्ट्रीय स्थिरता के महत्व के बारे में कैसे मार्गदर्शन देगी? उन्होंने आगे कहा कि 12 साल बाद तेलंगाना में एक जनसभा आयोजित करने की उनकी योजना में अनावश्यक रूप से बाधा डाली गई; उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि इसके पीछे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का हाथ था, बल्कि बीच के कुछ लोगों ने ही इसमें रुकावटें पैदा कीं।

टीटीडी घी में मिलावट के मामले में ईडी ने 15 जगहों पर छापे मारे

45 करोड़ रुपये से ज़्यादा की संपत्ति का पता चला

तिरुपति, 4 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हैदराबाद ज़ोनल ऑफ़िस के अधिकारियों ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) घी में मिलावट के मामले में अहिल्यानगर, बीकानेर, देहरादून, दिल्ली, डिंडीगुल, गुंटूर, मुंबई और रुड़की में 15 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। एक आधिकारिक बयान में, ईडी अधिकारियों ने बताया कि तलाशी में पोमिल जैन, विपिन जैन, राजू राजशेखरन, राजेश मनसुखलाल चावड़ा, अपूर्व विनयकांत चावड़ा, माचिंद्र शांताराम लांके, अजय कुमार सुगंध, महेश कुमार रोहिरा और आशीष अग्रवाल के घर और दफ़्तर शामिल थे; ये सभी इस मामले में आरोपी हैं।

तलाशी अभियान के दौरान, 60 लाख रुपये नकद ज़ब्त किए गए। तलाशी से 'अपराध से अर्जित संपत्ति' (पीओसी) के निवेश के बारे में भी पता चला, जिसे 45 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कीमत वाली संपत्तियों में लगाया गया था। इसके अलावा, आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद कई अचल संपत्तियों की जानकारी भी मिली। तलाशी अभियान में एआर डेयरी फ़ूड प्रा. लिमिटेड, डिंडीगुल; मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्रा. लिमिटेड, अहिल्यानगर; और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड., रुड़की के डेयरी प्लांट शामिल थे। कई अहम दस्तावेज़ ज़ब्त किए गए, जिनसे पता चलता है कि अपराध से अर्जित संपत्ति को छिपाने और उसकी हेराफेरी करने के लिए, फ़र्ज़ी खरीद-बिक्री के लेन-देन को अंजाम देने के लिए कानूनी संस्थाओं के एक जटिल नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया था।

ईडी ने मेसर्स एआर डेयरी फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड और अन्य लोगों के ख़िलाफ़ दर्ज एफआईआर के आधार पर जाँच शुरू की। आरोप है कि आरोपियों ने टीटीडी के कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर साज़िश रची, विश्वासघात किया, धोखाधड़ी की और टीटीडी को मिलावटी घी की सप्लाई करके उसे भारी नुकसान पहुँचाया।

अब तक की जाँच से पता चला है कि टीटीडी को मिलावटी घी की सप्लाई से जो 'अपराध से अर्जित संपत्ति' मिली थी, उसे बाद में आपस में जुड़ी हुई कानूनी संस्थाओं और कारोबारी कंपनियों के एक जटिल जाल के ज़रिए अचल संपत्तियों में निवेश कर दिया गया, ताकि इन पैसों के अवैध स्रोत को छिपाया जा सके। आगे की जाँच अभी जारी है।

सड़क हादसा में एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

तिरुपति, 4 जून (एजेंसियां)। ज़िला, चंद्रगिरी मंडल क्षेत्र में अग्रला के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क हादसा हो गया। तेज़ गति से चल रहा एक वाहन डिवाइडर पार करके सड़क पर गिर गया। यह हादसा आग लगने के कारण हुआ। चंद्रगिरी पुलिस को सूचना मिलते ही वे तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एक आइशर वाहन ने विपरीत दिशा से आ रही एक कार को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ।

इस घटना में, तिरुपति के जीवकोना क्षेत्र निवासी कार चालक राजकुमार (35) की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे से पूरे स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, वेंकटेश नायडू और आइशर चालक नागेश्वर राव को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया और उनका इलाज शुरू किया गया।

लोगों ने बुरी पार्टी की राजनीति के खिलाफ आवाज़ उठाई है: मंत्री अच्चेन्नायुडु

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। वाईसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ एपी कृषि विभाग के मंत्री किंजरापु अच्चेन्नायुडु ने गहरा रोष व्यक्त किया। वाईसीपी के 'राक्षसी शासन' से मुक्ति के लिए लोगों ने दो साल का इंतज़ार किया। उन्होंने कहा कि लोगों ने वाईसीपी की पीठ में छुरा घोंपने वाली राजनीति के खिलाफ 2024 में अपना अंतिम फैसला सुना दिया है। आज (गुरुवार) मंत्री अच्चेन्नायुडु ने वेलगामपुरी स्थित सचिवालय में मीडिया से बात की। मंत्री अच्चेन्नायुडु ने वाईसीपी के विरोध प्रदर्शनों को जनता के फैसले का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि जगन के शासनकाल में लोकतंत्र का झंडा झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि वाईसीपी के शासन के दौरान लोग डर के साए में जी रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल के रूप में वाईसीपी ने लोगों की आवाज़ दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि वाईसीपी का लोगों की बात करना हास्यास्पद है।

उन्होंने कहा कि लोग उस 'शैतानी शासन' के दिनों को भूले नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईसीपी ने किसानों, युवाओं और महिलाओं को धोखा दिया। इन वर्षों के दौरान, वाईसीपी के शासन की एपी के विकास में बाधा डालने के लिए आलोचना की गई। अच्चेन्नायुडु ने वाईसीपी पर 'बदले की राजनीति' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य के उद्योगों पर दबाव डाला गया है। उन्होंने कहा कि वाईसीपी का अहंकार जनता के फैसले के साथ ही खत्म हो जाएगा। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य के विकास में बाधाएं आ रही हैं। एपी के विकास को देखकर वाईसीपी झूठा प्रचार कर रही है। वाईसीपी पर कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर धोखाधड़ी भरा शासन चलाने का आरोप लगाया गया है। 2024 के चुनावों में, लोगों ने वाईसीपी के शासन का ऐतिहासिक अंत कर दिया। मंत्री अच्चेन्नायुडु ने कहा कि गठबंधन सरकार 'स्वर्णिम भारत' की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

एपी की खोई गरिमा वापस लाने का प्रयास जारी है: मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। एपी के लोग विनाशकारी शासन से मुक्त हो गए हैं और अब वह दौर खत्म हो गया है, मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए... उन्होंने टिप्पणी की कि जगन ने अपने इस राक्षसी शासन के कारण राज्य के लोगों को बर्बाद कर दिया है। एपी की जनता ने 2024 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे 2029 में भी ऐसा ही फैसला देंगे।

सीपीआई(एम) सरकार के आने के साथ ही, राज्य में लोकतंत्र की रोशनी फिर से दिखाई देने लगी है। पिछली सरकार द्वारा की गई बर्बादी को सुधारते हुए, सीएम चंद्रबाबू राज्य को प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। नदी मामलों के मंत्री ने यह बात कही। गठबंधन

सरकार ने घोषणा की है कि वह विकास और जन-कल्याण के लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने सभी से राज्य की खोई हुई गरिमा को वापस लाने में भागीदार बनने का आह्वान किया। मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने कहा कि सरकार को लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप शासन प्रदान करना चाहिए।

मंगलागिरी और तिरुपति में नए जैव विविधता पार्क

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (एपीएसबीबी) ने अपनी बोर्ड बैठक के दौरान एक व्यापक रणनीतिक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया। इस बैठक में सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एपीएसबीबी के अध्यक्ष नीलायपालेम विजय कुमार ने बताया कि कडप्पा जैव विविधता पार्क का पहला चरण पूरा होने वाला है और उम्मीद है कि सितंबर में उपमुख्यमंत्री और वन मंत्री के. पवन कल्याण इसका उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि वन विभाग के सहयोग से मंगलागिरी और तिरुपति में नए जैव विविधता पार्क स्थापित करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

शहरी हरियाली को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड ने शहरों के व्यस्त चौराहों पर 'माइक्रो-फॉरेस्ट' (छोटे जंगल) विकसित करने और मौजूदा 'नगर वनम' के भीतर छोटे जैव विविधता पार्क

बनाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। एपीएसबीबी ने पूरे राज्य में 'अन्य प्रभावी क्षेत्र-आधारित संरक्षण उपायों' (ओईसीएम) को लागू करने की भी मंजूरी दी है, और सीएसआर फंड जुटाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 'धारा 8 कंपनी' स्थापित करने हेतु सरकार से अनुमति मांगेगा। बोर्ड ने पूर्वी घाट की वनस्पति विविधता और तटीय समुद्री जैव विविधता पर चल रहे वैज्ञानिक अध्ययनों की समीक्षा की, जिन्हें सीएमएफआरआई के सहयोग से किया जा रहा है।

एपी सरकार ने सीआई चिन्ना मल्या को नौकरी से हटाया: सुप्रीम कोर्ट से भी झटका

पालनाडु, 4 जून (एजेंसियां)। ज़िले में रेप के एक मामले में आरोपी सीआई चिन्ना मल्या को नौकरी से हटा दिया गया है। उन्होंने इस्तीफ़ा देने का फ़ैसला किया है। आईजी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने मल्या को हटाने के आदेश जारी किए। दूसरी ओर, सीआई चिन्ना मल्या को सुप्रीम कोर्ट में भी झटका लगा। चिन्ना मल्या द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस वी.एस. मोहन ने सुनवाई की। शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ता के बीच पुराने संबंधों की आपसी सहमति थी। वकील ने कोर्ट में ये दलीलें पेश कीं। जस्टिस विक्रमनाथ ने कहा कि वे रेप के आरोपी किसी व्यक्ति को अग्रिम ज़मानत नहीं देना चाहते। वकील ने तुरंत जवाब दिया कि सीआई और शिकायतकर्ता के बीच आपसी सहमति के सबूत भी मौजूद हैं। याचिका में दोनों के बीच व्हाट्सएप कॉल और नकद लेन-देन से जुड़ी जानकारी भी शामिल की गई है। महिला ने कोर्ट को बताया था कि उसने सीआई के ख़िलाफ़ झूठा केस दर्ज कराया था। एपी हाई कोर्ट ने चिन्ना मल्या की याचिका पर दिए गए जवाबों में दखल देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी अग्रिम ज़मानत देने की याचिका ख़ारिज कर दी। एसआई चिन्ना मल्या पर विनूकोंडा मंडल के एक गाँव की महिला ने चाकू से हमला किया था। महिला ने आरोप लगाया था कि एसआई ने उसके साथ रेप किया है। विनूकोंडा ग्रामीण पुलिस ने जाँच की और 29 अप्रैल को उनके ख़िलाफ़ रेप का केस दर्ज कर लिया। तब से सीआई चिन्ना मल्या कहीं नज़र नहीं आए और छिप गए। पिछले महीने की 14 तारीख़ को उन्होंने अग्रिम ज़मानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था, लेकिन उनकी याचिका ख़ारिज हो गई।

राजनीतिक वर्ग द्वारा झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं: केशिनेनी नानी

अमरावती, बचपन के दोस्त तातिनेनी राम बाबू के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई की जा रही है। सांसद केशिनेनी नानी पर इसका आरोप लगा है। इस संबंध में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नरेंद्र चंद्रबाबू नायडू से अपील की गई है। केशिनेनी नानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा किया। उनकी सोशल मीडिया पोस्ट विजयवाड़ा के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गईं।

उन्होंने उल्लेख किया कि, मैं पिछले दो वर्षों से राजनीति से पूरी तरह दूर रहा हूँ। हालाँकि, वर्तमान सांसद तातिनेनी राम बाबू, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, पर झूठे आपराधिक मामले दर्ज करवाने के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है। उनका मानना था कि ये कार्रवाई राजनीतिक लॉबिंग के हिस्से के तौर पर हो रही है। इसके अलावा, विजयवाड़ा टास्क फोर्स से जुड़े पीएसआई नवीन राम बाबू उस समय उनके घर पहुँचे, जब वे घर पर मौजूद नहीं थे। केशिनेनी की दादी ने बताया कि वे घर में घुस आए और उनकी माँ को परेशान किया। इस घटना के कारण एक निर्दोष परिवार को गंभीर मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है।

मंत्री लोकेश ने रूसी वित्तीय और तकनीकी कंपनियों के साथ संबंधों की संभावनाएँ तलाशीं

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के वैश्विक तकनीकी साझेदारियाँ बनाने के प्रयासों के तहत, एचआरडी, आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने रूस के अग्रणी वित्तीय और तकनीकी संस्थानों में से एक, स्बरबैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अल्बर्ट येफिमोव के साथ चर्चा की। इस बैठक से रूस की सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, उन्नत कंप्यूटिंग और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के क्षेत्र में हुई प्रगति को समझने का अवसर मिला। चर्चाओं में उभरते हुए क्षेत्र शामिल थे, जिनमें जेनरेटिव एआई, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा, साइबर सुरक्षा, फिनटेक, क्वांटम कंप्यूटिंग, कार्यबल कौशल विकास और सार्वजनिक सेवाओं में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग शामिल हैं। स्बरबैंक के प्रतिनिधियों ने बैंक के तकनीकी इकोसिस्टम का एक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें उसका गीगाचैट लार्ज लैंग्वेज मॉडल, एआई अनुसंधान पहलें और बैंकिंग तथा सार्वजनिक सेवाओं में लागू किए गए डिजिटल समाधान शामिल थे। मंत्री लोकेश ने आंध्र प्रदेश की एक अग्रणी एआई और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभरने की महत्वाकांक्षा पर प्रकाश डाला और उन क्षेत्रों की तलाश में रुचि व्यक्त की जहाँ वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाएँ और तकनीकी नवाचार राज्य के डिजिटल परिवर्तन एजेंडा का समर्थन कर सकें। चर्चाओं में स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका पर भी बात हुई, जिसमें बीमारियों का शीघ्र पता लगाना, निदान, चिकित्सा अनुसंधान, अस्पताल संचालन और नागरिकों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल हैं।

मंत्री नारायणा ने 21,000 करोड़ रुपये की शहरी परियोजनाओं की समीक्षा की

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। विजयवाड़ा में नगरपालिका योजनाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग पर एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पूरे आंध्र प्रदेश से इंजीनियरों ने भाग लिया। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमए और यूडी) मंत्री पोंगुरु नारायणा, जिन्होंने इस कार्यशाला में भाग लिया, ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग कार्यों में भूमि, तकनीकी और एजेंसी से संबंधित मुद्दों को हल करना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाए और उन्हें लागू किया जाए। उन्होंने बताया कि हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 5,350 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाया जा रहा है; इसके तहत अमृत 1.0 और अमृत 2.0 के तहत रुकी हुई जल आपूर्ति योजनाओं को फिर से शुरू किया जा रहा है। अमृत 2.0 के तहत 8,500 करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं, साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण में भी तेज़ी लाई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विवादित 'कचरा कर' को फिर से लागू नहीं किया जाएगा, और इस बात पर ज़ोर दिया कि पूरे राज्य में 21,400 करोड़ रुपये के नगरपालिका विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिन्हें सरकार दो साल के भीतर पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। नारायणा ने बताया कि 70 नई 'अन्ना कैंटीन' पहले ही खोली जा चुकी हैं, और दस दिनों के भीतर पाँच और कैंटीनें चालू हो जाएंगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि 'कचरे से ऊर्जा' बनाने वाले संयंत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है, और काकीनाडा स्थित संयंत्र को गोदावरी पुष्करम से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए तीन नए पोर्ट, चार मछली पकड़ने के बंदरगाह

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। लक्षित शासन के दो साल पूरे होने के मौके पर, आंध्र प्रदेश सरकार ने मल्टी-मॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव के लिए एक व्यापक योजना पेश की है, जिसमें पोर्ट, एविएशन, सड़कें और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर और सड़क और भवन (आरएंडबी) विभागों की अगुवाई में, ये पहल एपी समुद्री नीति 2024–29 और एयरोस्पेस और रक्षा नीति 2025 पर आधारित हैं। इनका मकसद राज्य की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा और भीतरी नेटवर्क का इस्तेमाल करके एपी को भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करना है।

अधिकारियों ने बताया कि भारत के हालिया इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा राज्य को मिला है। पिछले दो वर्षों के दौरान किए गए प्रयासों का ब्योरा देते हुए, सड़क और भवन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने विशेष मुख्य सचिव (इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश, आरएंडबी) एमटी कृष्णा बाबू और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर बताया कि एपी समुद्री बोर्ड चार विशाल गेटवे ग्रीनफील्ड पोर्ट के एक साथ निर्माण का काम देख रहा है। इन पोर्ट को क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और इस पूरे नेटवर्क का मूल्य लगभग 14,000 करोड़ रुपये है।

टीटीडी ने 1.21 करोड़ लड्डू बेचकर नया रिकॉर्ड बनाया

तिरुपति, 4 जून (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपने मशहूर श्रीवारी लड्डू प्रसाद की बिक्री में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। मई 2026 में ही भक्तों ने 1.21 करोड़ लड्डू खरीदे। यह मई 2024 के 1.01 करोड़ और मई 2025 के 1.10 करोड़ लड्डू की बिक्री के मुकाबले साल-दर-साल एक बड़ी बढ़ोतरी है। 2025-26 के वित्त वर्ष में, कुल 13.95 करोड़ लड्डू बांटे गए, जिससे 567 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई हुई। यह इस पवित्र प्रसाद की लगातार बढ़ती मांग को दिखाता है।

इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, टीटीडी रोज़ाना 4.08 लाख से 4.50 लाख लड्डू बनाता है, जिसके लिए हर दिन लगभग 68 टन कच्चा माल लगता है। इसमें 32 टन चीनी, 16 टन बेसन, 16 टन शुद्ध गाय का घी, 3.5 टन काजू, 2 टन किशमिश, 400 किलो इलायची और 800 किलो मिश्री शामिल है। हर आम लड्डू का वज़न लगभग 167–170 ग्राम होता है। इसमें इस्तेमाल होने वाली चीज़ों का अनुपात 1950-51 में तय किए गए पारंपरिक दिट्टम मानकों के हिसाब से ही रखा जाता है। पवित्र रसोई, जिसे 'श्रीवारी पोटू' कहते हैं, जहाँ ये लड्डू बनाए जाते हैं, वहाँ लगभग 700 श्री वैष्णव ब्राह्मण काम करते हैं।

यहाँ 15 टन की रोज़ाना क्षमता वाली आटा चक्की, 2.1 लाख किलो घी रखने की जगह और 30 टन की क्षमता वाला गैस प्लांट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। गर्मियों की छुट्टियों, ब्रह्मोत्सवम, वैकुंठ द्वार दर्शनम और राधासप्तमी जैसे खास मौकों पर टीटीडी 8–10 लाख लड्डू का अतिरिक्त भंडार (बफर स्टॉक) रखता है।

पोलावरम को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। जल संसाधन मंत्री निम्मला रामनायडू ने घोषणा की है कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के निर्देशों का पालन करते हुए, 2027 के गोदावरी पुष्करम तक पोलावरम परियोजना को एक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। सचिवालय में अधिकारियों, एजेंसी प्रतिनिधियों और डिजाइनरों के साथ निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए, उन्होंने बताया कि लेआउट योजना तैयार करने के लिए 9,900 एकड़ का लीडर सर्वेक्षण पहले ही पूरा किया जा चुका है। पोलावरम को राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से एलुरु, कोव्वूर और राजामहेंद्रवरम से जोड़ने के लिए कनेक्टिविटी की योजना बनाई जा रही है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: सावधान रहिए, आपकी प्रत्योक अभिव्यक्ति क्रिया की प्रतिक्रिया होती है

तेलंगाना डीजीपी ने पुलिस अकादमी का किया दौरा

प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद (आईपीएस), राज्य के पुलिस प्रमुख का कार्यभार संभालने के बाद राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी (आरबीवीआरआर टीजीपीए), हैदराबाद पहुंचे और संस्थान का विस्तृत निरीक्षण किया। अकादमी पहुंचने पर उनका स्वागत अकादमी की निदेशक सुश्री अभिलाषा बिष्ट (आईपीएस) ने किया। इसके बाद उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। दौरे के दौरान डीजीपी ने अकादमी की विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनमें यूनिट अस्पताल, प्रशासनिक शाखा, सभागार, कक्षाएं, भोजनालय, क्रीड़ा भवन, फायरिंग रेंज, परेड ग्राउंड तथा अन्य प्रशिक्षण एवं आधारभूत संरचनाएं शामिल थीं।

इसके बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में अकादमी की निदेशक ने संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियों, चल रहे नव नियुक्त एवं सेवारत पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, पाठ्यक्रम, कार्यशालाओं, सेमिनारों, कल्याणकारी गतिविधियों और प्रमुख चुनौतियों की जानकारी प्रस्तुत की। अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डीजीपी सी. वी. आनंद ने अकादमी के प्रशिक्षकों की सराहना की और कहा कि यह देश की उत्कृष्ट पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है। उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण में टीम भावना, समन्वय और संस्थागत संस्कृति को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी में कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिसिंग में प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्य की सभी प्रशिक्षण संस्थाओं–पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों, जिला प्रशिक्षण केंद्रों और अन्य संस्थानों–को और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डीजीपी ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए पुलिस मुख्यालय से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों को समय पर पूरा कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने अकादमी को निर्देश दिया कि मादक पदार्थ नियंत्रण, साइबर अपराध जांच, मोटर वाहन अधिनियम, सड़क सुरक्षा और जागरूकता जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि पुलिस की कार्यक्षमता और मजबूत हो सके। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि तेलंगाना पुलिस अधिकारियों का रिट्रीट कार्यक्रम हर वर्ष नवंबर के अंतिम सप्ताह या दिसंबर के पहले सप्ताह में नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। साथ ही, पुलिस विभाग में कार्यरत महिला कर्मियों के लिए हर वर्ष राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने पर भी बल दिया गया, जिससे संस्थागत सुधार और भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। इस अवसर पर अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

विदेशी नागरिकों की जानकारी देना अनिवार्य

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद ज़ोन की पुलिस उपायुक्त ने नागरिकों और संस्थानों से अपील की है कि विदेशी नागरिकों से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से अनिवार्य रूप से जमा की जाए। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आवास प्रदान करने वाले सभी मकान मालिक, होटल, लॉज, अतिथि गृह, अस्पताल एवं अन्य आवासीय संस्थानों को विदेशी नागरिकों की पूरी जानकारी निर्धारित प्रपत्र-111(सी) के माध्यम से संबंधित पोर्टल पर तुरंत दर्ज करनी होगी। साथ ही इस जानकारी को एक अतिरिक्त वर्ष तक सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसी प्रकार, शैक्षणिक संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि उनके यहां अध्ययनरत विदेशी नागरिकों की पूरी जानकारी प्रपत्र-11 के माध्यम से अनिवार्य रूप से पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाए।

भद्राचलम में बैकवाटर खतरे पर तत्काल कदम उठाने की मांग : टी. हरीश राव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने पोलावरम परियोजना प्राधिकरण से पोलावरम परियोजना से उत्पन्न हो रहे बैकवाटर के बढ़ते खतरे से भद्राचलम और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए तत्काल उपाय करने का आग्रह किया है। उन्होंने बाढ़ से बार-बार प्रभावित हो रहे परिवारों के लिए तत्काल मुआवजा और स्थायी पुनर्वास की मांग भी की। उन्होंने इस संबंध में प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को एक पत्र लिखा, जिसे भद्राचलम और पिनापाका के बीआरएस नेताओं ने भद्राचलम दौरे पर आए अधिकारियों को सौंपा।

अपने पत्र में हरीश राव ने चेतावनी दी कि परियोजना पूरी होने के बाद भद्राचलम क्षेत्र में बाढ़ का स्थायी खतरा बना रह सकता है, क्योंकि पोलावरम परियोजना का पूर्ण जलाशय स्तर और भद्राचलम का प्रथम बाढ़ चेतावनी स्तर समान हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में बैकवाटर के कारण हुई बाढ़ से भद्राचलम का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया था और हजारों लोग प्रभावित हुए थे। पूर्व मंत्री ने चिंता जताई कि इसका प्रभाव केवल आवासीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि औद्योगिक इकाइयों और आजीविका के स्रोतों पर भी पड़ सकता है। उन्होंने विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि दर्जनों गांव और बड़ा क्षेत्र जलमग्न होने का खतरा है।

हरीश राव ने प्रभावित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता, पुनर्वास, पंपिंग स्टेशन, जल निकासी व्यवस्था और सुरक्षा दीवारों के निर्माण की मांग की। साथ ही उन्होंने भद्राचलम में प्राधिकरण का एक समर्पित कार्यालय स्थापित करने की भी अपील की। उन्होंने राज्य सरकार पर बाढ़ प्रभावित लोगों की समस्याओं के प्रति उदासीनता बरतने का आरोप लगाया।

हीरा ग्रुप निवेश धोखाधड़ी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, नाजनीन अंसारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हीरा ग्रुप से जुड़े निवेश धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नाजनीन अंसारी उर्फ अबीदा को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19 के तहत मंगलवार को की गई, जबकि इसकी जानकारी बुधवार को जारी की गई। यह मामला तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर सामने आया है। आरोप है कि हीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज और नौहेरा शेख समेत अन्य लोगों ने कथित फर्जी निवेश योजनाओं के जरिए निवेशकों से भारी रकम जुटाकर उन्हें धोखा दिया। इसी आधार पर ईडी ने मामले की जांच शुरू की थी।

ईडी की जांच में सामने आया है कि नाज़नीन अंसारी नौहेरा शेख की निजी सहायक के रूप में काम करती थीं और कथित रूप से जब्त की गई संपत्तियों के प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। आरोप है कि वह इन संपत्तियों का उपयोग कर किराया वसूलने, नए निवेशकों को आकर्षित करने और विभिन्न स्तरों पर लोगों को गुमराह करने में शामिल थीं। एजेंसी के अनुसार, आरोपी न केवल जब्त संपत्तियों का उपयोग कर रही थीं, बल्कि वह कथित अपराध की आय से जुड़ी गतिविधियों में भी शामिल थीं। उन पर जांच और नीलामी प्रक्रिया में बाधा डालने तथा कर्मचारियों को संपत्तियों का निरीक्षण रोकने के निर्देश देने का भी आरोप है। ईडी ने कहा है कि मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की जांच जारी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसएससी पूरक परीक्षा केंद्रों के आसपास प्रतिबंध लागू

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एसएससी उन्नत पूरक परीक्षाओं के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 5 जून से 12 जून तक लागू रहेंगे। पुलिस के अनुसार ये प्रतिबंध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत लगाए गए हैं और प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक प्रभावी रहेंगे। आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जारी निर्देशों के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक रहेगी।

अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, चार बाइक बरामद

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आरजीआईए) पुलिस ने तकनीकी निगरानी और त्वरित कार्रवाई के आधार पर एक कुख्यात अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से लगभग 8 लाख रुपये मूल्य की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान विश्वकर्मा मोहन कुमार उर्फ उंडेकोड मोहन (उम्र 32 वर्ष) के रूप में हुई है, जो महबूबनगर जिले के भगिरथा कॉलोनी का निवासी है और मूल रूप से नारायणपेट जिले का रहने वाला बताया गया है। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी तेलंगाना और कर्नाटक में दर्ज चार अलग-अलग वाहन चोरी के मामलों में वांछित था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी बेहद शातिर तरीके से चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। वह दिन के समय, विशेषकर लंच ब्रेक के दौरान, ऑटोमोबाइल शोरूम और सर्विस सेंटर्स में ग्राहक बनकर प्रवेश करता था और वहां खड़ी सर्विस की गई मोटरसाइकिलों पर नजर रखता था। मौका मिलते ही वह वाहन लेकर फरार हो जाता था। इस कार्रवाई में आरजीआईए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार किया।

उसके कब्जे से रॉयल एनफील्ड और पल्सर सहित चार मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिनके रजिस्ट्रेशन नंबर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से जुड़े हुए हैं। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन की निगरानी निरीक्षक बी. संजीव (एसएचओ) और पवन कुमार (डीआई) ने की, जबकि टीम में हेड कांस्टेबल श्रीकांत, कांस्टेबल जावेद और सिद्धेश्वर शामिल थे। पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की तेज और पेशेवर कार्रवाई की सराहना की है।

तेलंगाना आंदोलन में आईटी पेशेवरों की भूमिका के दस्तावेजीकरण पर जोर

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें सम्मानित करने के लिए गठित राज्य सरकार की समिति की सदस्य अद्दंकी दयाकर ने तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी संघ (टीआईटीए) के संस्थापक एवं अध्यक्ष संदीप कुमार मक्तला से अपील की है कि वे आंदोलन में सक्रिय रहे आईटी पेशेवरों की पहचान करने में अग्रणी भूमिका निभाएं और संबंधित साक्ष्यों के साथ विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। तेलंगाना गठन दिवस समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए अद्दंकी दयाकर ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में आईटी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, जिसे उचित रूप से दस्तावेजीकृत और मान्यता दिए जाने की आवश्यकता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संदीप कुमार मक्तला ने टीआईटीए की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि आंदोलन में शामिल आईटी पेशेवरों, उद्यमियों, कर्मचारियों और छात्रों से उनके योगदान के प्रमाण प्रस्तुत करने का आह्वान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इसके लिए एक स्क्रीनिंग एवं चयन समिति गठित की जाएगी, जो प्राप्त आवेदनों और दस्तावेजों की जांच कर योग्य प्रतिभागियों की सूची तैयार करेगी। आवेदन प्रक्रिया से संबंधित दिशा-निर्देश और समयसीमा जल्द जारी की जाएगी। मक्तला ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे अपने योगदान से जुड़े प्रमाण जैसे समाचार पत्रों की कटिंग, फोटो, वीडियो, प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज सुरक्षित रखें और समय पर प्रस्तुत करें।

सर्कस से रीसस बंदर का रेस्क्यू

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक चलते-फिरते सर्कस में अवैध रूप से कैद कर जंजीरों में बांधकर प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे एक वयस्क रीसस बंदर को शिकायत के बाद बचा लिया गया। यह कार्रवाई पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पीपल फॉर एनिमल्स), स्थानीय कार्यकर्ता गायत्री सांगुओ, हैदराबाद पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, एक जागरूक नागरिक की शिकायत के बाद टीम मौके पर पहुंची और बंदर को मुक्त कराया गया। उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए हैदराबाद स्थित पीपल फॉर एनिमल्स के आश्रय स्थल में भेज दिया गया है। वन विभाग के अधिकारी अब उसे उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ने की प्रक्रिया में जुटे हैं।

ब्रिज कार्यों का जीएचएमसी आयुक्त ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। महानगरपालिका आयुक्त ने मुख्य अभियंता, क्षेत्रीय आयुक्त तथा अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ नलगोंडा फ्लाईओवर एवं मूसीरामबाग डाउनस्ट्रीम ब्रिज के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को शेष कार्यों में तेजी लाने और समय पर निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि आम नागरिकों और दैनिक यात्रियों को यातायात जाम से राहत मिल सके।

नलगोंडा फ्लाईओवर की स्थिति इस प्रकार है- कुल 85 स्पैन में से 79 स्पैन का डेक स्लैब कार्य पूर्ण हो चुका है। सभी 85 स्पैन में गर्डर स्थापित किए जा चुके हैं। अप रैम्प और डाउन रैम्प का कार्य समानांतर रूप से जारी है। मूसीरामबाग डाउनस्ट्रीम ब्रिज की स्थिति- ए2 से पी4 स्पैन का निचला स्लैब कार्य पूरा हो चुका है। पी3 से पी4 तक अंतिम स्पैन के सहायक ढांचे का कार्य जारी है। अंबरपेट की ओर रिटेनिंग वॉल का कार्य भी प्रगति पर है। आयुक्त ने अधिकारियों को दोनों परियोजनाओं को एक माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में कनेक्टिविटी बेहतर हो और यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके।

एसबीआई शाखा में सोना और नकदी गबन मामले से ग्राहकों में आक्रोश

मंचरियाल, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नर स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा में ग्राहकों द्वारा ऋण के लिए गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की वापसी को लेकर भारी हंगामा हुआ। यह विवाद उस समय और गहरा गया जब कुछ महीने पहले बैंक कर्मचारियों द्वारा बड़ी मात्रा में सोना और नकदी के गबन का मामला सामने आया था। जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त को क्षेत्रीय प्रबंधक रितेश कुमार द्वारा किए गए ऑडिट में 20.50 किलोग्राम सोने के आभूषण और 1.10 करोड़ रुपये नकद की हेराफेरी का खुलासा हुआ था। इसके बाद बैंक की शिकायत पर कैशियर नारिगे रविंदर, प्रबंधक उन्नापुरेड्डी मनोहर और अटेंडर लक्काकुला संदीप के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए कुल 44 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से सोना और नकदी बरामद की। इस मामले में तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक आरोपी ने ऑनलाइन सट्टेबाजी में भारी नुकसान के बाद कथित रूप से फर्जी तरीके से कई ऋण स्वीकृत किए थे। इधर, बैंक अधिकारियों ने पीड़ित ग्राहकों को दो विकल्प दिए हैं। पहले विकल्प में सोने के वजन, शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा देने की बात कही गई है, जबकि दूसरे विकल्प में अदालत के फैसले तक इंतजार कर आभूषण लौटाने का प्रस्ताव है। हालांकि, ग्राहकों ने दोनों विकल्पों पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि मुआवजे पर शुल्क और कर लगाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें नुकसान होगा। इसी विरोध में पीड़ित ग्राहकों ने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है और ऋण राशि में राहत तथा ब्याज माफी की मांग कर रहे हैं।

अत्तापुर पुलिस ने की 13 बदमाशों पर बाउंड ओवर कार्रवाई

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से अत्तापुर पुलिस ने 13 हिस्ट्रीशीटरों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर उनके खिलाफ बाउंड ओवर आदेश प्राप्त किए हैं। इन सभी को भविष्य में किसी भी प्रकार की असामाजिक या अवैध गतिविधियों में शामिल न होने के लिए पाबंद किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई राजेंद्रनगर जोन में चलाए जा रहे सघन अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। अधिकारियों के अनुसार, आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि बाउंड ओवर की शर्तों का उल्लंघन करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

82 लाख के माल के साथ गोवा से अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार

सिकंदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद क्षेत्र में हुई एक बड़ी घर चोरी के मामले में मार्केट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गोवा से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 82 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

मलकाजगिरी जोन के पुलिस उपायुक्त च. श्रीधर (आईपीएस) ने बताया कि यह मामला उस समय सामने आया जब 'श्री साईं बुलियन ज्वेलरी शॉप' के कर्मचारी संदिप रघुनाथ चव्हाण (29) ने 27 मई की रात थाना मार्केट में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि वह ड्यूटी पर था, उसी दौरान घर का ताला तोड़कर भीतर रखी लकड़ी की पेटी में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की और पाया कि लगभग 576 ग्राम सोना तथा 900 ग्राम चांदी चोरी हुई है, जिसकी कुल कीमत करीब 82 लाख रुपये आंकी गई। जांच के दौरान विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता लगाया और गोवा के उत्तरी हिस्से में कलंगुट क्षेत्र से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी 1 जून को शाम के समय की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोज सिंह (28), निवासी भगत कॉलोनी, बुराड़ी, दिल्ली के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि वह एक आदतन अंतरराज्यीय चोर है और उसके खिलाफ दिल्ली में 19 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह पहले भी तिहाड़ जेल में कई मामलों में सजा काट चुका है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किया गया पूरा सोना-चांदी बरामद कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए दिल्ली पुलिस को सूचना दे दी गई है। इस सफल अभियान के लिए पुलिस टीम की सराहना की गई है। मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में और उपायुक्त के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। टीम में सहायक पुलिस आयुक्त, निरीक्षक और अन्य अधिकारी शामिल रहे। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें, सीसीटीवी कैमरे लगवाएं और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

मधुबनी में 6 बच्चे डूबे, 5 की मौत, परिजनों को दिए गए 4-4 लाख रुपये

मधुबनी, 4 जून (एजेंसियां)। मधुबनी में डूबने से पांच बच्चों की मौत हो गई। घटना बिस्फी प्रखंड के पतौना थाना के खेरवार गांव की है। दोपहर करीब दो बजे के आसपास यह घटना हुई थी। स्नान के दौरान छह बच्चे डूबे जिनमें से एक बच्चे की जान बच सकी। मृतकों में तीन लड़कियां और दो लड़के हैं। घटना के बाद प्रशासन की ओर से परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गई।

पांच बच्चों की मौत के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। परिजनों में कोहराम मचा है। बताया जाता है कि जब बच्चे डूब रहे थे शोर सुनकर मदद के लिए जब तक लोग पहुंचे तब तक देर हो गई थी। आसपास के ग्रामीण मौके पर जुटे और बच्चों को पानी से निकाला गया। आनन-फानन में सभी बच्चों को एंबुलेंस से पीएचसी लाया गया जहां चिकित्सकों ने पांच बच्चों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में दिनेश पंडित और किरण कुमारी का एक बेटा प्रशांत कुमार और बेटी रिंकी कुमारी है।

सीएम योगी ने दिया कमर्शियल वाहन मालिकों को तोहफा
जुर्माने और बकाया टैक्स में मिलेगी बड़ी राहत

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने लाखों कमर्शियल वाहन चालकों को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। जिसके तहत ऐसे वाहनों के बकाया टैक्स और जुर्माने के निस्तारण के लिए एकमुश्त समाधान योजना यानी ओटीएस को मंजूरी दी गई है। सीएम योगी के नेतृत्व में हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी गई है। एकमुश्त समाधान योजना के तहत पहली बार न सिर्फ पेनल्टी को पूरी तरह माफ कर दिया जाएगा बल्कि बकाया मूल कर में भी 35 फ़ीसद तक की छूट दी जाएगी। सरकार के इस फैसले से 8.48 लाख से अधिक बकायेदार वाहन मालिकों को बड़ी राहत मिल सकेगी।

वहीं दूसरी तरफ परिवहन विभाग को भी फंसा हुआ राजस्व मिल पाएगा। योगी कैबिनेट में इसे मंजूरी दे दी गई है। ओटीएस योजना की अधिसूचना जारी होने के बाद ये दो महीने तक प्रभावी रहेगी। अब तक विभाग की ओर से

ओटीएस योजना के तहत केवल पेनल्टी में ही राहत दी जाती रही है लेकिन, इस बार वाहन मालिकों को बकाया मूल कर में भी भारी छूट दी गई है।

उम्मीद की जा रही है कि इससे वाहन मालिक स्वेच्छा से कर जमा करेंगे और सरकार को राजस्व में फायदा होगा।

परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक यूपी में 7.5 टन तक हल्के व्यवसायिक वाहनों की संख्या 29.15 लाख हैं। जिनमें से 8.48 लाख वाहनों पर बकाया कर है। इस कर क़रीब 1852.96 करोड़ रुपये तक का है। जिसमें 1073.47 करोड़ रुपये मूल कर और जुर्माने की राशि क़रीब 779.50 करोड़ रुपये बताई जा रही है। विभाग का मानना है कि इस योजना से बड़ी संख्या में लोग अपने बकाये को जमा करने के लिए आगे आएंगे।

परिवहन विभाग ने इस दौरान ऊर्जा विभाग द्वारा बीते साल दी गई बिजली बिल राहत योजना का हवाला देते हुए कहा कि इसके तहत भी बिजली बिल के देरी से भुगतान पर सरचार्ज, दंड या ब्याज लगाने पर छूट दी गई थी। जिसके बाद उपभोक्ता तेज से अपने विवादों को निपटाने के लिए आगे आए थे। ऐसे में ओटीएस योजना से परिवहन विभाग को भी राजस्व जुटाने में आसानी होगी।

बयान से चर्चा में आई कानपुर की बैंककर्मी आस्था सिंह के साथ ई-रिक्शा में हुई छेड़छाड़

कानपुर, 4 जून (एजेंसियां)। कानपुर में सोशल मीडिया पर चर्चा में रह चुकी बैंककर्मी आस्था सिंह ने एक वीडियो जारी कर ई-रिक्शा में सफर के दौरान एक युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि यात्रा के दौरान युवक ने उनके साथ आपत्तिजनक हरकत की, जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही विरोध जताया और उसे थप्पड़ व मुक्का मारकर वहां से भगा दिया। करीब दो मिनट के वीडियो में आस्था सिंह ने बताया कि वह बैंक से निकलकर मेट्रो स्टेशन जाने के लिए ई-रिक्शा में सवार हुई थीं। उनके अनुसार, रिक्शा में एक महिला उनके बगल में बैठी थी जबकि एक युवक सामने बैठा था। कुछ समय बाद उन्हें युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं।

उनका आरोप है कि पहले युवक का पैर उनकी ओर बढ़ा और फिर उसने उन्हें अनुचित तरीके से छूने की कोशिश की। आस्था का कहना है कि जब उन्हें स्थिति का एहसास हुआ तो उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और युवक को धक्का देते हुए थप्पड़ व मुक्का मारा। आस्था सिंह के मुताबिक, विरोध करने पर युवक ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय उनसे ही बहस शुरू कर दी। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद युवक वहां से निकल गया। आस्था ने उसका एक छोटा वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में आस्था सिंह ने घटना का जिक्र करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की और लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मामला सामने आने के बाद कानपुर पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया दी। पुलिस ने आस्था सिंह से संबंधित थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने और घटना का पूरा विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर नियमानुसार जांच और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सपा के गढ़ में जयंत चौधरी का शक्ति प्रदर्शन
आरएलडी चीफ का मुरादाबाद से मिशन-27 का आगाज

मुरादाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की आहट से पहले राजनीतिक दलों ने अपनी जमीनी तैयारी शुरू कर दी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मजबूत गढ़ मुरादाबाद में बीजेपी सरकार में सहयोगी आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी विजय संकल्प महारैली से अपनी ताकत दिखाएंगे और मिशन-27 का आगाज करेंगे। ठाकुरद्वारा विधानसभा में ये महारैली आज दोपहर दो बजे सनातन धर्म हिन्दू इंटर कॉलेज के मैदान में होगी। रैली को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल के स्थानीय नेताओं के साथ ही राज्य मंत्री अनिल कुमार लगातार गांव-गांव जन संपर्क अभियान में जुटे हैं। इस इलाके साथ ही आरएलडी का लक्ष्य आस-पास के जिलों तक अपना सन्देश पहुंचाना है। रैली में खासतौर किसानों के मुद्दे उठाए जाएंगे। दरअसल मुरादाबाद को समाजवादी पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है। जिस विधानसभा ठाकुरद्वारा में रैली हो रही है, वहां से और पड़ोस की कांठ विधानसभा सपा के पास ही है। जबकि जनपद कुल छह विधानसभा में से चार सपा के पास हैं और बीते उपचुनाव में कुन्दरकी सीट जीतकर बीजेपी की दो सीटें हैं। चूंकि 2022 का विधानसभा चुनाव आरएलडी ने सपा के साथ मिलकर लड़ा था। अब उसे बीजेपी के साथ न सिर्फ अपनी मजबूत दावेदारी दिखानी है, बल्कि एनडीए की जीत के लिए दोहरा प्रयास करना पड़ेगा। इसलिए जयंत चौधरी आज विजय महासंकल्प रैली के जरिए अपनी ताकत दिखाएंगे। जनपद में छह सीटों में आरआलडी कांठ सीट पर अभी से अपनी दावेदारी कर रही है।

ये सीट जाट और मुस्लिम बाहुल्य होने के साथ ही बड़ी संख्या में खेती-बाड़ी से जुडी जातियों की है। लिहाजा इस सीट पर समीकरण को देखते हुए ही रैली का आयोजन पडोसी सीट पर किया जा रहा है।

दिल्ली आग हादसे के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ की सख्ती अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके के हौज रानी स्थित 'फ्लोरिश स्टे बी एंड बी' में भीषण आग की घटना में अब तक 21 लोगों की मौत हो गई है। वहीं दिल्ली के इस हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सख्त हैं। सीएम योगी ने दिल्ली के मालवीय नगर में एक रेस्टोरेंट में लगी आग का संज्ञान लेते हुए सख्त निर्देश जारी किए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने ने सभी विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग और अग्निशमन विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ कई अन्य विभागों को निर्देश दिया है कि सभी ऊंची इमारतों, दफ्तरों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाए और अग्निशमन सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत बनाया जाए।

सभी होटलों का विशेष सुरक्षा निरीक्षण किया जाए और एक ऑडिट रिपोर्ट जमा की जाए। वहीं दिल्ली में हुई आगजनी की घटना के बाद आज लखनऊ में अलग-अलग जो प्रतिष्ठान है वहां पर फायर डिपार्टमेंट के लोग जाकर चेकिंग अभियान चला रहे हैं।

'यह सरकार द्वारा किया गया'
लखीमपुर में नीट छात्र ऋतिक मिश्रा के सुसाइड पर बोले संजय सिंह

लखीमपुर खीरी, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में नीट की तैयारी कर रहे 21 साल के ऋतिक मिश्रा ने पेपर लीक होने के बाद परीक्षा रद्द होने की वजह से आत्महत्या कर ली थी। ऋतिक मिश्रा तीसरी बार लगातार पेपर की तैयारी कर रहा था। छात्र ने बंद कमरे में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। छात्र की मौत के बाद आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने उसके घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की है।

उत्तर प्रदेश के नीट यूजी 2026 की परीक्षा देने वाले ऋतिक मिश्रा के परिवार से मुलाकात के बाद आप नेता संजय सिंह ने कहा कि मैंने लखीमपुर में छात्र ऋतिक मिश्रा के परिवार से मुलाकात की, जिन्होंने नीट पेपर लीक की खबर मिलने के बाद आत्महत्या कर ली। मैंने उनके पिता अनूप मिश्रा से मुलाकात की। संजय सिंह ने आगे कहा कि ऋतिक ने इससे पहले दो बार परीक्षा दी थी, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। इस बार उन्होंने कड़ी मेहनत की, तैयारी की और नीट परीक्षा दी। जब उन्हें पेपर लीक के बारे में पता चला, तो वे सदमे और आघात को सहन नहीं कर सके। इसका उन पर इतना

गहरा असर हुआ कि उन्होंने अपनी जान ले ली। संजय सिंह ने आगे कहा कि मैं मोदी सरकार से पूछना चाहता हूं। इन आत्महत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है? असली दोषी कौन है? यह आत्महत्या नहीं है, यह हत्या है। यह सरकार द्वारा किया गया नरसंहार है। भाजपा सरकार द्वारा अंजाम दिया गया कत्ल है। उन्होंने कहा कि इन हत्याओं का दोष कैसे तय होगा। इन हत्याओं के लिए कौन जिम्मेदार ठहराया जाएगा। इसमें किसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

रिश्ता शर्मसार! कहासुनी बढ़ी तो भाभी ने ननद के सिर पर डंडे से किए कई वार, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

कासगंज, 4 जून (एजेंसियां)। जिले में आपसी विवाद के दौरान 17 वर्षीय किशोरी की उसकी भाभी ने कथित तौर पर डंडे से सिर पर वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी भाभी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। उसने बताया कि घटना सहावर थाना क्षेत्र के नगला चौबे गांव की है। किशोरी की पहचान ज्योति कुमारी (17) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को ज्योति का अपनी भाभी मनु से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

उसने बताया कि कहासुनी बढ़ने के बाद विवाद हिंसक हो गया और मनु ने ज्योति के सिर पर कथित रूप से डंडे से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि परिजन और ग्रामीण ज्योति को तत्काल सहावर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

23 लाख के बीमा दावे में फर्जीवाड़े की आशंका लोक अदालत ने दिए जांच के आदेश

देवरिया, 4 जून (एजेंसियां)। स्थायी लोक अदालत पीठ के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्र ने 23 लाख रुपये बीमा दावा प्रकरण में फर्जीवाड़े की आशंका जताते हुए वादी, उसके अधिवक्ताओं व शपथपत्र सत्यापित करने वाले अधिवक्ताओं के विरुद्ध प्रारंभिक जांच के आदेश दिए हैं। अदालत ने प्रथम दृष्टया अभिलेखों में कूटरचना, मिथ्या प्रस्तुतीकरण व न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग की संभावना व्यक्त करते हुए पांच लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही आठ जून को सुबह 11 बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

मामला हुकुम सिंह बनाम भारती एक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड व अन्य से संबंधित है। सुनवाई के दौरान वादी पक्ष के अधिवक्ता ऋषि श्रीवास्तव ने हुकुम सिंह जाटव का शपथपत्र साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया। इस पर न्यायालय ने पूछा कि जब वादी न्यायालय में उपस्थित नहीं हैं तो शपथपत्र का सत्यापन किस प्रकार कराया गया।

अधिवक्ता ने वादी की वृद्धावस्था का हवाला देते हुए कहा कि वह न्यायालय आने में असमर्थ हैं। हालांकि शपथ आयुक्त के संबंध में पूछे गए सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका। अदालत ने आदेश में कहा है कि वादी को देवरिया के रामनाथ मोहल्ला स्थित पानी टंकी के पास का निवासी बताया गया, लेकिन उनकी उपस्थिति सुनिश्चित नहीं कराई गई।

पूछताछ के दौरान अधिवक्ता ने पहले वादी के ग्वालियर में होने व गंभीर रूप से बीमार होने की बात कही। बाद में एक आवेदन प्रस्तुत कर परिवाद वापस लेने व क्षेत्राधिकार के अनुसार अन्य न्यायालय में वाद दाखिल करने की अनुमति मांगी।

केजीएमयू में ढाई करोड़ के दवा घोटाले का खुलासा जांच समिति की रिपोर्ट में चौंकाने वाली जानकारियां

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। केजीएमयू के यूरोलॉजी विभाग में असाध्य योजना के बजट से हुए कथित दवा घोटाले की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पांच सदस्यीय जांच समिति की करीब 700 पेज की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि साधारण पेशाब संबंधी बीमारियों और गुर्दे की पथरी से पीड़ित मरीजों के नाम पर लाखों रुपये की कैंसर की महंगी दवाएं खरीदी गईं।

मामले में करीब ढाई करोड़ रुपये के घपले की आशंका जताई गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार कई मरीजों के यूएचआईडी नंबर और असाध्य योजना कार्ड का गलत इस्तेमाल किया गया। मरीजों के नाम पर हॉस्पिटल रिवॉल्विंग फंड (एचआरएफ) स्टोर से महंगी दवाएं जारी कराई गईं और उनका भुगतान भी करा लिया गया। बाद में इन दवाओं की कालाबाजारी किए जाने की आशंका जताई गई है।

समिति को ऐसे मामले भी मिले हैं जिनमें किडनी, प्रोस्टेट और पथरी के मरीजों के नाम पर कैंसर की दवाएं मंगाई गईं। कागजों में दवाएं मरीजों को चढ़ाई गईं, जबकि वास्तविकता में उन्हें निजी मेडिकल स्टोरों में बेचे जाने के संकेत मिले हैं। अब जांच टीम दवाओं की खरीद-बिक्री की पूरी कड़ी खंगाल रही है। रिपोर्ट में हरदोई की एक महिला मरीज का मामला भी सामने आया है,

जिसकी दोनों किडनियां फेल थीं और डायलिसिस चल रही थी। आरोप है कि मरीज की मौत के बाद भी उसके नाम पर महीनों तक कैंसर की दवाएं मंगाई जाती रहीं। समिति अब यह पता लगाने में जुटी है कि करोड़ों रुपये की दवाएं कहां खपाई गईं और पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड कौन है। पुलिस की मदद से जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

8000 में सरकारी डॉक्टर ने जोड़ी हड्डी, बाकी पैसे नहीं मिले तो मोडकर तोड़ दिए पैर, भटक रही मां

मुजफ्फरनगर, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने आरोप लगाया है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने उसकी बेटी की इलाज के लिए पैसे की मांग की और फिर गलत तरीके से इलाज करके मासूम बच्ची के पैर को भी नुकसान पहुंचाया है। अब पीड़ित मां अपनी 14 साल की बच्ची के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंची हुई है। बताया जा रहा है कि बच्ची मानसिक रूप से अस्वस्थ है।

पीड़ित मां रेशमा के मुताबिक करीब डेढ़ महीने पहले उसने अपनी बेटी के दाहिने पैर का ऑपरेशन जिला अस्पताल में करवाया था। इसके लिए अस्पताल कर्मियों ने 25000 रुपये की मांग की तो महिला ने खुद को विधवा बताते हुए असमर्थता जताई तो उन्होंने इलाज से मना कर दिया। इसके बाद महिला ने डीएम साहब के दरबार में अर्जी लगाई,जिन्होंने सीएमओ को मुफ्त इलाज के आदेश दिए। इसके बावजूद अस्पताल कर्मियों ने 8000 ले लिए और कहा कि बाकी पैसे बाद में देने होंगे। फिर महिला को डॉक्टर ने कुछ दिन बाद चेकअप के लिए बुलाया ताकि बच्ची का घुटना मुड़ सके। जब महिला बेटी को लेकर पहुंची तो जिस डॉक्टर ने बच्ची का ऑपरेशन किया था, उसने बच्ची का घुटना जबरन मोड़ दिया। इस दौरान बच्ची दर्द से चिल्ला पड़ी और पैर से हड्डी टूटने की आवाज आई। लेकिन डॉक्टरों ने उसे भगा दिया।

बाद में महिला ने डॉक्टर से शिकायत की लेकिन किसी ने नहीं सुनी। वहीं अब इस घटना को लेकर जिले के सीएमओ सुनील तेवतिया का बयान सामने आया है।सीएमओ का कहना है कि दूसरे पक्ष की बात को सुने बगैर अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच गंभीरता से कराई जाएगी। अगर अस्पताल कर्मियों या डॉक्टरों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो उनके खिलाफ़ सख्त कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई होगी।

यूपी विधानसभा तो दूर की बात सपा पंचायत चुनाव भी नहीं जीत पाएगी: ओपी राजभर

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने गुरुवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। राजभर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव की रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, आप कितने भी पैंतरे और हथकंडे अपना लें।।। प्रधान जी तो प्रधान ही रहेंगे। अपने एसपी वाले गुंडों को यह बात अच्छी तरह समझा देना कि विधानसभा चुनाव तो दूर की बात है, अब तुम लोग पंचायत चुनाव भी नहीं जीत पाओगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव के भाई लंदन निकल लिए हैं। एसपी कार्यकर्ता उनका सूटकेस, बैग और हैंडबैग उठाकर एयरपोर्ट तक ले जाएं। राजभर ने व्यंग्य करते हुए सुझाव दिया, वहीं तुम्हें कुछ 'बढ़िया नंबर' मिल जाएंगे।

उसके बाद सोशल मीडिया पर जाकर पोस्ट करना कि आज मुझे भैया जी (अखिलेश यादव) का बैग उठाने का सौभाग्य मिला। मंत्री ने यह भी कहा कि अखिलेश यादव अभी एयर कंडीशंड हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की स्थिति में भी नहीं हैं। उनके अपने लोग घोटालों में फंस गए हैं और योगी आदित्यनाथ सरकार की पुलिस उनकी देखभाल कर रही है। राजभर का आरोप है कि अगर अखिलेश एसी हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे तो मीडिया वाले कड़े सवाल पूछना शुरू कर देंगे।

तेज प्रताप यादव किसे अपना गुरु मानते हैं? फोटो पोस्ट कर खुद बताया

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। अब तेज प्रताप यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके अपने गुरु के बारे में जानकारी दी है। तेज प्रताप ने एक्स पर पोस्ट करके बताया, ब्रजभूमि बरसाना के परम पूज्य संत रमेश बाबाजी महाराज के श्रीचरणों में मेरा कोटि-कोटि प्रणाम। मैं नियमित रूप से उनके भजन और कथा सुनता हूं, जिनसे मेरे मन को अपार शांति और भक्ति की अनुभूति होती है। मान मंदिर की पावन पहाड़ियों पर निवास करने वाले बाबाजी महाराज अपना संपूर्ण जीवन श्री राधा-कृष्ण की सेवा, भक्ति और लीलाओं के प्रचार-प्रसार में समर्पित किए हुए हैं।

मेरे पिता भी उनका अत्यंत सम्मान करते हैं, और मैं उन्हें अपना गुरु मानता हूं। ऐसे विरक्त संत बहुत दुर्लभ होते हैं, जो अपने जीवन से भक्तों को प्रेम, भक्ति और भगवान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। राधे-राधे। गौरतलब है कि तेज प्रताप कृष्ण भक्ति में अक्सर लीन दिखाई देते हैं और यूपी के मथुरा-वृंदावन की यात्रा करते हैं। तेज प्रताप के गुरु रमेश बाबा, बरसाना में ही रहते हैं। वहां एक भव्य मंदिर है, जहां लोक नृत्य का कार्यक्रम भी होता है। यहां सभी राधा जी की भक्ति में लीन रहते हैं। बरसाना का मान मंदिर काफी प्रसिद्ध है और रमेश बाबा यहीं निवास भी करते हैं। रमेश बाबा लंबे समय से भगवान की भक्ति में लीन रहे हैं और उनके काफी फॉलोअर्स हैं।

बृज में उनका नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। तेज प्रताप ने हालही में अपना वृंदावन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस वीडियो में वह कृष्ण बने दिख रहे थे और उनके चारों ओर गोपियां नाच रही थीं। तेज प्रताप ने इस वीडियो को पोस्ट करके लिखा था, वृंदावन के पावन धाम में स्थित वंशीवट वह दिव्य स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण अपनी मधुर बांसुरी बजाते थे। बांसुरी की मोहक धुन सुनकर गोपियां और भक्त उनकी ओर खिंचे चले आते थे। मान्यता है कि यहीं से भगवान श्रीकृष्ण ने प्रेम, भक्ति और दिव्य आनंद का संदेश दिया। आज भी वंशीवट श्रद्धालुओं के लिए आस्था, प्रेम और कृष्ण-भक्ति का पवित्र प्रतीक है।

तिहरे हत्याकांड के दोषी को फांसी की सजा
पत्नी और 2 मासूम बेटियों की पत्थर से कुचलकर की थी हत्या, लगा 50 हजार का जुर्माना

महोबा, 4 जून (एजेंसियां)। जिले की एक अदालत ने करीब 3 साल पहले पत्नी और 2 नाबालिग बेटियों की हत्या के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, महोबा के कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के समदनगर निवासी देवेन्द्र विश्वकर्मा ने 17 जुलाई, 2023 को पत्नी रामकुमारी और दो बेटियों सोनाक्षी (6)और आयुषी (9) की सिर पर पत्थर से वार कर हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राजकुमारी के पिता हरि प्रसाद पांचाल की शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया था। एक विज्ञप्ति के मुताबिक पुलिस ने जांच पूरी की और 24 अगस्त, 2023 को अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत मामले की निगरानी की गई। उन्होंने बताया कि निगरानी प्रकोष्ठ और अभियोजन पक्ष के निरंतर प्रयासों के बाद, अदालत ने 3 जून, 2026 को विश्वकर्मा को दोषी करार दिया और उसे मौत की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

मुजफ्फरपुर के अस्पताल में आग से 5 मरीजों की मौत
स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का रहा ऐसा रिएक्शन

मुजफ्फरपुर, 4 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सबसे बड़े अस्पताल माने जाने वाले प्रसाद हॉस्पिटल में भयावह हादसा हुआ। यहां आईसीयू वॉर्ड में लगी आग ने 5 मरीजों को अपनी चपेट में ले लिया, जबकि कई अन्य मरीज घायल हैं। गुरुवार (4 जून) की सुबह करीब 3.00 बजे हुए इस हादसे ने पूरा इलाके को हिला कर रख दिया है। बताया जा रहा है कि आईसीयू में 13 से 15 मरीज गंभीर हालत में भर्ती थे। आग लगने के बाद वे खुद बाहर भी नहीं निकल सकते थे। ऐसे में धुएं और ऑक्सीजन की कमी के बीच कई लोगों की मौत हो गई। इस बीच जब बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने चुप्पी साध ली। बिहार सरकार के नए स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मुजफ्फरपुर की घटना पर कुछ नहीं बोला। पत्रकार लगातार उनसे सवाल करते रहे, लेकिन निशांत कुमार ने कोई जवाब नहीं दिया। साथ ही, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी इस मामले में चुप्पी साधे रखी। लगातार सवाल पूछे जाने पर भी वे कुछ नहीं बोले।

आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत की चुप्पी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सरकार में बैठे लोग चाहे वह मंत्री हों या सांसद, संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार कर रहे हैं। मीडिया जब सवाल पूछता है तो स्वास्थ्य मंत्री और जेडीयू सांसद चुप्पी साध लेते हैं। वहीं, निशांत कुमार के पक्ष में जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि सुबह 3:00 बजे कि यह घटना है और सुबह की फ्लाइट से मंत्री जा रहे थे। ऐसा नहीं है कि घटना की जानकारी मंत्री को नहीं थी। तभी तो स्वास्थ्य विभाग एक्शन में है। मेरा मानना है कि एक्शन पर लोगों को फोकस करना चाहिए ना कि बयान पर। जानकारी के लिए बता दें, मुजफ्फरपुर आग हादसे में अब तक जिन 5 लोगों की मौत हुई है, उनमें रतनपुर औराई निवासी शशांक कुमार, मोतीपुर निवासी गीता देवी, तरियानी निवासी उदय झा, औराई के रहने वाले कृष्णनंदन और साहेबगंज के संजीत कुमार शामिल हैं।

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के घुटने में दिक्कत, इलाज के लिए दिल्ली जाएंगे; स्वस्थ होने के बाद करेंगे लद्दाख का रुख

धर्मशाला, 4 जून (एजेंसियां)। तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा स्वास्थ्य जांच के लिए हिमाचल से दिल्ली जाएंगे। दलाई लामा के घुटने में दिक्कत है, इस कारण वह दिल्ली के अस्पताल में जा रहे हैं। धर्म गुरु कल यानी शुक्रवार को धर्मशाला से दिल्ली के लिए रवाना होंगे, जहां उनके बाएं घुटने का इलाज होगा। इससे पहले भी दलाई लामा उपचार के लिए हिमाचल से बाहर जाते रहे हैं। अमेरिका में भी धर्म गुरु उपचार के लिए जा चुके हैं। धर्मगुरु को घुटने में दिक्कत रहती है, इस कारण उन्हें सहारे से उठना-बैठना होता है और चलने फिरने में भी कई बार दिक्कत महसूस होती है। दिल्ली में उपचार के बाद ठीक होने पर वह जून के अंत में लद्दाख की यात्रा करेंगे। लद्दाख में धर्म गुरु का लंबे समय तक रुकने का कार्यक्रम है। बरसात की शुरुआत में धर्म गुरु हर वर्ष लद्दाख जाते हैं।

सीबीएसई की तीन भाषा की नीति पर बवाल

जयराम रमेश बोले- शिक्षा मंत्रालय चला रहा राजनीतिक एजेंडा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को कक्षा 9 और 10 में सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा फॉर्मूला लागू किए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक एजेंडा चलाने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस फैसले के पीछे कोई शैक्षणिक आधार नहीं है और यह पूरी तरह राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि दिसंबर 2025 में सीबीएसई की गवर्निंग बॉडी की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एनसीईआरटी द्वारा विभिन्न भाषाओं की कक्षा-वार पाठ्यपुस्तकें जारी होने तक मौजूदा भाषा व्यवस्था जारी रखी जाएगी। इस फैसले पर उस समय के सीबीएसई

अध्यक्ष और सचिव ने भी हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद मई 2026 में सीबीएसई ने एक सर्कुलर जारी कर 1 जुलाई 2026 से कक्षा 9 और 10 में तीसरी भाषा अनिवार्य रूप से जोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही स्कूलों को कक्षा 9 के छात्रों को तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए एनसीईआरटी की कक्षा 6 की किताबों का उपयोग करने को कहा गया। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि पिछले छह महीनों में ऐसा क्या बदल गया, जबकि एनसीईआरटी ने अब तक कक्षा 9 और 10 के लिए तीसरी भाषा की नई पाठ्यपुस्तकें जारी नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि सीबीएसई ने अपनी ही पाठ्यक्रम समिति और गवर्निंग बॉडी की सिफारिशों को दरकिनार कर यू-टर्न लिया है। रमेश ने कहा कि इस फैसले से स्कूलों की शैक्षणिक योजनाएं प्रभावित हो रही हैं और लाखों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ सकता है। उनके अनुसार, शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई जैसे स्वायत्त संस्थान शिक्षा विशेषज्ञों की सलाह के बजाय सरकार के राजनीतिक एजेंडे के आधार पर काम कर रहे हैं।

महिला उत्पीड़न मामले में टीएमसी पार्षद बिस्वजीत मंडल गिरफ्तार

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। पुलिस के रीजेंट पार्क थाने ने आज कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के वार्ड संख्या 114 के तृणमूल कांग्रेस पार्षद बिस्वजीत मंडल को गिरफ्तार किया। उनकी गिरफ्तारी एक महिला के साथ कथित उत्पीड़न और मारपीट के मामले में की गई है। यह मामला वर्ष 2024 में रीजेंट पार्क क्षेत्र में हुई एक घटना से जुड़ा है। महिला ने आरोप लगाया है कि बिस्वजीत मंडल ने मार्च 2024 और 9 मई 2026 को उसके साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न किया था। उसने यह भी आरोप लगाया कि पार्षद ने उसके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकियां दीं। महिला का दावा है कि पहली घटना के बाद भी उसने पुलिस से शिकायत की थी, हालांकि, उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े होने के कारण पार्षद के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

महिला ने बताया कि मई में कथित तौर पर घटना दोबारा होने के बाद उसने फिर से रीजेंट पार्क थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस बार पुलिस ने मामला दर्ज किया, जांच शुरू की और आज सुबह पार्षद को गिरफ्तार कर लिया। बिस्वजीत मंडल की गिरफ्तारी के साथ ही पिछले तीन दिनों में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस पार्षदों की संख्या चार हो गई है। इन सभी पर मुख्य रूप से भ्रष्टाचार, उगाही और अन्य आरोप लगे हैं। 2 जून को वार्ड संख्या 36 के पार्षद सचिन सिंह और वार्ड संख्या 106 के पार्षद अर्जित दास को भ्रष्टाचार और उगाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 3 जून की रात वार्ड संख्या 42 के पार्षद महेश कुमार शर्मा को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ्तार किया गया।

मोबाइल से गरजे राहुल गांधी

उत्तराखंड रिमोट कंट्रोल से चल रहा, जनता के संसाधनों की हो रही लूट

अल्मोड़ा, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खराब मौसम के कारण पंतनगर से अल्मोड़ा नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने सिमकनी मैदान में जुटे हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मोबाइल फोन के माध्यम से संबोधित किया। अपने संक्षिप्त लेकिन तीखे संबोधन में राहुल गांधी ने केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला तथा जल्द दोबारा उत्तराखंड आने का भरोसा दिलाया। राहुल गांधी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन इस सोच के साथ हुआ था कि यहां की जनता अपने भविष्य का निर्णय स्वयं करेगी, लेकिन आज प्रदेश को यहां के लोग नहीं बल्कि दिल्ली से रिमोट कंट्रोल के जरिए चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की लगातार लूट हो रही है और सरकार जनता की आकांक्षाओं से दूर हो गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नोटबंदी और गलत जीएसटी नीतियों ने छोटे व्यापारियों और लघु उद्योगों की कमर तोड़ दी है। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों ने देश के आर्थिक आधार को कमजोर किया है।

विदेश नीति को लेकर भी उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की नीतियां स्वतंत्र नहीं रह गई हैं। राहुल गांधी ने कृषि और शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार आम जनता के बजाय चुनिंदा अरबपतियों के हित में काम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर बताते हुए संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। अपने संबोधन के अंत में राहुल गांधी ने कहा, मैं जल्द ही उत्तराखंड आऊंगा और आप सभी से सीधे मुलाकात करूंगा। उनके संदेश के साथ ही कार्यक्रम का समापन हो गया।

क्या जेल से बाहर आएगा हवारा? हाई कोर्ट में सुनवाई से पहले सीबीआई ने रखी आपत्ति

चंडीगढ़, 4 जून (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड में दोषी करार दिए गए जगतार सिंह हवारा की पैरोल याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली के डायरेक्टर जनरल (प्रिजन) को नए सिरे से नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि पूर्व में जारी नोटिस के बावजूद दिल्ली जेल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि चंडीगढ़ प्रशासन और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) पहले ही अपना-अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं। वहीं, दिल्ली जेल प्रशासन की ओर से जवाब न आने पर अदालत ने दोबारा नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 6 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी। हवारा ने अपनी वृद्ध और बीमार मां की देखभाल के लिए चार सप्ताह की पैरोल देने की मांग की है।

सांसद अमृतपाल के खिलाफ पैरवी करने वाले वकील की सुरक्षा हटाने पर हाई कोर्ट सख्त, पंजाब सरकार को भेजा नोटिस

चंडीगढ़, 4 जून (एजेंसियां)। सांसद अमृतपाल सिंह से जुड़े मामलों में अदालत में पैरवी कर रहे एडवोकेट सिमरनजीत सिंह की सुरक्षा वापस लिए जाने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मामले में 10 जून से पहले उचित कार्रवाई कर स्थिति स्पष्ट की जाए। याचिका में एडवोकेट सिमरनजीत सिंह ने दावा किया है कि अमृतपाल सिंह के समर्थकों और अन्य अलगाववादी संगठनों की ओर से जारी की गई 10 लोगों की कथित हिट लिस्ट में उनका नाम भी शामिल है। इस सूची के सार्वजनिक होने के बाद पिछले वर्ष पंजाब पुलिस ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की थी। हालांकि, हाल ही में बिना किसी नए खतरे के आकलन अथवा सुरक्षा समीक्षा के उनकी पूरी सुरक्षा वापस ले ली गई। याचिकाकर्ता का कहना है कि सुरक्षा हटाए जाने के बावजूद उनके और उनके परिवार के प्रति खतरा समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में राज्य सरकार का निर्णय न केवल मनमाना है बल्कि उनकी जान-माल की सुरक्षा के अधिकार को भी प्रभावित करता है। उन्होंने अदालत से सुरक्षा बहाल करने और खतरे के स्तर का नए सिरे से मूल्यांकन कराने की मांग की है। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि वह कई संवेदनशील मामलों में पेश हो रहे हैं। विशेष रूप से गुरप्रीत सिंह हरिनौ हत्या मामले में वह अमृतपाल सिंह के खिलाफ पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त खडूर साहिब से सांसद बने अमृतपाल सिंह के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका में भी वह याचिकाकर्ता विक्रमजीत सिंह दोआबी की ओर से अदालत में पेश हो रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि ऐसे मामलों में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण उन्हें लगातार सुरक्षा संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद बिना किसी ठोस कारण और बिना खतरे का पुनर्मूल्यांकन किए सुरक्षा वापस ले लेना उचित नहीं है।

सैन्य ड्रोन के लिए तगड़ी डील करेगा भारत 20 हजार करोड़ रुपये का होगा सौदा

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारत इस साल स्वदेशी कंपनियों से 20,000 करोड़ रुपये (करीब 2 अरब डॉलर) से ज्यादा के सैन्य ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। अगर ये सौदा पूरा होता है तो यह देश के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रोन खरीद होगी। ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीएफआई) के सूत्रों के अनुसार, इस खरीद योजना पर तेजी से काम चल रहा है और अगले 18 से 24 महीनों के भीतर ड्रोन की डिलीवरी शुरू हो सकती है। हाल ही में सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये के टैक्टिकल ड्रोन ऑर्डर दिए थे, जबकि अगला चरण 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यह खरीद फास्ट-ट्रैक या आपातकालीन खरीद प्रक्रिया के तहत की जा सकती है ताकि सेना की तत्काल जरूरतों को जल्दी पूरा किया जा सके। भारत की यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब हाल के सालों में ड्रोन युद्ध का महत्व तेजी से बढ़ा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान-अमेरिका इजराइल युद्ध ने दिखाया है कि कम लागत वाले ड्रोन भी युद्धक्षेत्र में बड़ा असर डाल सकते हैं। यही वजह है कि भारतीय सेना अब बड़े पैमाने पर ड्रोन शामिल करने पर जोर दे रही है। आधुनिक युद्ध में ड्रोन 'फोर्स मल्टीप्लायर' की भूमिका निभाते हैं।

ये निगरानी, लक्ष्य पहचान, सटीक हमले, रसद आपूर्ति और लोइटरिंग म्यूनिशन जैसे कई मिशनों को अंजाम दे सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक। फिलहाल, भारत में 600 से ज्यादा कंपनियां ड्रोन और उनके पुर्जों का निर्माण कर रही हैं, जिनमें 100 से ज्यादा कंपनियां रक्षा क्षेत्र के लिए काम कर रही हैं।

फर्जी कागजात, करोड़ों का कारोबार... मिजोरम-म्यांमार बॉर्डर पर ईडी का एक्शन, अवैध बर्मी सुपारी नेटवर्क पर रेड

चम्फाई, 4 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गुरुवार को मिजोरम-म्यांमार सीमा से लगे चम्फाई जिले में बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान शुरू किया। ईडी की टीम ने 9 अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए अवैध बर्मी सुपारी (सूखी सुपारी) की तस्करी से जुड़े संगठित नेटवर्क को निशाने पर लिया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, यह गिरोह म्यांमार से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से सुपारी भारत में ला रहा था। ईडी की छापेमारी मुख्य रूप से उन स्थानीय कारोबारियों और कथित मददगारों के घरों और व्यावसायिक परिसरों पर की जा रही है, जो इस तस्करी नेटवर्क को संचालित करने में अहम भूमिका निभा रहे थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि म्यांमार से आने वाली सुपारी की खेपों को तियू नदी के रास्ते भारत में लाया जाता था। इसके बाद इन्हें स्थानीय गोदामों में रखा जाता था। फर्जी ई-वे बिल और जाली दस्तावेजों के जरिए इन्हें स्थानीय खरीद दिखाकर देश के अन्य हिस्सों में भेजा जाता था।

बीजेपी एमएलए प्रियंका टिबरेवाल का टीएमसी से निष्कासित नेता संदीपन साहा के घर के बाहर प्रदर्शन

लगाए जमीन कब्जाने के आरोप

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। बीजेपी विधायक प्रियंका टिबरेवाल की अगवाई में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने टीएमसी के निष्कासित नेता संदीपन साहा के आवास के बाहर प्रदर्शन किया और उनके खिलाफ नारे लगाए। संदीपान साहा और स्वर्ण कमल साहा ने जनता के पैसे की लूट की है। पिछले दो दिनों से संदीपान साहा कह रहे हैं कि वो टीएमसी के इस भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हैं। वे कोई संत नहीं हैं। वे सब चोर हैं। हमारा मुद्दा यह है कि दुर्गापुर जिले के वार्ड नंबर 18 में हमारी जमीन का एक टुकड़ा है। प्रियंका ने कहा कि हम वहां खेती करते हैं। संदीपान साहा और उनके बेटे, दोनों ने कहा था कि वे हमें एक वर्ग फुट के लिए 50,000 रुपये देंगे।

हमें वह पैसा नहीं मिला। उन्होंने गरीब लोगों की जमीन बहला-फुसलाकर, डरा-धमकाकर और धमकियां देकर जबरदस्ती हथिया ली। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रियंका ने कहा, 'ये गधे जिन्हें जनता यहां लाई है, ये दिखाने के लिए हैं कि तृणमूल में दो गधे थे वो संदीपान साहा और स्वर्ण कमल साहा हैं। उन गधे जैसे लोगों ने जनता का पैसा लूटा है। अब उन्हें जवाब देना चाहिए कि उन्होंने ऐसा क्यों किया।' बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि पिता-पुत्र की इस जोड़ी ने आम नागरिकों से जबरदस्ती जमीन छीन ली और वसूली की चीजों में लिप्त रहे। इन आरोपों के संबंध में संदीपान साहा या टीएमसी की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।' टिबरेवाल ने पार्टी विधायकों के एक ग्रुप की बगावत के बाद तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रही राजनीतिक उथल-पुथल पर भी कमेंट किया।

पार्टी से निकाले गए नेता रीताब्रत बनर्जी को लीडर ऑफ अपोजिशन (एलओपी) के पद के लिए सपोर्ट करने वाले विधायकों के एक नए ग्रुप के सामने आने पर उन्होंने कहा कि यह तो होना ही था। यहां चोरों को लाकर पार्टी बनाई जाती है, वहां ऐसा होगा ही। उनका ये बयान टीएमसी में गहराते अंदरूनी संकट के बीच आया है, जहां 58 विधायकों के सपोर्ट का दावा करने वाले एक बागी गुट ने असेंबली स्पीकर रथिंद्रनाथ बोस से मान्यता मांगी थी।

भद्रक आयकर कार्यालय के ऑफिस सुपरिटेंडेंट को सीबीआई ने रंगे हाथों रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

भद्रक, 4 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक के आयकर विभाग कार्यालय में रिश्वत लेने के आरोप में एक बड़े अधिकारी को सीबीआई ने रंगे हाथों पकड़ लिया है। आरोपी की पहचान आयकर कार्यालय, भद्रक के ऑफिस सुपरिटेंडेंट रमेश कुमार महांति के रूप में हुई है। सीबीआई ने उन्हें शिकायत मिलने के बाद ट्रैप बिछाकर गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने सीबीआई को बताया था कि उसके नाम पर एक डुप्लिकेट पैन कार्ड दर्ज हो गया था, जिसे रद्द या डिलीट कराने के लिए वह आयकर विभाग के संपर्क में था। आरोप है कि इस काम को करने के बदले ऑफिस सुपरिटेंडेंट रमेश कुमार महांति ने उससे 5,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले को गंभीरता से लिया और 3 जून 2026 को आरोपी अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया। यह मामला को आरसी नंबर आरसी 04(ए)/2026-बीबीएस के तहत पंजीकृत किया गया। प्राथमिक जांच के दौरान सीबीआई को यह जानकारी मिली कि आरोपी अधिकारी शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम लेने के लिए तैयार हो गया था। इसके बाद सीबीआई की भुवनेश्वर टीम ने एक विशेष ट्रैप ऑपरेशन की योजना बनाई। योजना के अनुसार शिकायतकर्ता को निर्धारित रकम लेकर आरोपी अधिकारी के पास भेजा गया।

पुलिस को मिली कामयाबी

948 कैमरों से ढूंढ निकाली सात वर्षीय लापता बच्ची, बदलापुर में मिली सुरक्षित

ठाणे, 4 जून (एजेंसियां)। ठाणे के मुंब्रा पुलिस ने लापता सात वर्षीय बच्ची का पता लगाने के लिए 948 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। बच्ची बाद में बदलापुर में सुरक्षित पाई गई । उसने जांचकर्ताओं को बताया कि वह घर में कथित दुर्व्यवहार से बचने के लिए भाग गई थी। यह जानकारी एक अधिकारी ने गुरुवार को दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन-आई) बालासाहेब पाटिल के अनुसार, दिवा क्षेत्र की निवासी यह लड़की 28 मई की शाम को लापता हो गई, जिसके बाद पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया। इसके साथ ही एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू करने के लिए छह टीमें गठित कीं। अगले दिन पहली सफलता मिली, जब पड़ोस में लगे एक निगरानी कैमरे में लड़की की तस्वीर कैद हो गई।

पुलिस ने ऐसे ही 67 अन्य कैमरों की मदद से 30 मई को पता लगाया कि लड़की दिवा रेलवे स्टेशन पर थी। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद वह एक अज्ञात व्यक्ति के साथ लोकल ट्रेन में सवार हो गई।

पहले भगवान जगन्नाथ के सामने हाथ जोड़े, फिर दानपेटी लेकर फरार; सीसीटीवी में कैद अनोखा कांड

राउरकेला, 4 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के राउरकेला शहर से चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। उदितनगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में एक चोर ने चोरी करने से पहले भगवान को प्रणाम किया और उसके बाद मंदिर की दानपेटियों को निशाना बनाकर नकदी लेकर फरार हो गया। इस पूरी घटना का वीडियो मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना 1 जून की भोर में करीब चार बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति मंदिर परिसर में प्रवेश करता है। मंदिर में घुसने के बाद वह सबसे पहले अरुण स्तंभ के पास जाकर भगवान को प्रणाम करता है। इसके बाद वह मंदिर परिसर में स्थित भगवान शिव के स्थान पर भी जाकर सिर झुकाता है। वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि प्रणाम करने के बाद चोर अपने असली मकसद को अंजाम देना शुरू कर देता है। वह सबसे पहले मंदिर के बाहर रखी दानपेटी को खींचकर वहां से ले जाता है। बताया जा रहा है कि उसने दानपेटी को मंदिर के पीछे ऐसे स्थान पर पहुंचाया, जहां सीसीटीवी कैमरों की सीधी नजर नहीं थी। वहां उसने दानपेटी को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकाल ली। इसके बाद भी चोर नहीं रुका। उसने मंदिर के गर्भगृह की ओर जाने वाले दरवाजे को नुकसान पहुंचाकर अंदर प्रवेश किया। वहां रखी दूसरी दानपेटी को भी अपने कब्जे में लेकर उससे पैसे चोरी कर लिए। इस तरह चोर ने मंदिर के अंदर और बाहर दोनों दानपेटियों को निशाना बनाया।

तमिलनाडु सरकार का सख्त एक्शन, 155 खदानों में गड़बड़ी मिलने के बाद ड्रोन से निगरानी की तैयारी

चेन्नई, 4 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के भूविज्ञान और खनन विभाग ने राज्यभर में खदानों की निगरानी के लिए उन्नत तकनीक से लैस ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। हाल ही में किए गए निरीक्षण अभियान में बड़ी संख्या में नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया। यह फैसला पिछले सप्ताह प्राकृतिक संसाधन विभाग की ओर से किए गए औचक निरीक्षणों के बाद लिया गया। इन निरीक्षणों में राज्य के अलग-अलग जिलों की 155 खदानों में अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन आधारित निगरानी से अवैध खनन पर रोक लगाने और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। प्राकृतिक संसाधन मंत्री टीके। प्रभु ने खुद तेनकासी, कन्याकुमारी, विरुधुनगर और मदुरै जिलों की खदानों का निरीक्षण किया। यह अभियान खनन क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर लगाम लगाने के लिए चलाया गया था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खदानों में चल रहे कार्यों, लीज की शर्तों और नियमों के पालन की जांच की।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, अभियान के दौरान कुल 431 खदानों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 155 खदानों में विभिन्न नियमों और संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन पाया गया। जांच के बाद मंत्री ने नियमों का उल्लंघन करने वाली सभी खदानों में खनन गतिविधियां तत्काल प्रभाव से रोकने के निर्देश दिए।

फरार पूर्व बीडीओ पर कसेगा शिकंजा

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश; क्या है मामला?

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। कोलकाता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल पुलिस को फरार पूर्व बीडीओ प्रशांत बर्मन के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश सोने के व्यापारी स्वपन कामिल्या की हत्या के मामले में दिया गया है। अदालत ने पुलिस को अगले 10 दिनों के भीतर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने को कहा है। बर्मन उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज ब्लॉक का पूर्व बीडीओ है। वह पिछले साल हुई स्वपन कामिल्या की हत्या और अपहरण के मामले में आरोपी है।

न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय की एकल-न्यायाधीश अवकाश पीठ ने बुधवार शाम यह आदेश पारित किया। आदेश की प्रति गुरुवार को कोलकाता उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई। पीठ ने राज्य के पुलिस

महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय को भी निर्देश दिया है। उन्हें अगले 10 दिनों के भीतर कोलकाता उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को अनुपालन रिपोर्ट सौंपनी होगी। साथ ही, अदालत ने संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश भी दिया है। यह आदेश कर्तव्य में लापरवाही के लिए दिया गया है। पिछले साल 26 मई को बर्मन को उत्तर 24 परगना की एक जिला अदालत में पेश किया गया था। यह पेशी सोने के व्यापारी की हत्या और नशे में गाड़ी चलाने के दो मामलों में हुई थी। हालांकि, जांच अधिकारी हत्या के मामले से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। इसके बाद बर्मन को नशे में गाड़ी चलाने के मामले में 1000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद वह फिर से फरार हो गया। बर्मन की गिरफ्तारी 25 मई की आधी रात को कोलकाता के न्यू टाउन में हुई थी।

यह गिरफ्तारी एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत हुई। विधाननगर सिटी पुलिस के अनुसार, बर्मन नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। उसने एक दोपहिया वाहन चालक को टक्कर मार दी थी। स्थानीय लोगों के इकट्ठा होने पर उसने गाली-गलौज की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बर्मन तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं का करीबी बताया जाता है।

अमेरिका में एक भारतीय पर दर्ज हुआ केस, गर्भवती किशोरी की जान लेने का आरोप

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में 33 साल के एक भारतीय व्यक्ति पर केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि उसने गर्भवती महिला की जान ली है। ओहियो में एक रेंज रोवर वेलार दुर्घटना में मारी गई गर्भवती किशोरी की मां ने कहा है कि वह चाहती हैं कि इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट इस घटना के लिए आरोपी भारतीय व्यक्ति को देश से बाहर निकाल दे। एनेट होम्स ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि तरसेम सिंह देश में रहे। पीड़ितों के परिवार के अनुसार, तरसेम सिंह 17 वर्षीय ऐशली होम्स के अजन्मे बच्चे का पिता था और वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा एक भारतीय नागरिक था। रिश्तेदारों ने न्यूजवीक को बताया कि ऐशली ने इस रिश्ते से बाहर निकलने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। पुलिस के अनुसार, 16 फरवरी को जब गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई तब एशली एक रेंज रोवर वेलार में सवार थी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब सिंह ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के कहने पर गाड़ी नहीं रोकी और डिप्टी अधिकारियों के साथ तेज रफ्तार से पीछा करना शुरू कर दिया।

सदी का सूर्यग्रहण 6 मिनट 23 सेकंड तक नहीं दिखेगा सूरज

दिन में छा जाएगा अंधेरा, क्या भारत में दिखेगा?

वाशिंगटन, 4 जून (एजेंसियां)। दुनिया भर के खगोलशास्त्री 21वदीं सदी में होने वाले सबसे महत्वपूर्ण खगोलीय घटना को देखने की तैयारी कर रहे हैं। यह एक पूर्ण सूर्यग्रहण होगी, जिसे सदी का सूर्यग्रहण नाम दिया गया है। इस शानदार खगोलीय घटना के दौरान आसमान लगभग 6 मिनट और 23 सेकंड के लिए अंधेरे में डूब जाएगा। इस दौरान चंद्रमा सूर्य की डिस्क को ढंक लेगा, जिससे स्पेन, मोरक्को, मिस्र और सऊदी अरब जैसे कई देशों में शानदार नजारा दिखाई देगा। नासा के अनुसार, यह एक पूर्ण सूर्यग्रहण होगा जिसे 2 अगस्त 2027 को देखा जा सकेगा। इसे 21वीं सदी की सबसे बेहतरीन घटनाओं में से एक माना जा रहा है।

सबसे खास इस ग्रहण की लंबी अवधि है, जो इसे 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्यग्रहण बनाती है। खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती पर लोगों ने इस अवधि का सूर्यग्रहण पिछली बार साल 1991 में देखा था। अगली बार इस तरह का मौका 2114 में आएगा। सूर्यग्रहण तब होता है जब चंद्रमा अपने परिक्रमा मार्ग पर चलते हुए पृथ्वी और सूर्य

की सीध में आ जाता है। इसके चलते चंद्रमा की छाया पृथ्वी पर पड़ती है। लेकिन यह हर बार अलग-अलग समय तक चलता है। इसकी वजह पृथ्वी और चंद्रमा के बीच दूरी में आने वाला अंतर है। इसमें सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी का भी असर होता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, 2 अगस्त 2027 को सूर्यग्रहण की घटना के समय चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी बहुत कम होगी। वहीं, इसी समय पृथ्वी से सूर्य की दूरी अपने अधिकतम स्तर पर होगी। यह एक विशेष स्थिति होगी जब सूर्य छोटा दिखाई देगा जबकि चंद्रमा पास होने के चलते बड़ा होगा।

आकाशीय पिंडों का इस तरह एक सीध में आना एक बहुत ही दुर्लभ स्थिति होती है। इसकी वह से ग्रहण की अवधि असाधारण रूप से लंबी हो गई है। सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण कही जाने वाली यह घटना हजारों किलोमीटर तक लंबे मार्ग से होकर गुजरेगी। यह स्पेन के ऊपर अटलांटिक महासागर के ऊपर से शुरू होगा। इसे स्पेन के दक्षिणी हिस्से में सबसे पहले देखा जा सकेगा। इसके बाद यह उत्तरी अफ्रीका में मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र, सूडान से होते हुए सऊदी अरब और यमन के हिस्सों में दिखाई देगा। हालांकि, भारत में रहने वाले लोगों को इसके दीदार नहीं होंगे, क्योंकि इसका मार्ग भारतीय उपमहाद्वीप से होकर नहीं गुजरेगा। इस ग्रहण को देखने के लिए सबसे शानदार जगह मिस्र में होगी।

किंग्स वैली के पास लक्सर के खंडहरों से यह अपने चरम रूप में देखा जा सकेगा। लक्सर में इसे 6 मिनट 19 सेकंड तक दिखाई देगा, जो इसकी पूर्णता की अवधि से महज 4 सेकंड कम होगा। दुनिया भर के अंतरिक्ष के शौकीन अभी से ही इसे देखने के लिए लक्सर और आस-पास के इलाकों में जाने की योजना बना रहे हैं।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम में अमेरिकी गैजेट्स, सालों तक हुई सप्लाई; अब दबोचा गया टेक सीईओ

वाशिंगटन, 4 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान को प्रतिबंधित तकनीकी उपकरणों की कथित आपूर्ति से जुड़े मामले में अमेरिकी-ईरानी नागरिक और टेक्नोलॉजी कंपनी के प्रमुख जमशीद घोमी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच एजेंसियों का आरोप है कि करीब एक दशक तक अमेरिकी एक्सपोर्ट नियमों को दरकिनार कर संवेदनशील नेटवर्किंग और एन्क्रिप्शन गैजेट्स ईरान के परमाणु और रक्षा प्रतिष्ठानों तक पहुंचाए। 63 वर्षीय जमशीद घोमी कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट कोस्ट का निवासी है। वह तेहरान स्थित तकनीकी कंपनी फराज परदाज रायानेह कंपनी लिमिटेड (एफपीआर) का संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी है। उसकी गिरफ्तारी एक संघीय आपराधिक शिकायत के आधार पर की गई। उसने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का उल्लंघन करने की साजिश रची और अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद बिना अनुमति संवेदनशील तकनीक ईरान भेजी।

ईरान से अब युद्ध नहीं लड़ पाएंगे ट्रंप?

अमेरिकी संसद ने सेना वापस बुलाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

वाशिंगटन, 4 जून (एजेंसियां)। अमेरिका संसद ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए युद्ध शक्ति प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात नहीं मानते हुए, कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ मिलकर तीन महीने से चल रहे उस युद्ध को समाप्त करने का फैसला किया है, जिसने देश और विदेश में राजनीति की दिशा बदल दी है। संसद अध्यक्ष माइक जॉनसन ने युद्ध के बढ़ते विरोध को दर्शाने वाले इस परिणाम को रोकने की कोशिश की थी और दो हफ्ते पहले जब युद्ध शक्ति प्रस्ताव पारित होने ही वाला था, तब उन्होंने सदन की कार्यवाही अचानक रोक दी थी। लेकिन जैसे-जैसे संघर्ष लंबा खिंचता जा रहा है और ट्रंप जल्द समाधान के लिए बातचीत करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, असंतोष बढ़ता ही जा रहा है।

संसद में मतदान में 215 के मुकाबले 208 मत पड़े और सदन में खुशी की लहर दौड़ गई। न्यूयॉर्क के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज़ ने हफ्ते की शुरुआत में कहा था, यह

लापरवाह और खर्चीला युद्ध आज ही खत्म होना चाहिए। हमें बस कुछ रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन की जरूरत है और हम इस लापरवाह और खर्चीले युद्ध को समाप्त कर सकते हैं।

एक ऐसा युद्ध जिसकी वजह से अमेरिकी करदाताओं को 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। यह असाधारण है और जिसने ईरान के मुकाबले हमारे देश को कमजोर स्थिति में डाल दिया है। सीनेट ने पिछले महीने अपना युद्ध शक्ति प्रस्ताव पारित किया था, जब कुछ रिपब्लिकन सीनेटरों ने राष्ट्रपति से अलग होकर उनकी पार्टी की ओर से राजनीतिक विरोध का प्रदर्शन किया था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के लिए चुनाव प्रचार के दौरान विदेशों में अमेरिकी हस्तक्षेपों को समाप्त करने और घरेलू मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का वादा किया था, लेकिन युद्ध ने ध्यान वापस मध्य पूर्व की ओर मोड़ दिया है।

सीनेट के स्पीकर ने कहा, ट्रंप घरेलू मोर्चे पर पूरी तरह से केंद्रित हैं। 28 फरवरी को ईरान पर हमले में अमेरिका के इज़राइल के साथ शामिल होने के बाद से, अमेरिकियों ने पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की कीमतों में भारी उछाल देखा है, जिससे उपभोक्ता खर्च पर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया है। ईरान के होर्मुज के बंद कर देने से दुनिया के तेल, प्राकृतिक गैस और उर्वरक जैसे संबंधित उत्पादों की किल्लत हो रही है। अप्रैल में संघर्ष में युद्धविराम की घोषणा की गई थी, लेकिन स्थिति अभी भी अस्थिर और अनिश्चित है।

श्रीलंका के वृद्धाश्रम में लगी भीषण आग, 11 बुजुर्गों की मौत 7 गंभीर रूप से झुलसे

कोलंबो, 4 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका में भीषण आग की घटना सामने आई है। वृद्धाश्रम में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 7 अन्य बुजुर्ग झुलस गए। पुलिस ने कहा कि करीब साढ़े पांच बजे कलुतारा जिले के अंगुरुवाटोटा स्थित मावपिया सेवाना वृद्धाश्रम में आग लग गई। यह स्थान कोलंबो से लगभग 65 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। पुलिस ने कहा कि परिसर में 10 लोग मृत पाए गए, जबकि एक अन्य बुजुर्ग ने होराना बेस अस्पताल में भर्ती होने के बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, कुल 51 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया जबकि 7 घायल अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।

आग का मंजर देख स्थानीय लोगों की रूह कांप गई। पुलिस ने कहा कि स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से आग पर काबू पा लिया गया। घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। शुरुआती खबरों में सामने आया कि घटना के दौरान एक गैस सिलेंडर फट गया, जिससे आग तेजी से फैल गई। वृद्धाश्रम में आग लगने का सटीक कारण अब तक पता नहीं चल पाया है।

कुवैत एयरपोर्ट हमले में घायल भारतीयों से मिलीं भारत की राजदूत

हर संभव मदद का दिया भरोसा

कुवैत सिटी, 4 जून (एजेंसियां)। कुवैत में भारत की राजदूत पारमिता त्रिपाठी ने बुधवार को उन भारतीय नागरिकों से मुलाकात की, जो कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में घायल हुए हैं। उन्होंने घायल भारतीयों को दूतावास की तरफ से हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। राजदूत कुवैत के सेंट्रल मॉर्चुरी (शवगृह) भी गईं, जहां उस भारतीय नागरिक का पार्थिव शरीर रखा गया है जिसकी इस हमले में जान चली गई। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस दौरे की जानकारी साझा की।

दूतावास ने बताया कि राजदूत ने क्रिमिनल एविडेंस विभाग के जनरल मैनेजर ब्रिगेडियर अब्दुल रहीम अल-अवधी से भी मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद मामले में कुवैत प्रशासन की तरफ से मिली तुरंत मदद और संवेदनशीलता के लिए उनका आभार जताया। दूतावास ने जानकारी दी कि वे मृतक भारतीय नागरिक के परिवार के साथ लगातार संपर्क में हैं। शव को जल्द से जल्द भारत भेजने के लिए कुवैत के अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाया जा रहा है। राजदूत ने कुवैत के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती घायल भारतीयों का हालचाल जाना। उन्होंने घायलों से बातचीत की और आश्वासन दिया कि दूतावास अस्पतालों और उनके परिवारों के साथ मिलकर स्थिति की निगरानी करता रहेगा।

इससे पहले, भारत सरकार ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए इस ड्रोन हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आम लोगों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत ने एक बार फिर सभी पक्षों से ऐसे हमले रोकने की अपील की है।

'ईरान में फूट डालना चाहता है अमेरिका', ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप को दी खुली चेतावनी

तेहरान, 4 जून (एजेंसियां)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि हार के बाद दुश्मन फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान 'आजाद' देशों के लिए 'गर्व का स्रोत' बन गया है। ईरान की सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यह टिप्पणी अयातुल्ला रूहोल्ला खोमेनी की पुण्यतिथि की 37वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर पढ़े गए एक संदेश में की। ईरान के सुप्रीम लीडर का कहना है कि तेहरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने संबोधन में कहा है कि 'ईरान का दुश्मन' हार का सामना करने के बाद ईरानी लोगों के लचीलेपन को नुकसान पहुंचाने और आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने 'दुश्मन की युद्ध के मैदान में हार' के बाद फूट के प्रति आगाह किया। सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का कहना है कि अमेरिका और इजरायल अपने युद्ध में सैन्य रूप से नाकाम रहे हैं और अब उन्होंने एक ऐसे अभियान की ओर रुख कर लिया है जिसका उद्देश्य आंतरिक फूट डालना है।

'बांग्लादेश के गृह मंत्री भारत की भाषा बोल रहे'

तारिक रहमान सरकार पर क्यों भड़के बांग्लादेशी एक्सपर्ट?

ढाका, 4 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेशी गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद के भारत की सीमा पर बॉर्डर किलिंग को लेकर दिए गए एक बयान के बाद बांग्लादेश के अंदर एक बहस छेड़ दी है। बांग्लादेश में इस बयान को भारत के पक्ष में बताया जा रहा है। बांग्लादेश में यह बहस छिड़ गई है कि क्या देश के गृह मंत्री ने अपने एक बयान से उस मुद्दे को खत्म कर दिया है, जिसे ढाका दशकों से भारत के समक्ष उठाता रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 2 जून को सचिवालय में पत्रकारों से बात की थी। इस दौरान उन्होंने बॉर्डर किलिंग के मुद्दे पर बयान दिया था, जो अब सुर्खियों में है।

बांग्लादेश में विशेषज्ञों ने इस बयान को भारत के पक्ष में बताया है और कहा है कि इसकी भाषा वही है, जो भारत के अधिकारी और समर्थक सालों से इस्तेमाल कर रहे हैं। बांग्लादेश के लेखक और पत्रकार जन्नतुल नईम ने डेली स्टार में लिखा, यह वही तर्क है, जिसका सहारा भारत सरकार का हर प्रवक्ता लेता है, जब भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा की गई हत्याओं का मुद्दा उठता है। जन्नतुल नईम ने कहा कि जिस बात को भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से एक वैध ढांचे के रूप में नहीं स्वीकार करवा पाया था, बांग्लादेश के गृह मंत्री ने उसे आधिकारिक सिद्धांत के तौर पर पेश कर

दिया है। सलाहुद्दीन ने यह बयान ऐसे समय दिया है, जब 7 जून को बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड नई दिल्ली में बीएसएफ के साथ बातचीत करने जा रहा है। बांग्लादेशी एक्सपर्ट ने कहा कि गृह मंत्री के बयान ने बॉर्डर किलिंग शब्द का अर्थ ही बदल दिया है।

नईम ने लेख में कहा, बॉर्डर किलिंग का मतलब है कि सीमा सुरक्षा के संदर्भ में नागरिकों की हत्या, चाहे वह जीरो लाइन के किसी भी तरफ हुई हो। इसका कानूनी महत्व भूगोल पर नहीं, बल्कि आचरण पर टिका है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून केवल आत्मरक्षा में बल के उपयोग की अनुमति देता है। बल का कोई भी इस्तेमाल खतरे के अनुपात में होना चाहिए।

दुष्कर्म के आरोप में डिप्टी कलेक्टर गिरफ्तार महिला ने की शिकायत

मुरैना, 4 जून (एजेंसियां)। मुरैना में पदस्थ रहे डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर के खिलाफ एक युवती की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के बाद पुलिस ने डिप्टी कलेक्टर को गिरफ्तार पर लिया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि अधिकारी ने शादी का झांसा देकर लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण किया और बाद में शादी से इंकार कर दिया। जानकारी के अनुसार, मुरैना की रहने वाली 32 वर्षीय युवती ने सिविल लाइन थाना पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि वर्ष 2025 की शुरुआत में उसकी पहचान फेसबुक के माध्यम से अरविंद माहौर से हुई थी।

उस समय माहौर सबलगढ़ में एसडीएम के पद पर पदस्थ थे। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और बाद में मुलाकातों का सिलसिला शुरू हुआ। पीड़िता का आरोप है कि अधिकारी ने उससे शादी करने का वादा किया और इसी भरोसे पर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत में कहा गया है कि 30 मार्च 2025 को उसे घुमाने के बहाने मुरैना रेस्ट हाउस के पीछे ले जाकर दुष्कर्म किया गया। इसके बाद सरकारी आवास और ग्वालियर स्थित एक फ्लैट में भी कई बार उसका शोषण किया गया।

'मोदी सरकार पानी को बना रही आतंक का हथियार'

सिंधु जल संधि पर रोक से तिलमिलाए बिलावल ने उगला जहर

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने शहबाज शरीफ सरकार से दियामर-भाशा बांद परियोजना को जल्द पूरा करने की अपील की। दियामर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारत से बड़ा खतरा बताते हुए इस प्रोजेक्ट को पाकिस्तान की राष्ट्रीय जरूरत बताया। बिलावल ने अपने संबोधन में सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के फैसले की आलोचना की और मोदी सरकार के खिलाफ जहर उगला। पीपीपी चेयरमैन ने कहा कि भारत की मोदी सरकार को पानी को आतंकवाद के एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट दियामर के लोगों के अधिकार के साथ ही पाकिस्तान की जरूरत भी है। उन्होंने शहबाज शरीफ से अपील की कि वे इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए तेजी दिखाएं। दियामर-भाशा बांध 4500 मेगावाट का एक प्रोजेक्ट है, जिसे पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के दियामर में बनाया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत 15 अरब डॉलर है और इसके पूरा होने के बाद यह पाकिस्तान की सबसे बड़ी बांध परियोजना होगी। पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि यह परियोजना देश की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है।

इससे 12 लाख एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट को चीन की मदद से बनाया जा रहा है। परियोजना में चीन की सरकारी कंपनी चाइना पावर की 70% हिस्सेदारी है। वहीं, बाकी 30 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तानी सेना की कमर्शियल यूनिट फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन का है। भारत ने साल 2020 में उद्घाटन के समय ही इस परियोजना को लेकर अपनी आपत्ति जताई है। भारत ने साफ कहा है कि गिलगित-बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर का हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा किया है। यहां कोई परियोजना भारत की मर्जी के बिना नहीं हो सकती है।

जिसके लिए तबाह हो रहा ईरान

वही धड़ल्ले से बना रहा नॉर्थ कोरिया, किम जोंग ने खोला नया परमाणु पिटारा

प्योंगयांग, 4 जून (एजेंसियां)। एक ओर ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम आगे बढ़ाने पर जंग झेलनी पड़ रही है। आर्थिक बदहाली और अमेरिका-इजरायल के मिसाइल और ड्रोन हमले से तेहरान हलकान है। देश की लीडरशिप के साथ जनता भी मारी जा रही है। वहीं दूसरी ओर उत्तर कोरिया रुक ही नहीं रहा। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने एक नए परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्र का दौरा किया। उन्होंने संकेत दिया कि प्योंगयांग अपने परमाणु हथियार भंडार को पहले से कहीं अधिक तेजी से बढ़ाने की तैयारी में है।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि बुधवार को किम जोंग उन ने हाल ही में शुरू किए गए एक परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। हालांकि उत्तर कोरिया ने इस केंद्र का सटीक स्थान या उससे जुड़ी अन्य तकनीकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल उत्तर कोरिया के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्र योंगब्योन, कुसोंग और कांगसोंग में मौजूद हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि जिस केंद्र का दौरा किया गया, वह इन्हीं में से कोई है या कोई चौथा गुप्त केंद्र भी संचालित किया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री तैयार करने की देश की क्षमता दोगुने से भी अधिक बढ़ी है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय उत्तर कोरिया के परमाणु वैज्ञानिकों को देते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां और संभावित सुरक्षा चुनौतियां देश के परमाणु प्रतिरोधक तंत्र को और मजबूत बनाने की मांग करती हैं।

सुनंदा के सवाल पर थरूर ने दी थी छापा मरवाने की धमकी? ललित मोदी का सनसनीखेज दावा

लंदन, 4 जून (एजेंसियां)। आईपीएल के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने एक बार फिर कोच्चि आईपीएल फ्रेंचाइजी विवाद को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने उन्हें सुनंदा पुष्कर को लेकर सवाल न उठाने की चेतावनी दी थी। ललित मोदी के मुताबिक, यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब उन्होंने कोच्चि कंसोर्टियम की शेयर संरचना में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाए। ललित मोदी ने दावा किया कि उन्हें शशि थरूर का फोन आया था, जिसमें उनसे सुनंदा पुष्कर के बारे में सवाल न करने को कहा गया।

उन्होंने कहा, 'मुझे शशि थरूर का फोन आया। उन्होंने कहा- ललित, सुनंदा पुष्कर के बारे में सवाल मत पूछो। वह मेरी अच्छी दोस्त हैं। मैंने पूछा क्यों? तब उन्होंने कहा- अगर तुमने ऐसा किया तो मैं सुबह तुम्हारे यहां रेड पड़वा दूंगा। 'मोदी ने कहा, 'इस पर मैंने तीखा जवाब दिया। तुम खुद को समझते क्या हो? तुम भारत के विदेश राज्य मंत्री हो सकते हो, लेकिन मुझसे इस तरह बात करने की हिम्मत मत करना। इसके बाद मैंने फोन काट दिया और साफ कह दिया कि मैं उस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करूंगा।' ललित मोदी ने बताया कि बंगलूरू में हुई एक देर रात की बैठक के दौरान उन्होंने फ्रेंचाइजी समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि जब तक सभी शेयरधारकों और उनकी हिस्सेदारी की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं होगी, तब तक वह आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि सुनंदा पुष्कर कौन हैं। मैंने कंसोर्टियम के सदस्यों से पूछा कि यह महिला कौन है? किसी ने कहा कि वह एक ऑटोमोबाइल कारोबारी की बेटी हैं और एक जानी-मानी मार्केटिंग प्रोफेशनल हैं। मैंने कहा कि मैं खुद भारत में मार्केटिंग की दुनिया से जुड़ा हूं और मैंने उनका नाम तक नहीं सुना।' ललित मोदी का आरोप है कि सुनंदा पुष्कर को बिना किसी वित्तीय योगदान के बड़ी हिस्सेदारी दी जा रही थी, जो उन्हें संदिग्ध लगी। उन्होंने कहा, 'सभी शेयरधारक वहां मौजूद थे, सिर्फ सुनंदा पुष्कर नहीं थीं। मैंने पूछा कि एक ऐसी महिला को 25 प्रतिशत हिस्सेदारी क्यों दी जा रही है,

पाकिस्तान के भाईजान को भारत ने नहीं दिया भाव, अब संबंध सुधारने की कोशिशें कर रहा तुर्किये

सिंगापुर, 4 जून (एजेंसियां)। कश्मीर से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के मामले तक तुर्किये हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया है। इसके चलते भारत के साथ तुर्किये के संबंध बिगड़े हैं। हालांकि, तुर्किये के रुख में कोई खास बदलाव नजर नहीं आया है, लेकिन अब वह भारत से संबंधों को सुधारने की कोशिश में जुटा है। तुर्किये ने कहा कि हम इकलौते देश नहीं हैं, जिसके पाकिस्तान के साथ अच्छे और भाईचारे के संबंध हैं, दुनिया में ऐसे संबंधों वाले अन्य देश भी हैं। सिंगापुर में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के कार्यक्रम में बुधवार (तीन जून) को तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भारत आग्रह किया कि वे अंकारा और नई दिल्ली के संबंधों को पाकिस्तान को सामने रखते हुए न देखे। वहीं, उन्होंने पाकिस्तान के साथ तुर्किये के संबंधों के बचाव में भी दलीलें दीं। हकान फिदान ने इस बात पर जोर दिया कि तुर्किये के पास भारत के साथ अच्छे संबंध रखने की पर्याप्त वजह हैं।

कौन हैं नंदा देवी, जिनका उत्तराखंड का नौटी गांव मायका

हर 12 साल पर आती हैं घर, खास होता है वाहन चौसिंग्या खाडू

उत्तराखंड के कण-कण में देवताओं का वास है और इस देवभूमि में मां नंदा देवी विराजमान हैं। इस पावन धरती पर मातारानी को सिर्फ देवी ही नहीं, बल्कि अपनी बेटी के रूप में पूजा जाता है। इसलिए उनकी पूजा में श्रद्धा के साथ-साथ अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव भी देखने को मिलता है। नंदा देवी का मायका उत्तराखंड का नौटी गांव है, जहां पर वह हर 12 साल पर आती हैं।

पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं नंदा देवी

ऐसी मान्यता है कि मां नंदा देवी को पर्वतराज हिमालय की पुत्री और भगवान शिव की अर्धांगिनी माना जाता है। मां नंदा देवी उत्तराखंड की आराध्या और हिमालय की संरक्षक देवी हैं, जिन्हें माता पार्वती का ही स्वरूप माना जाता है। उन्हें कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों में 'आनंद देने वाली देवी' के रूप में पूजा जाता है। यह संपूर्ण उत्तराखंड की संस्कृति और आस्था का मुख्य केंद्र है।

हर 12 साल में मायके आती हैं नंदा देवी

ऐसी मान्यता है कि नंदा देवी हर 12 साल में अपने मायके नौटी गांव आती हैं। इस अवसर पर कुमाऊं मण्डल नंदा राजजात यात्रा के तहत 280 किमी लंबी अत्यंत कठिन पदयात्रा निकाली जाती है, जो होमकुंड तक जाती है। यह यात्रा देवी नंदा के मायके (नौटी गांव, चमोली) से उनके ससुराल (कैलाश पर्वत) जाने की विदाई का प्रतीक है। इस यात्रा का नेतृत्व एक विशेष चार सींग वाले काले मेढ़े (चौसिंग्या खाडू) द्वारा किया जाता है, जो देवी का वाहन माना जाता है।

भाद्रपद में होती है विशेष पूजा

यह यात्रा देवी नंदा के मायके (नौटी गांव, चमोली) से उनके ससुराल (कैलाश पर्वत) जाने की विदाई का प्रतीक है। इस यात्रा का नेतृत्व एक विशेष चार सींग वाले काले मेढ़े (चौसिंग्या खाडू) द्वारा किया जाता है, जो देवी का वाहन माना जाता है।

भाद्रपद में होती है विशेष पूजा

इसके साथ ही भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का भी विशेष महत्व है, जिसे नंदा अष्टमी भी कहा जाता है। इस अवसर पर बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ त्योहार मनाया जाता है। खास बात यह है कि इस दिन केले के पेड़ (कदली) से मां नंदा की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है।

मातारानी की महिमा का उल्लेख उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का भव्य वीडियो शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, "अल्मोड़ा की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक मां नंदा देवी का पावन मंदिर श्रद्धा, आस्था और विश्वास का दिव्य केंद्र है। पर्वतीय शिल्पकला से सुसज्जित यह प्राचीन मंदिर आदिशक्ति भगवती मां नंदा देवी को समर्पित है। आप भी अल्मोड़ा जनपद आगमन पर मां नंदा देवी के दर्शन अवश्य करें।"

8 जून के बाद चमक जाएगी कर्क, कन्या और मकर राशिवालों की किस्मत

मानव जीवन में ज्योतिष शास्त्र का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष गणना के अनुसार सुख संपदा के कारक ग्रह शुक्र जब एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। तो मेष राशि से लेकर मीन राशि तक अपना प्रभाव डालते हैं। ऐसी स्थिति में शुक्र का गोचर कई राशियों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है, तो कई राशियों के लिए बेहद ही कष्टकारी होता है। मान्यता है कि शुक्र की शुभ दृष्टि सुख सुविधा आकर्षण प्रेम संबंध में सुधार लेकर आता है। ऐसी स्थिति में शुक्र ग्रह जल्दी ही गोचर करने वाले हैं जिसका प्रभाव कुछ राशि के जातक के लिए शुभ रहेगा।

दरअसल, अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि पंचांग के अनुसार 8 जून को शाम 5:45 पर शुक्र ग्रह कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। साथ ही इस राशि में 3 जुलाई तक विराजमान रहेंगे। शुक्र के कर्क राशि में प्रवेश करने से कर्क राशि, कन्या राशि और मकर राशि के जातक को सुख संपत्ति में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य भी पूरा होगा धन आगमन के मार्ग प्रशस्त होंगे आ रही परेशानियां भी दूर होगी।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातक के लिए शुक्र का गोचर किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। व्यापार में वृद्धि होगी पारिवारिक समस्या खत्म होगी। कार्य क्षेत्र में तरक्की करने का अवसर मिलेगा नौकरी में प्रमोशन होगा। व्यापारिक स्थिति भी मजबूत होगी वैवाहिक जीवन में खुशियां रहेगी।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातक के लिए शुक्र का गोचर बेहद ही शुभ माना जा रहा है

आर्थिक लाभ होगा। मानसिक परेशानियां खत्म होगी। व्यापार को बढ़ाने में अच्छा मौका मिलेगा। आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा सेहत अच्छी रहेगी। नौकरी में मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है संतान सुख की प्राप्ति होगी।

मकर राशि– मकर राशि के जातक के लिए यह समय अच्छा रहेगा। इस समय धन आगमन की मार्ग प्रशस्त होंगे शुभ समाचार प्राप्त होगा। भाग्य का साथ मिलेगा रुका हुआ धन भी वापस मिलेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति होगी आ रही परेशानी भी दूर होगी।

मन को हटाने से ही वह स्पेस बनेगा, जो हमें शांत करता है

जीवन में दुःख आना और दुःखी हो जाना, ये दो अलग बातें हैं। ऐसा कोई दुःख बना ही नहीं, जो बिना सुख के आए और ऐसा कोई सुख नहीं बना, जो बिना दुःख के आए। ये दोनों एक साथ ही आते हैं। इनकी समझ का नाम ही इनकी मुक्ति है। एक शब्द है- स्पेस। इसका सीधा अर्थ होता है जगह बनाइए। हमारी भावनाओं में, हमारे विचार में एक स्पेस रखिए। विचार बाहर से आते हैं, सोच रहे होते हैं हम। फिर हम उस विचार से अपने पूरे व्यक्तित्व, अस्तित्व को जोड़ लेते हैं। ऋषि-मुनि कह गए हैं कि मनुष्य के शरीर और आत्मा को चिपकाने का काम मन करता है और जिसके शरीर और आत्मा जितने अधिक चिपके, वो उतना अशांत। जरा-सा मन को हटाइए, आत्मा शरीर में स्पेस आया और यहीं से हम शांत हुए। और मन केवल संकल्प से नहीं गिरता, इसे नियंत्रित करने की कोई औषधि भी नहीं है। मन का संचालन सांस से होता है। यदि प्राणायाम को प्रतिदिन बहुत गम्भीरता से लें, नियमित करें तो हमारी मन पर पकड़ बन जाएगी। और जब-जब हम मन को हटा देंगे, तब-तब वह स्पेस क्रिएट हो जाएगी, जो हमें शांत करती है।

द्रौपदी के अलावा अर्जुन की 3 और भीम की थीं 2 पत्नियां

जानें पांचों पांडवों के गुप्त विवाह और उनके सभी बच्चों के नाम!

महाभारत कथा में पांचों पांडवों का जीवन जितना वीरता और धर्म के लिए प्रसिद्ध है, उतना ही उनके पारिवारिक जीवन को लेकर भी लोगों में जिज्ञासा रहती है। आमतौर पर लोग द्रौपदी को ही पांडवों की पत्नी के रूप में जानते हैं, लेकिन महाभारत के अनुसार पांचों पांडवों की कई अन्य पत्नियां भी थीं। इन विवाहों से उन्हें अनेक पुत्र प्राप्त हुए, जिन्होंने आगे चलकर विभिन्न राज्यों और वंशों को आगे बढ़ाया। महाभारत में द्रौपदी को पांचों पांडवों की मुख्य पटरानी माना गया था, जिनसे उन्हें 5 पुत्र हुए

जिन्हें उपपांडव कहा जाता है। लेकिन द्रौपदी के अलावा भी पांडवों ने राजनीतिक और व्यक्तिगत कारणों से अन्य विवाह किए थे। आइए जानते हैं पांचों भाइयों के पूरे परिवार के बारे में...

युधिष्ठिर की पत्नियां और संतान

सबसे बड़े पांडव युधिष्ठिर की प्रमुख पत्नी द्रौपदी थीं, जिनसे उन्हें प्रतिविंध्य नामक पुत्र प्राप्त हुआ। इसके अलावा उन्होंने देविका से भी विवाह किया था, जो शिवि देश के राजा गोवासन की पुत्री थीं। देविका से युधिष्ठिर के पुत्र यौधेय का जन्म हुआ।

भीम की पत्नियां और संतान

महाबली भीम की तीन प्रमुख पत्नियों का उल्लेख मिलता है। द्रौपदी से उन्हें सुतसोम नामक पुत्र प्राप्त हुआ। वनवास के दौरान भीम ने राक्षसी हिडिंबा से विवाह किया, जिनसे महाशक्तिशाली घटोत्कच का जन्म हुआ। इसके अलावा उन्होंने काशी की राजकुमारी वलंधरा (या बलंधरा) से विवाह किया था, जिनसे सर्वंग नामक पुत्र पैदा हुआ।

अर्जुन की पत्नियां और संतान

पांडवों में अर्जुन के सबसे अधिक विवाह हुए थे। द्रौपदी से उन्हें श्रुतकर्मा नामक पुत्र मिला। इसके अतिरिक्त अर्जुन ने सुभद्रा, उलूपी और चित्रांगदा से भी विवाह किया था। सुभद्रा, जो भगवान श्रीकृष्ण की बहन थीं, उनसे अर्जुन के वीर पुत्र अभिमन्यु का जन्म हुआ। नागकन्या उलूपी से इरावान नामक पुत्र प्राप्त हुआ, जबकि मणिपुर की राजकुमारी चित्रांगदा से बभ्रुवाहन का जन्म हुआ। महाभारत और उससे जुड़ी कथाओं में इन सभी पुत्रों का विशेष महत्व बताया गया है।

नकुल की पत्नियां और संतान

अश्वविद्या में निपुण नकुल की प्रमुख पत्नी द्रौपदी थीं। उनसे उन्हें शतानीक नामक पुत्र प्राप्त हुआ। इसके अलावा नकुल ने चेदि देश की राजकुमारी करेणुमती से विवाह किया था। इस विवाह से उनके पुत्र निरमित्र का जन्म हुआ।

सहदेव की पत्नियां और संतान

सबसे छोटे पांडव सहदेव की पत्नी द्रौपदी से श्रुतसेन नामक पुत्र हुआ। इसके अलावा उन्होंने मद्र देश की राजकुमारी विजया से विवाह किया था। सहदेव ने मद्र नरेश द्युतिमान की पुत्री विजया से स्वयंवर के जरिए विवाह किया था। विजया से सहदेव के पुत्र सुहोत्र का जन्म हुआ।

केवल सुभद्रा का वंश आगे बढ़ा

द्रौपदी के सख्त नियम के कारण उनकी अन्य पत्नियां हस्तिनापुर के महल में साथ नहीं रहती थीं, वे ज्यादातर अपने मायके में ही रहीं। कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद केवल सुभद्रा के वंशज (अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित) ही जीवित बचे, जिन्होंने आगे पांडव वंश को चलाया।

महाभारत युद्ध के बाद क्या हुआ?

महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों के कई पुत्रों ने भी वीरता दिखाई। हालांकि युद्ध समाप्ति के बाद एक दुखद घटना में अश्वत्थामा ने रात में सोते समय द्रौपदी के पांचों पुत्रों प्रतिविंध्य, सुतसोम, श्रुतकर्मा, शतानीक और श्रुतसेन का वध कर दिया। दूसरी ओर अभिमन्यु, घटोत्कच, इरावान और अन्य पुत्रों ने भी युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कई वीरगति को प्राप्त हुए। महाभारत के अनुसार पांडव केवल महान योद्धा ही नहीं थे, बल्कि उनके परिवार और वंशज भी भारतीय पौराणिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। उनकी पत्नियों और संतानों से जुड़ी कथाएं आज भी लोगों के बीच विशेष रुचि का विषय बनी हुई हैं।

हैदराबाद का कमल धाम मंदिर, तालाब पर खिला 'भक्ति का कमल' बना आकर्षण का केंद्र

दिल्ली का लोटस टेम्पल दुनियाभर में मशहूर है जो हर पर्यटक की मस्ट विजिट लिस्ट में शामिल रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हैदराबाद में भी एक ऐसा ही मंदिर है जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और आध्यात्मिक माहौल के लिए जाना जाता है हैदराबाद का कमल धाम मंदिर दिल्ली के लोटस टेम्पल जैसी खूबसूरती लिए हुए है और यह शहर के स्थानीय लोगों व पर्यटकों के बीच समान रूप से लोकप्रिय है। शहर के शोर-शराबे से दूर, शांति की तलाश करने वालों के लिए कमल धाम मंदिर एक आदर्श स्थल है। यह मंदिर हैदराबाद हाईवे के पास हिमायत नगर जंक्शन के निकट स्थित है और चिलकुर बालाजी मंदिर से केवल 3 किलोमीटर की दूरी पर है।

अद्भुत है इसकी बनावट

मंदिर का निर्माण एक तालाब के ऊपर किया गया है, जिसका आधार गुलाबी रंग का एक विशाल कमल है। मुख्य मंदिर की संरचना भी कमल के आकार में बनी हुई है जो इसे अद्वितीय सौंदर्य प्रदान

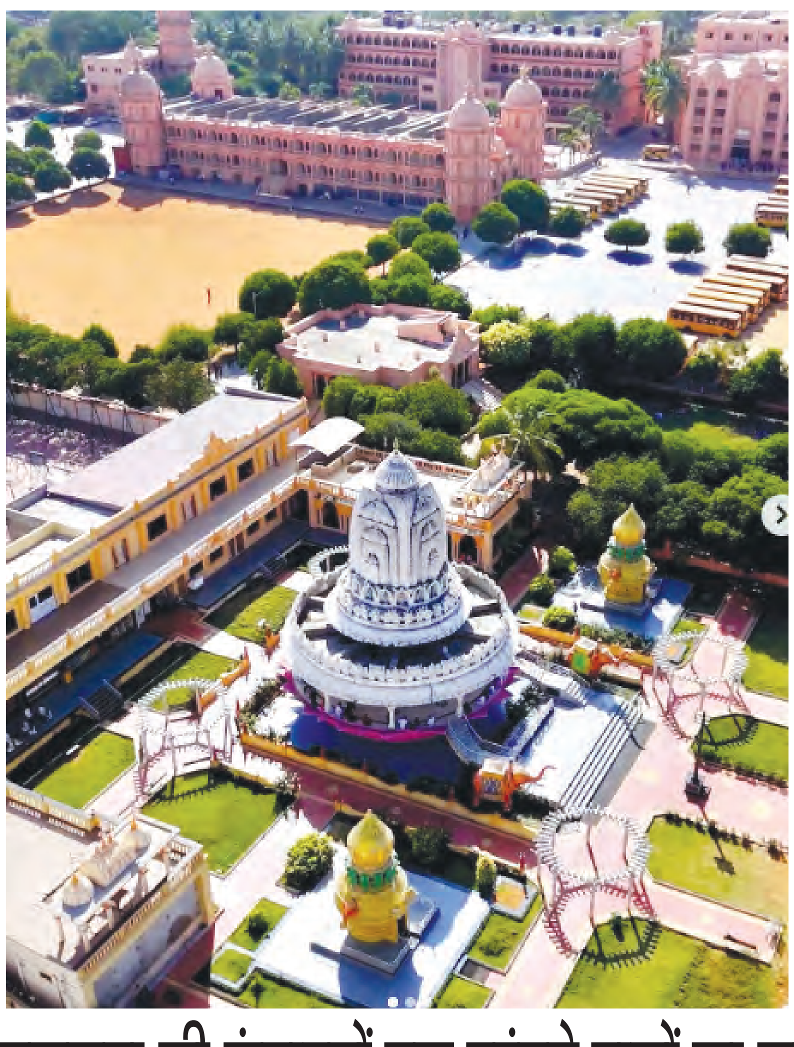

करती है। मंदिर के सामने स्थित मंगल कलश भी आकर्षण का केंद्र है यह कोई साधारण कलश नहीं, बल्कि कलश के आकार में बना एक और मंदिर है। दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित इस परिसर में यज्ञशाला और गौशाला भी है, जहां आप शांति से समय बिता सकते हैं।

स्वामीनारायण को समर्पित

यह मंदिर स्वामीनारायण को समर्पित है साथ ही यहां भगवान विष्णु, शिव, गणेश, पार्वती, सूर्य देव, राधा-कृष्ण, सीता-राम, तिरुपति बालाजी, नरसिम्हा और हनुमान जी की मूर्तियां भी स्थापित है। यहां आने वाले भक्तों के लिए एक और खास सुविधा उपलब्ध है शुद्ध शाकाहारी भोजन। मंदिर में स्वच्छ और सात्विक भोजन किफायती कीमतों पर परोसा जाता है, जो श्रद्धालुओं के बीच काफी पसंद किया जाता है।

मंदिर खुलने का समय

कमल धाम मंदिर सुबह 6:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक खुला रहता है। यहां प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं लगता। अक्टूबर से मार्च का समय हैदराबाद और इस मंदिर के दर्शन के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

इस कहानी में छिपा है, सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने वालों का सबसे बड़ा सीक्रेट

एक साधु रोज नदी के किनारे बैठ कर चिल्लाया करता था, ''जो चाहोगे सो पाओगे, जो चाहोगे सो पाओगे।'' बहुत से लोग वहां से गुजरते पर कोई भी उसकी बात पर ध्यान नहीं देता और सब उसे एक पागल आदमी समझते।

एक दिन एक युवक वहां से गुजरा और उसने भी उस साधु की आवाज सुनी। समीप जाकर उसने साधु से पूछा, ''क्या आप मुझको वह वस्तु दे सकते हो जो मैं चाहता हूं?'' साधु बोला, ''हां बेटा तुम जो कुछ भी चाहते हो मैं उसे जरूर दूंगा, बस तुम्हें मेरी एक बात माननी होगी। हालांकि पहले यह तो बताओ कि तुम्हें चाहिए क्या?'' युवक बोला, ''मैं हीरों का बहुत

बड़ा व्यापारी बनना चाहता हूं।'' साधु बोला, ''कोई बात नहीं मैं तुम्हें एक 'हीरा' और एक 'मोती' देता हूं, उससे तुम जितने भी हीरे-मोती बनाना चाहोगे बना पाओगे।'' साधु ने अपना हाथ आदमी की हथेली पर रखते हुए कहा, ''पुत्र मैं तुम्हें दुनिया का सबसे अनमोल हीरा दे रहा हूं, लोग इसे 'समय' कहते हैं, इसे तेजी से अपनी मुट्ठी में पकड़ लो और इसे कभी मत गंवाना।'' युवक अभी कुछ सोच ही रहा था कि साधु उसकी दूसरी हथेली पकड़ते हुए बोला, ''पुत्र इसे भी संभालो। यह दुनिया का सबसे कीमती मोती है, लोग इसे 'धैर्य' कहते हैं, जब कभी समय देने के बावजूद परिणाम अनुकूल न मिले तो इस कीमती मोती को धारण कर लेना, याद रखना जिसके पास धैर्य रूपी मोती है, वह दुनिया में कुछ भी प्राप्त कर सकता है।''

युवक ने साधु की बातों पर विचार करते हुए निश्चय किया कि आज से वह अपना समय बर्बाद नहीं करेगा और हमेशा धैर्य से काम लेगा। ऐसा सोच कर उसने हीरों के एक व्यापारी के यहां काम करना शुरू कर दिया। मेहनत और ईमानदारी के बल पर एक दिन वह खुद हीरों का बहुत बड़ा कारोबारी बन गया।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 5 जून - 2026

जानलेवा अनदेखी पर सवाल

देश की राजधानी दिल्ली में आग लगने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखने को मिली है। बुधवार को मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई, ने एक बार फिर शहरी सुरक्षा व्यवस्था, भवन निर्माण नियमों और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इससे पहले बिहार में भी ऐसी ही दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हुई थी। ये घटनाएं केवल हादसे नहीं हैं, बल्कि अव्यवस्थित शहरीकरण, नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। मालवीय नगर के जिस होटल में आग लगी, उसे छह कमरों की अनुमति थी, लेकिन वहां 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। सवाल यह है कि जब इतने बड़े स्तर पर नियमों की अवहेलना हो रही थी, तब संबंधित एजेंसियां क्या कर रही थीं? यदि समय रहते निरीक्षण और कार्रवाई की जाती, तो शायद इतनी बड़ी त्रासदी टाली जा सकती थी। दिल्ली सहित देश के अनेक महानगरों में प्रशासनिक ढांचे का विखंडन भी एक बड़ी समस्या है। दमकल सेवा, नगर निगम, विकास प्राधिकरण और राज्य सरकार जैसी अनेक एजेंसियों के बीच समन्वय का अभाव अक्सर जवाबदेही को कमजोर कर देता है। दुर्घटना होने पर विभाग एक-दूसरे पर तोहमत लगाते हैं और वास्तविक दोषी बच निकलते हैं। परिणामस्वरूप नागरिकों की सुरक्षा पीछे छूट जाती है। संकरी गलियां, अनधिकृत निर्माण, एक ही प्रवेश-निकास मार्ग और अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र के बिना भवनों का संचालन आम बात हो चुकी है। कठोर कानून होने के बावजूद उनका प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। कई इमारतों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्निशमन उपकरण या तो मौजूद नहीं होते या फिर केवल औपचारिकता के लिए लगाए जाते हैं। यह भी चिंता का विषय है कि तेजी से फैलते शहरी विस्तार में सुरक्षा को अक्सर विकास की कीमत पर छोड़ दिया जाता है। अधिक मुनाफे और जगह के अधिकतम उपयोग की होड़ में भवन निर्माताओं द्वारा नियमों की अनदेखी की जाती है, जबकि भ्रष्टाचार के कारण कई बार ऐसे निर्माणों को प्रशासनिक स्वीकृति भी मिल जाती है। यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि शासन प्रणाली की गंभीर कमजोरी को भी दर्शाती है। समाधान केवल हादसों के बाद जांच बैठाने या मुआवजा देने में नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि भवन निर्माण, विद्युत व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। नियमित निरीक्षण, पारदर्शी अनुमोदन प्रक्रिया और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कठोर दंड सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अवैध निर्माण करने वालों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ऐसे अधिकारियों की जांच कर उनसे एक-एक जान की कीमत वसूली जानी चाहिए। .लोगों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक होना होगा और किसी भी भवन या प्रतिष्ठान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी दिखने पर संबंधित विभागों को सूचित करना चाहिए। आधुनिक शहर केवल ऊंची इमारतों और चमकदार बुनियादी ढांचे से नहीं बनते, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की सुरक्षा और जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने से बनते हैं। दिल्ली की यह त्रासदी एक चेतावनी है कि यदि नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासनिक उदासीनता पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया, तो ऐसी घटनाएं भविष्य में भी दोहराई जाती रहेंगी। विकास तभी सार्थक है जब वह सुरक्षित, जिम्मेदार और मानवीय हो।

प्रकृति की अदालत में कठघरे में खड़ा इंसान

सुरेश गांधी

यह चित्र का एक हिस्सा विकास की अंधी दौड़ से घायल होती धरती को दिखाता है, जबकि दूसरा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और सतत विकास की आशा जगाता है। प्रश्न यही है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम कौन-सा रास्ता चुनेंगे? मतलब साफ हैधरती बोलती नहीं, संकेत देती है। कभी तपते हुए जून की दोपहर में, जब थर्मामीटर नए रिकॉर्ड बनाता है। कभी हिमालय की गोद से टूटते ग्लेशियरों के रूप में। कभी बाढ़ की उफनती धाराओं में और कभी सूखे खेतों की फटी हुई मिट्टी में। प्रकृति शब्दों में नहीं, घटनाओं में संवाद करती है। दुर्भाग्य यह है कि मनुष्य ने उसकी भाषा सुनना लगभग बंद कर दिया है। जी हां, विश्व पर्यावरण दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह वह दिन है जब पूरी दुनिया अपने विकास मॉडल, जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अपने व्यवहार का पुनर्मूल्यांकन करती है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का वैश्विक विषय जलवायु परिवर्तन और उसके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने दुनिया को संदेश दिया है कि पृथ्वी लगातार संकेत दे रही है और अब उन संकेतों को अनदेखा करने की गुंजाइश नहीं बची है। जब भीषण गर्मी में नदियां सिकुड़ने लगती हैं, खेतों की मिट्टी दरक जाती है, पहाड़ों पर भूस्खलन होता है और महानगरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब प्रकृति अपने संकट का संकेत देती है। यह केवल पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। विडंबना यह है कि जिस धरती ने हमें जीवन दिया, उसी के संसाधनों का सबसे अधिक दोहन मनुष्य ने किया है। हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक आयोजन या पौधारोपण कार्यक्रम भर नहीं है, बल्कि यह दिन मानवता को अपने कर्तव्यों की याद दिलाने का अवसर है। आज दुनिया जिस जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण, जल संकट और प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, वह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार का परिणाम है। मनुष्य ने विज्ञान, तकनीक और विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उसने चांद और मंगल तक पहुंच बनाई, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, समुद्र की गहराइयों को नापा और अंतरिक्ष में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन इसी मनुष्य ने अपने अस्तित्व के सबसे बड़े आधार—प्रकृति—को सबसे अधिक नुकसान भी पहुंचाया। जिस जंगल ने उसे सांस दी, उसे काट दिया गया। जिन नदियों ने जीवन दिया, उन्हें प्रदूषण से भर दिया गया। जिन पहाड़ों ने संतुलन बनाए रखा, उन्हें विस्फोटों से छलनी कर दिया गया।

आज स्थिति यह है कि विकास की चमक के पीछे पर्यावरणीय संकट का अंधेरा लगातार गहराता जा रहा है। एक समय था जब जलवायु परिवर्तन को वैज्ञानिक सम्मेलनों का विषय माना जाता था। आज यह किसान की फसल, मजदूर की मजदूरी, शहरों की हवा और बच्चों के भविष्य से जुड़ा सवाल बन चुका है। भारत सहित पूरी दुनिया में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। हीटवेव अब अपवाद नहीं, सामान्य घटना बनती जा रही है। मानसून का स्वरूप बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं वर्षा का अभाव है. हिमालय के ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहे हैं। समुद्री तटों पर रहने वाली आबादी बढ़ते जलस्तर के खतरे का सामना कर रही है। पर्यावरण विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में खाद्य सुरक्षा, जल सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता गंभीर संकट में पड़ सकती है।

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यहां विकास की गति भी जरूरी है और पर्यावरण संरक्षण भी। एक ओर उद्योग, सड़कें, ऊर्जा और शहरीकरण की आवश्यकता है, दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी और मुंबई जैसे शहर वायु प्रदूषण की चुनौती से जूझ रहे हैं। हिमालयी राज्यों में भूस्खलन और अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। यह सब हमें संकेत देता है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुका है।

भारतीय संस्कृति में नदियां केवल जलधाराएं नहीं, जीवनधाराएं हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी ने सदियों से भारतीय सभ्यता को पोषित किया है। लेकिन आज इन नदियों का अस्तित्व कई चुनौतियों से घिरा हुआ है। अनियोजित शहरीकरण, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यदि जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप नहीं दिया गया तो आने वाली पीढ़ियां पानी के लिए संघर्ष करने को मजबूर हो सकती हैं।

पिछले कुछ दशकों में प्लास्टिक ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम अब पूरी पृथ्वी भुगत रही है। समुद्रों में प्लास्टिक के विशाल द्वीप बन चुके हैं। नदियां प्लास्टिक कचरे से भर रही हैं। पशु-पक्षी इसके कारण मर रहे हैं। वैज्ञानिकों को मानव रक्त और शरीर में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण मिल रहे हैं। यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट है।

वनों का महत्व केवल लकड़ी या भूमि तक सीमित नहीं है। जंगल वर्षा चक्र को नियंत्रित करते हैं, कार्बन अवशोषित करते हैं, जैव विविधता की रक्षा करते हैं और लाखों लोगों की आजीविका का आधार हैं।

भारत में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चल रहे हैं, लेकिन चुनौती पौधे लगाने से अधिक उन्हें जीवित रखने की है। जब तक समाज वृक्षों को केवल सरकारी योजनाओं का हिस्सा नहीं बल्कि अपनी जीवनशैली का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं होगा।

प्रकृति का हर जीव महत्वपूर्ण है। मधुमक्खियां केवल शहद नहीं बनातीं, वे कृषि उत्पादन की रीढ़ हैं। गिद्ध केवल पक्षी नहीं, प्राकृतिक सफाईकर्मी हैं। वन्य जीव केवल पर्यटन का साधन नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र की अनिवार्य कड़ी हैं। यदि एक प्रजाति समाप्त होती है तो उसका प्रभाव पूरे पर्यावरणीय तंत्र पर पड़ता है। आज दुनिया जैव विविधता के अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा तक विस्तारित होना चाहिए।

जब आधुनिक दुनिया पर्यावरण संरक्षण की बात कर रही है, तब भारत की सांस्कृतिक परंपरा सदियों पहले से इसका संदेश देती रही है। वेदों में पृथ्वी को माता कहा गया। नदियों को देवी का स्वरूप माना गया। वृक्षों को पूजनीय समझा गया। पशु-पक्षियों को धार्मिक प्रतीकों से जोड़ा गया। ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ का दर्शन केवल सामाजिक नहीं, पर्यावरणीय विचार भी है। इसका अर्थ है कि पृथ्वी पर मौजूद प्रत्येक जीव हमारे परिवार का हिस्सा है। यदि आधुनिक विज्ञान और भारतीय सांस्कृतिक चेतना का समन्वय हो जाए तो पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी मॉडल विकसित किया जा सकता है।

आज का युवा तकनीकी रूप से सक्षम है, लेकिन उसे यह भी तय करना होगा कि वह कैसी पृथ्वी विरासत में लेना चाहता है। क्या वह ऐसी दुनिया चाहेगा जहां हवा शुद्ध हो, नदियां स्वच्छ हों और जंगल हरे-भरे हों? या ऐसी दुनिया जहां प्राकृतिक संसाधनों के लिए संघर्ष सामान्य बात बन जाए? पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई अब केवल सरकारों या वैज्ञानिकों की नहीं रही। इसमें युवाओं, छात्रों, किसानों, उद्योगों और आम नागरिकों सभी की भागीदारी आवश्यक है।

एकल उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग कम करें। वर्षा जल संचयन को अपनाएं। हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें। ऊर्जा की बचत करें। सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। जल स्रोतों और नदियों को प्रदूषित होने से बचाएं। स्थानीय पर्यावरण अभियानों में भागीदारी करें। छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें एक बार फिर यह याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल हमारे उपयोग की वस्तु नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है, जिसकी रक्षा का दायित्व वर्तमान पीढ़ी के कंधों पर है। संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाएं इस वर्ष जलवायु कार्रवाई को सबसे बड़ी प्राथमिकता बता रही हैं। संदेश स्पष्ट है—समय निकल रहा है, लेकिन अवसर अभी भी शेष है। धरती को बचाने के लिए किसी चमत्कार की आवश्यकता नहीं है। आवश्यकता है संवेदनशील मन, जिम्मेदार व्यवहार और सामूहिक संकल्प की।

भेदभावपूर्ण है वेतन निर्धारण करने की सरकारी नीतियां

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत में सामाजिक न्याय, समान अवसर और श्रम के सम्मान की बात तो बहुत की जाती है लेकिन जब वेतन निर्धारण की वास्तविक व्यवस्था को देखा जाता है तो एक गंभीर असंगति दिखाई देती है। एक ओर सरकार अपने सबसे निचले स्तर के नियमित कर्मचारी को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और परिवहन भत्ता सहित लगभग 35,000 से 40,000 रुपये मासिक तक का वेतन उपलब्ध कराती है, वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन 18,000 से 22,000 रुपये के बीच निर्धारित किया जाता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक असमानता को बढ़ाती है बल्कि सरकार की वेतन नीति में निहित दोहरे मानदंडों को भी उजागर करती है। दिल्ली का उदाहरण इस विरोधाभास को स्पष्ट रूप से सामने रखता है। वर्ष 2026 में दिल्ली में एक अकुशल निजी श्रमिक के लिए न्यूनतम वेतन लगभग 18,456 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है, जबकि केंद्र सरकार के सातवें वेतन आयोग के अनुसार दिल्ली में कार्यरत एक स्तर-1 सरकारी कर्मचारी को मूल वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता और परिवहन भत्ता मिलाकर लगभग 36,000 रुपये प्रतिमाह का सकल वेतन प्राप्त हो सकता है। अर्थात सरकार स्वयं अपने कर्मचारियों के लिए जिस न्यूनतम आय को आवश्यक मानती है, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए उसी का लगभग आधा वेतन पर्याप्त मान लिया जाता है।

प्रश्न यह है कि यदि दिल्ली जैसे महंगे महानगर में जीवनयापन के लिए 36,000 रुपये आवश्यक हैं, तो फिर निजी क्षेत्र के कर्मचारी को 18,000 या 20,000 रुपये में जीवनयापन करने योग्य कैसे माना जा सकता है? क्या किराये के मकान, भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन की लागत सरकारी और निजी कर्मचारियों के लिए अलग-अलग होती है? निश्चित रूप से नहीं। बाजार में वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य सभी नागरिकों के लिए समान होते हैं। ऐसे में दो व्यक्तियों के बीच केवल उनके नियोक्ता के आधार पर जीवन स्तर में इतना बड़ा अंतर स्थापित करना सामाजिक न्याय की भावना के विपरीत प्रतीत होता है।

सरकार अक्सर यह तर्क देती है कि सरकारी कर्मचारियों को प्रशासनिक जिम्मेदारियों, स्थायित्व और सेवा शर्तों के अनुरूप वेतन दिया जाता है, जबकि निजी क्षेत्र बाजार की मांग और आपूर्ति के सिद्धांतों पर चलता है। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन इससे मूल प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि न्यूनतम वेतन का उद्देश्य किसी व्यक्ति को सम्मानजनक जीवनयापन के लिए आवश्यक न्यूनतम आय उपलब्ध कराना है, तो यह न्यूनतम आवश्यकता सरकारी और निजी क्षेत्र के लिए अलग-अलग कैसे हो सकती है?

वास्तव में भारत की वर्तमान वेतन संरचना दो प्रकार के नागरिकों का निर्माण करती दिखाई देती है। पहला वर्ग वह है जो सरकारी नौकरी में है और जिसे वेतन, भत्ते, पेंशन या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली , चिकित्सा सुविधाएं तथा नौकरी की सुरक्षा प्राप्त है। दूसरा वर्ग वह है जो निजी क्षेत्र में कार्यरत है और जिसे अक्सर कम वेतन, सीमित सामाजिक सुरक्षा तथा अनिश्चित रोजगार का सामना करना पड़ता है। जबकि दोनों वर्ग समान कर चुकाते हैं, समान बाजार में वस्तुएं खरीदते हैं और समान महंगाई का सामना करते हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत की अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के अधिकांश रोजगार निजी क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं। उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, परिवहन और निर्माण गतिविधियों का विशाल भाग निजी उद्यमों द्वारा संचालित है।

आतंकियों को राजनीति में घुसपैठ कराने की कोशिश

स्नेहा सिंह

भारत और पाकिस्तान के बीच आजादी के समय से चला आ रहा विवाद, विरोध, युद्ध और तनाव कभी समाप्त होता दिखाई नहीं देता। कहा जाता है कि पाकिस्तान में भारतीय जासूस, अंडरकवर एजेंट और सैनिक सक्रिय रहते हैं, जो आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए काम करते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान के जासूसों के भारत में होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। इसी बीच एक ऐसी बात सामने आई है, जिसने नई चर्चा को जन्म दिया है। हाल ही में आतंकवादियों की मदद करने वाले कुछ स्थानीय कश्मीरी और अन्य लोगों को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था।

जांच के दौरान आतंकियों के मददगारों ने स्वीकार किया कि अब वे पाकिस्तानी आतंकियों को भारत की व्यवस्था में और गहराई तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे यह खुलासा हुआ कि आईएसआई ने आतंकियों को अधिक मजबूती से काम करने और उन्हें छिपाए रखने के लिए नई रणनीति अपनाई है। आईएसआई ने अपने आतंकियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को निर्देश दिया है कि वे भारतीय राजनीति से जुड़ जाएं। इससे वे भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों से बच सकेंगे तथा उन्हें विभिन्न स्तरों पर सुरक्षा और सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों से जुड़ना होगा।

विशेष बात यह है कि श्रीनगर पुलिस ने कुछ समय पहले आईएसआई से जुड़े कुछ ओवर ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया था। वे आतंक फैलाने के उद्देश्य से कश्मीर में सक्रिय थे। पूछताछ में सामने आया कि वे लंबे समय से भारत में घूम रहे थे।

उनका विभिन्न राजनीतिक दलों से संबंध था और वे आसानी से जम्मू-कश्मीर में एजेंसियों की निगरानी से बच जाते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि आतंकियों और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को बचाने के लिए आईएसआई ने नई योजना बनाई है।

जानकारों के अनुसार हाल ही में पकड़े गए लोगों के पास राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी होने के पहचान पत्र थे। इनके आधार पर वे आसानी से पूरे देश में घूमते थे। पुलिस के हाथ लगने के बाद आईएसआई के इरादों का खुलासा हुआ। आईएसआई ने उन्हें बताया था कि यदि वे किसी राष्ट्रीय पार्टी के सदस्य बन जाएं तो बच निकलना आसान होगा। बड़े राष्ट्रीय दलों के सदस्य बनकर वे पहचान पत्र लेकर घूमते थे, जिसके कारण अक्सर पुलिस या सुरक्षा एजेंसियां उन्हें नहीं रोकती थीं। साथ ही उनकी वास्तविक पहचान पर भी किसी को संदेह नहीं होता था। राजनीतिक आवरण मिलने के बाद आतंकियों के लिए धन जुटाना, लोगों की भर्ती करना, आवागमन करना और अन्य गतिविधियां संचालित करना आसान हो जाता है। उल्लेखनीय है कि आज भी जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा बल और एजेंसियां नियमित रूप से तलाशी अभियान चलाते हैं। वे छापे मारते हैं और लोगों से पूछताछ भी करते हैं। ऐसे में ओवर ग्राउंड वर्कर्स राष्ट्रीय राजनीतिक दलों की सदस्यता लेकर उनके पहचान पत्र अपने पास रखते हैं, ताकि सुरक्षा एजेंसियां उन पर संदेह न करें और उनकी जांच न करें। भारत की लोकतांत्रिक राजनीति और उसकी मर्यादाओं को अब आतंकी अपनी ढाल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 1990 और 2000 के दशक में भी कई आतंकवादी, उग्रवादी और अलगाववादी नेताओं ने राजनीतिक दलों से जुड़कर अपना अस्तित्व बनाए रखा था।

जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान नई पीढ़ी के आतंकवादियों को भारत में सक्रिय करने और भर्ती करने की दिशा में काम कर रहा है। आईएसआई के पास अब पहले जैसी संख्या में आतंकी नहीं हैं और न ही उसके पास 1990 और 2000 के दशक जैसी स्थिति पैदा करने वाले पर्याप्त प्रशिक्षित आतंकी हैं। इसके अलावा भारत की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था को भेदना भी कठिन हो गया है।

ऐसी स्थिति में वह नई पीढ़ी तैयार करना चाहता है। साथ ही जो आतंकी संगठन 2000 के दशक में समाप्त हो गए या निष्क्रिय हो गए थे, उन्हें फिर से धन, प्रशिक्षण और हथियार देकर सक्रिय करने का प्रयास किया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान, पीओके और कश्मीर में नई पीढ़ी के आतंकियों को तैयार करने की कोशिशें चल रही हैं। माना जाता है कि आईएसआई इसके लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

हाल की खुफिया रिपोर्टों के अनुसार लश्कर-ए-तैयबा बड़े हमले करने में सक्षम एक समुद्री आतंकवादी इकाई तैयार कर रहा है। एलईटी की राजनीतिक शाखा मानी जाने वाली पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग बड़े पैमाने पर आतंकियों की भर्ती कर रही है। उन्हें तैराकी, स्कूबा डाइविंग और अन्य समुद्री रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पेशेवर गोताखोर और तैराक तैयार किए जा रहे हैं। पाकिस्तान और पीओके में जल बचाव प्रशिक्षण के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण शिविर चलाए जा रहे हैं, ताकि भारत के समुद्री तटों को निशाना बनाया जा सके। उन्हें हाई-स्पीड नौकाओं के संचालन और अन्य समुद्री उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। पीएमएमएल के उप महासचिव हारिस डार के नेतृत्व में उन्हें यह प्रशिक्षण और सोशल मीडिया संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। एक रिपोर्ट यह भी बताती है कि कुछ समय पहले बहावलपुर में आईएसआई अधिकारियों, पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न आतंकी संगठनों के सरगनाओं, नई पीढ़ी के आतंकी कमांडरों और कुछ पाकिस्तानी राजनेताओं के बीच उच्चस्तरीय बैठक हुई थी।

इस बैठक में जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर हमले करने, आतंक फैलाने और स्थानीय स्तर पर हिंसा बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। लश्कर-ए-तैयबा का सरगना तल्हा सईद, सैफुल्लाह कसूरी और जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर अब्दुर रऊफ भी बैठक में मौजूद थे। बैठक के बाद कुछ लोगों ने मसूद अजहर से भी मुलाकात की थी। रिपोर्टों के अनुसार पहलगाम हमले से पहले भी ऐसी बैठकें हुई थीं।

चिंताजनक बात यह है कि आईएसआई निष्क्रिय हो चुके आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय कर रही है। वह अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स को नए कार्य सौंप रही है और नेटवर्किंग को पुनर्जीवित कर रही है। 1993 से निष्क्रिय पड़े कुछ आतंकी संगठनों को भी दोबारा सक्रिय करने की कोशिशें की जा रही हैं।

दिल्ली की आग में राख हो गई उम्मीदें

आरके जैन

कुछ त्रासदियाँ सिर्फ जानें नहीं लेतीं, वे इंसानियत की चेतना को भी झकझोर देती हैं। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी (लैमन ग्रीन रेस्टोरेंट) में 3 जून 2026 की सुबह लगी आग ऐसी ही एक त्रासदी बन गई। कुछ ही घंटों में 21 लोगों की जिंदगी बुझ गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। नाइजीरिया, मोजाम्बिक, बांग्लादेश और लाइबेरिया से आए मेडिकल टूरिस्ट और उनके परिजन यहां ठहरे थे। आग बेसमेंट के रेस्टोरेंट से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। केवल एक निकास मार्ग और संभावित ऑक्सीजन सिलेंडरों के विस्फोट ने हालात को और भयावह बना दिया। लोग बचने के लिए खिड़कियों की ओर भागे, लेकिन कई के लिए कोई रास्ता नहीं बचा। यह हादसा केवल आग की घटना नहीं, बल्कि लापरवाही, अव्यवस्था और सुरक्षा नियमों की अनदेखी की दर्दनाक कीमत है।

इस त्रासदी की जड़ आग नहीं, बल्कि वर्षों से जमा होती आ रही लापरवाही और नियमों की खुली अनदेखी थी। होटल को केवल 6 कमरों की अनुमति मिली थी, लेकिन वह 25 कमरों के साथ अवैध रूप से संचालित हो रहा था। न फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र था, न आपातकालीन निकास की व्यवस्था। पूरे पांच मंजिला भवन की सुरक्षा एक संकरे रास्ते के भरोसे छोड़ दी गई थी। मेडिकल टूरिज्म की आड़ में विदेशी मरीजों और उनके परिजनों को ठहराया तो गया, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाई नहीं गई। आग भड़कने के बाद बचावकर्मियों को घने धुएँ, भीषण गर्मी और सिलेंडर विस्फोटों के बीच राहत अभियान चलाना पड़ा, जिसमें 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। यह घटना केवल एक होटल की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है जहाँ सुरक्षा नियम अक्सर कागजों में दर्ज रहते हैं, जमीनी हकीकत में नहीं। हादसे बदलते हैं, लेकिन व्यवस्था की प्रतिक्रिया नहीं। हर बड़ी आग के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट तैयार होती है, कुछ गिरफ्तारियाँ होती हैं और फिर मामला धीरे-धीरे फाइलों में दफन हो जाता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड, करोल बाग, अनाज मंडी, मुंडका और अब मालवीय नगर—हर त्रासदी एक जैसी चेतावनी देती है, फिर भी नतीजे वही रहते हैं। राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता (एनबीसी) और फायर सेफ्टी नियमों की चर्चा तो होती है, लेकिन उनका पालन शायद ही दिखता है। होटल मुख्य मालिक लवकेश बजाज (टिंकू) फरार हैं, पुलिस गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में जांच कर रही है, मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं और प्रधानमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मगर सबसे बड़ा सवाल वही है—क्या इससे व्यवस्था बदलेगी? पिछले अनुभव बताते हैं कि अधिकांश मामलों में जवाब 'नहीं' ही रहा है। इलाज की तलाश में भारत आने वाले कई विदेशी नागरिक शायद यह नहीं जानते कि अस्पताल तक का सफर सुरक्षित हो सकता है, लेकिन ठहरने की जगह नहीं। मालवीय नगर की त्रासदी ने मेडिकल टूरिज्म के उस कमजोर और अनदेखे पक्ष को उजागर किया है, जहाँ सुरक्षा अक्सर मुनाफे के पीछे छूट जाती है। अवैध बीएंडबी, बिना फायर ऑडिट वाले होटल और सुरक्षा मानकों की अनदेखी मरीजों व उनके परिजनों को लगातार जोखिम में डाल रही है। विदेशी नागरिकों की मौत भारत की वैश्विक छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है, लेकिन इससे बड़ा सवाल उन भारतीय परिवारों की सुरक्षा का है, जो रोज ऐसे भवनों में ठहरते हैं। क्या इस बार भी जवाब मुआवजे और संवेदनाओं तक सीमित रहेगा, या व्यवस्था वास्तव में कोई सबक सीखेगी?

इस संकट की असली वजह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि नियमों के पालन का अभाव है। दिल्ली समेत कई राज्यों के पुराने भवन आज भी फायर स्प्रिंकलर, अलार्म सिस्टम और वैकल्पिक निकास जैसी बुनियादी सुरक्षा सुविधाओं से वंचित हैं। निरीक्षण व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण लाइसेंस मिल जाते हैं, भवनों में अवैध विस्तार होता रहता है और इसकी कीमत आम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। हर वर्ष हजारों अग्निकांड होने के बावजूद होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा नियमों का कठोर पालन सुनिश्चित करने की गंभीर इच्छा नहीं दिखती। बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को और बढ़ा दिया है, लेकिन तैयारी और जवाबदेही अब भी बेहद कमजोर है। यदि हर हादसे के बाद सिर्फ शोक, मुआवजा और आश्वासन ही मिलते रहें, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार बन जाती है।

जरूरत तात्कालिक प्रतिक्रियाओं की नहीं, ऐसी व्यवस्था की है जो जोखिम को पहले ही रोक दे। सभी बड़े शहरों में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य हों, अवैध निर्माणों पर तत्काल कार्रवाई हो और फायर एनओसी के बिना किसी भवन को संचालन की अनुमति न मिले। नियमों की अनदेखी करने वाले मालिकों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय हो। स्कूलों, कॉलेजों और होटलों में नियमित फायर ड्रिल व सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य हों, साथ ही जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएँ।

बिना रीढ़ की राजनीति

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

तिलचट्टा यानी काकरोच इस ब्रह्मांड का वो इकलौता प्राणी है जो परमाणु बम फटने के बाद भी चाय की टपरी पर बिस्कुट डुबोकर खा सकता है। हमारे मोहल्ले के लल्लन बाबू आजकल राजनीति के नए खलीफा बने घूम रहे हैं, पर उनका भौकाल बिल्कुल उसी काकरोच जैसा है। जब तक चप्पल न पड़े, तब तक वो खुद को डायनासोर का फूफा ही समझते हैं। लल्लन बाबू ने करियर की शुरुआत ग्राउंड जीरो से की थी, मतलब सचमुच जमीन खोदकर। उन्होंने कब्रिस्तान में वीआईपी गड्ढे खोदने का ऐसा स्टार्टअप चालू किया कि देखते-देखते वो साइकिल से सीधे फॉर्च्यूनर पर लैंड कर गए। मोहल्ले वाले कहते हैं कि नेताजी मुर्दों की छाती पर मक्के की खेती कर लेते हैं। एक दिन जब मैंने उनसे पूछा कि नेताजी, इस तरक्की का सीक्रेट क्या है, तो उन्होंने मूंछों पर ताव देकर कहा, बाबू, जिंदा इंसान तो केवल वोट देता है, पर असली नोट तो सोया हुआ आदमी देता है। राजनीति और कब्रिस्तान में ज्यादा फर्क नहीं है, दोनों जगह लोग दूसरों को दफनाने के चक्कर में खुद की कुर्सी पक्की करते हैं। लल्लन बाबू का पूरा खानदान इस बिजनेस में एकदम प्रो-मैक्स लेवल पर एक्टिव था। उनके बाबूजी दिन-रात बैठकर कफन सीने का नेशनल ठेका संभाले हुए थे। वो कफन में भी ऐसी बढ़िया पॉकेट सिलते थे कि मुर्दा चाहे तो यमराज को रिश्वत रास्ते में ही सेट कर ले। अम्मा का जलवा अलग ही था, वो शवों पर चढ़ाने वाले गेंदे के फूलों के हार ऐसे चालाकी से बनाती थीं कि एक ही हार को तीन अलग-अलग जनाज़ों में रीसायकल कर देती थीं। जब बाबूजी कहते, अरे भाग्यवान, थोड़ा नया फूल भी डाल दिया करो, तो अम्मा तपाक से जवाब देतीं, चुप रहिए जी, मुर्दे को कौन सा इत्र सूंघना है, वैसे भी खुशबू तो नोटों की अच्छी होती है। इधर अपनी नेताइन भी कुछ कम नहीं थीं। वह खूब पढ़ी-लिखी, एकदम इंस्टाग्राम रील टाइप मॉडर्न थीं। उन्होंने कब्रिस्तान के पत्थरों पर नाम, जन्म-मरण के साथ ऐसी पिघला देने वाली शायरियाँ लिखने का काम संभाल लिया कि रोता हुआ आदमी भी हंसकर कह उठता, वाह, क्या सुसाइड नोट जैसा फील आ रहा है। नेताइन पत्थरों पर लिखती थीं, दुनिया के झंझटों से थककर अब मैं तो सो गया, तुम अभी तक जिंदा हो बताओ तुमको क्या मिल गया। दूसरी शायरी में वो और तगड़ा दर्द भरती थीं, यहाँ की चाय-पानी का खर्चा अब बच गया भाई, हम तो सीधे स्वर्ग चले करने अपनी विदाई। नेताइन कहती थीं, जब तक दुख को लग्जरी ब्रांड न बनाओ, तब तक पब्लिक पैसा नहीं ढीली करती।एक शाम लल्लन बाबू अपने बरामदे में बैठकर चमचों को ज्ञान दे रहे थे कि देश का विकास कैसे करना है।

फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन 76 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

10 जनवरी 1950 से 4 जून 2026

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। फिल्म निर्माता और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सेंसर बोर्ड) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का निधन हो गया है। उन्होंने 76 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। भारतीय फिल्म निर्माताओं के सबसे बड़े संगठन द इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इम्पा) के प्रेसिडेंट अभय सिन्हा ने इस खबर की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, पहलाज निहलानी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पहलाज निहलानी फिल्म जगत की एक जानी-मानी हस्ती थे, जिन्होंने कई सफल और लोकप्रिय फिल्मों का निर्माण किया। उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। वे न केवल एक निर्माता के रूप में, बल्कि एक सख्त और चर्चित सेंसर बोर्ड प्रमुख के तौर पर भी पहचाने जाते थे। अपने फिल्मी करियर में पहलाज निहलानी ने कई हिट फिल्मों को समर्थन दिया। इनमें 'इल्जाम', 'आग ही आग', 'शोला और शबनम' और 'आंखें' जैसी फिल्में शामिल हैं। खास तौर पर फिल्म 'आंखें' 1990 के दशक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में गिनी जाती है और आज भी इसे उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक माना जाता है।

पहलाज निहलानी ने कई बड़े कलाकारों को फिल्म इंडस्ट्री में पहला मौका दिया। उन्होंने अभिनेता गोविंदा को फिल्म 'इल्जाम' से लॉन्च किया, जो 1986 में आई थी। इसी तरह अभिनेता चंकी पांडे ने भी उनकी फिल्म 'आग ही आग' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

इसके अलावा, गोविंदा और चंकी पांडे स्टारर 1993 की उनकी फिल्म 'आंखें' उस समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल रही। उनकी फिल्मोग्राफी में 'हथकड़ी', 'आंधी-तूफान', 'पाप की दुनिया', 'आग का गोला', 'दिल तेरा दीवाना', 'भाई भाई', 'जूली 2' और 'रंगीला राजा' जैसी कई सफल फिल्में भी शामिल हैं।

निर्माता के रूप में योगदान के साथ-साथ पहलाज निहलानी ने 2015 से 2017 तक सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। अपने कार्यकाल के दौरान वे अपनी सख्त सेंसरशिप नीतियों के कारण अक्सर चर्चा में रहे। उस समय कई फिल्मों को लेकर विवाद भी सामने आए।

निहलानी लंबे समय तक फिल्म निर्माण और फिल्म संगठनों से भी जुड़े रहे और लंबे समय तक एसोसिएशन ऑफ मोशन पिक्चर एंड टीवी प्रोग्राम प्रोड्यूसर्स के अध्यक्ष रहे। साल 2009 में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था।

जब वेफर्स खाते-खाते मिल गई फिल्म, अरुणा ईरानी ने सुनाया दिलीप कुमार के सामने दिए पहले ऑडिशन का किस्सा

अनुभवी अभिनेत्री अरुणा ईरानी आज हिंदी सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने पांच दशक से ज्यादा समय तक दर्शकों का मनोरंजन किया। हाल ही में उन्होंने अपने पहले ऑडिशन से जुड़ी यादें साझा कीं और बताया कि कैसे वेफर्स खाते और ठंडा पीते हुए उन्हें ऐसा मौका मिला, जिसने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

रियलिटी शो 'तुम हो ना– घर की सुपरस्टार' के एक एपिसोड में अरुणा ईरानी ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटी थीं, तब एक कास्टिंग टीम मेरे रेजिडेंशियल बिल्डिंग में बच्चों की तलाश में आई थी। टीम ने वहां रहने वाले बच्चों को बताया कि जो भी अभिनय में दिलचस्पी रखता है, वह ऑडिशन देने आ सकता है। बच्चों को बुलाने के लिए उन्होंने वेफर्स और कोल्ड ड्रिंक्स की भी व्यवस्था की थी। यह सुनकर मैं काफी उत्साहित हो गईं और मैंने अपने दोस्तों को भी अपने साथ चलने के लिए मना लिया।

अरुणा ने हंसते हुए बताया कि ऑडिशन के दौरान मैं आराम से कोने में खड़ी होकर कोल्ड ड्रिंक पी रही थी और वेफर्स वेफर्स खा रही थीं। तभी किसी की नजर मुझ पर पड़ी और उन्होंने मुझे अपने पास बुलाया। जब मैं वहां पहुंचीं, तब मुझे पता चला कि सामने हिंदी सिनेमा के महान अभिनेता दिलीप कुमार बैठे हैं।

इस यादगार पल को याद करते हुए अरुणा ने बताया कि दिलीप कुमार ने मुझे अपने पास

बुलाकर पूछा कि क्या तुम डायलॉग बोल लेती हो। मैंने हाथ साफ किए, नमस्ते की और हां में जवाब दिया। इसके बाद दिलीप कुमार ने मुझे एक छोटा-सा डायलॉग दिया- 'काका, काका, मुझे बहुत डर लग रहा है।' साथ ही समझाया कि यह डायलॉग डर के भाव के साथ बोलना है। मैंने पूरे आत्मविश्वास और भावनाओं के साथ यह डायलॉग बोल दिया।

अभिनेत्री ने कहा कि डायलॉग बोलने के बाद मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। यही वह क्षण था, जिसने मेरे फिल्मी सफर की नींव रखी। उसी दिन से इंडस्ट्री में मेरे सफर का श्रीगणेश हुआ। अगर उस दिन मैं ऑडिशन देने नहीं जातीं, तो शायद मेरी जिंदगी की दिशा कुछ और होती। शो के होस्ट राजीव खंडेलवाल ने भी इस कहानी को सुनकर हैरानी जताई।

उन्होंने कहा कि इमेजिन कीजिए, किसी कलाकार का पहला ऑडिशन हो और वह सीधे दिलीप कुमार जैसे महान सुपरस्टार के सामने हो। यह किसी सपने के सच होने जैसा है। हर किसी को ऐसा मौका नहीं मिलता। जब राजीव ने उनसे पूछा कि क्या उनके परिवार ने एक्टिंग करियर के लिए उनका सपोर्ट किया था, तो अरुणा ने बताया कि मेरे घर का माहौल पहले से ही कला और अभिनय से जुड़ा हुआ था। मेरे पिता की अपनी ड्रामा कंपनी थी और मां भी अभिनेत्री थीं, इसलिए परिवार ने कभी मेरे एक्टिंग करियर का विरोध नहीं किया, बल्कि मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे सलमान खान ने बदली किस्मत, कहा- 'मेरे पास कोई डायलॉग नहीं था'

अभिनेता सलमान खान स्टारर फिल्म 'रेडी' ने बुधवार को अपनी रिलीज के 15 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री कुब्रा सैत ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव शेयर किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे सलमान खान ने उनके रोल में डायलॉग जोड़कर उन्हें ज्यादा स्क्रीन टाइम दिया था। वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं, फिल्म 'रेडी' में ऑडिशन में जाने के लिए मैंने ब्लैक ड्रैस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में आने और मुझे मंजूरी देने का इंतजार कर रही थी। अभिनेत्री ने आगे बताया, यह ऑडिशन फिल्म 'रेडी' में एक नौकरानी के रोल के लिए था, और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी। इस फिल्म को करते समय मुझमें बहुत आत्मविश्वास था, क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। इससे पहले मैंने कभी किसी फिल्म में काम नहीं किया था।

अभिनेत्री ने बताया कि कैसे सलमान खान ने उन्हें सेट पर नोटिस किया और उनके किरदार में डायलॉग ऐड किए, जिससे फिल्म में उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और निखर गई। अभिनेत्री ने कहा, ₹असल में, फिल्म में मेरे पास कोई डायलॉग नहीं था, लेकिन सलमान सर ने कहा कि क्यों ने इसे एक ऐसी नौकरानी बनाया जाए, जो टूटी-फूटी इंग्लिश में बात करती हो। अनीस बज्मी को यह आइडिया बहुत पसंद आया और इसीलिए फिल्म में मेरे पास डायलॉग हैं।

उन्होंने आगे कहा, उस समय हर कोई मुझसे कह रहा था कि मेरा दिमाग खराब हो गया है और मैं 'रेडी' फिल्म में काम करने के लिए कुछ ज्यादा ही उतावली हो रही हूं। लेकिन सच तो यह है कि अगर मैंने उस समय 'रेडी' फिल्म करने का पागलपन नहीं दिखाया होता, तो आज मैं 'कुकू' नहीं बन पाती। इसलिए कभी किसी काम को छोटा मत समझो; कोई भी रोल छोटा नहीं होता, बस एक्टर की सोच छोटी होती है। यह एक ऐसी सीख है जो मुझे जिंदगी भर याद रहेगी।

आईपीएल फाइनल से जुड़ी वीडियो पर नुसरत भरूचा ने दी सफाई

बोलीं- 'आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें'

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, आईपीएल फाइनल से जुड़ी वीडियो में कुछ आवाजें सुनाई दे रही थी, जिसे लेकर लोगों ने अलग-अलग दावे करने शुरू कर दिए। अब इस पूरे विवाद पर खुद नुसरत भरूचा ने सफाई दी है और बताया है कि आखिर उस वीडियो में सुनाई देने वाली आवाजें किसकी थीं। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में कई तस्वीरें और स्क्रीनशॉट पोस्ट किए। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखा, "कुछ लोगों ने इस मामले को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया है। एक छोटे से पपी के रोने की आवाज को लेकर इतना बड़ा विवाद खड़ा कर दिया गया। किसी ने मेरी ओर से झूठी सफाई भी जारी कर दी, जबकि वह बयान मैंने कभी दिया ही नहीं था। अपने पोस्ट में नुसरत ने बताया, जिस दिन यह वीडियो रिकॉर्ड की गई थी, उस दिन मैं अपने दोस्तों के घर पर आईपीएल का फाइनल मैच देख रही थीं।

उसी दौरान दोस्तों का एक पालतू पपी रोने जैसी आवाजें निकाल रहा था। वही आवाजें वीडियो में रिकॉर्ड हो गई थीं। मेरे एक दोस्त ने उसी समय दूसरे एंगल से एक और वीडियो बनाया था, जिसमें वही आवाजें साफ-साफ सुनाई दे रही हैं।

इसके बाद अभिनेत्री ने एक और वीडियो साझा किया, जिसमें वह घर और पपी भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया, "यह वीडियो उसी रात कुछ देर बाद रिकॉर्ड किया गया था।

पहले ही मुझे सलाह दी गई थी कि मैं अपनी पुरानी वीडियो हटा दूं, क्योंकि कुछ लोग उसका गलत मतलब निकाल सकते हैं। इसी डर की वजह से मैंने वीडियो हटा भी दी थी, लेकिन बाद में वही हुआ, जिसकी आशंका थी। लोगों ने बिना सच्चाई जाने तरह-तरह की बातें बनानी शुरू कर दीं।"

अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन होने का मतलब यह नहीं है कि किसी को परेशान किया जाए या उसके बारे में गलत बातें फैलाई जाएं। किसी भी बात पर आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें, समझें और फिर जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया दें।

बचपन की यादों में खोईं तृप्ति डिमरी ने कहा- 'बहुत मार खाई है'

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर आज (4 जून) रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी... मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं। फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'मां बहन' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

भूमि पेडनेकर ने किया 'पिंक ई-रिक्शा' पहल का समर्थन कहा- इससे महिलाओं की जिंदगी में आएगा बदलाव

मुंबई में 'ड्राइव हर फ्यूचर' नाम से एक पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य महिलाओं को रोजगार देना, उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस अभियान के तहत शुरू की गई पिंक ई-रिक्शा पहल को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपना खुलकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को कमाने और अपने पैरों पर खड़े होने का मौका मिलता है, तो न सिर्फ उनका जीवन बदलता है, बल्कि पूरे समाज और देश की प्रगति भी तेज हो जाती है।

भूमि पेडनेकर ने इस पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल पर्यावरण, महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण – इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ती है। अक्सर लोग महिला सशक्तिकरण की बातें तो करते हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे कदम देखने को मिलते हैं जो वास्तव में महिलाओं की जिंदगी में बदलाव लाएं। यह एक ऐसा काम है जो महिलाओं को सीधे तौर पर फायदा पहुंचाएगा।

भूमि पेडनेकर ने कहा कि इस कदम के तहत महिला चालकों को ई-रिक्शा दिए जाएंगे, जिससे वे खुद रोजगार कमा सकेंगी। आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी महिला को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है। जब किसी महिला के पास अपनी आय का स्रोत होता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपने फैसले खुद लेने में सक्षम बनती है। अगर देश की महिलाएं सक्षम और आत्मनिर्भर होंगी, तो देश की विकास गति भी तेज होगी और समाज में सुरक्षा का माहौल भी बेहतर बनेगा।

इस पहल की सबसे खास बात यह है कि यह केवल महिलाओं के लिए अवसर पैदा नहीं कर रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रही है। मुंबई में शुरुआत के तौर पर एक हजार पिंक ई-रिक्शा लॉन्च किए जा रहे हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में कुल 12 हजार ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। भविष्य में इस योजना को अन्य राज्यों तक भी पहुंचाया जाएगा, ताकि देशभर की महिलाओं को इसका लाभ मिल सके।

गौरतलब है कि भामला फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई 'ड्राइव हर फ्यूचर' मुहिम का उद्देश्य एक हजार महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराना है। इस पहल के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।

'पैप्स आ गए', इब्राहिम का गर्लफ्रेंड पलक को इशारा, बेसमेंट में छुपने भागीं

बॉलीवुड गलियारों में काफी समय से यह चर्चा है कि टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी, सैफ अली खान के लाडले इब्राहिम अली खान को डेट कर रही हैं. दोनों को अक्सर एक साथ वक्त बिताते और कई बार सीक्रेट वेकेशन पर भी साथ जाते देखा गया है, इसी बीच, इस रूमर्ड कपल का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वायरल वीडियो में दोनों मुंबई में एक साथ 'मूवी डेट' का लुत्फ उठाते नजर आए. लेकिन जैसे ही वहां पैपराजी की एंट्री हुई, दोनों के रिएक्शन ने फैंस को हैरान कर दिया और सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी.

कैमरे से बचते दिखे पलक और इब्राहिम

दरअसल, वीडियो मुंबई के जुहू स्थित पीवीआर का बताया जा रहा है, जहां इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी एक साथ फिल्म देखने पहुंचे थे. जैसे ही दोनों थिएटर से बाहर निकलने लगे, वहां पहले से मौजूद पैपराजी ने उन्हें अपने कैमरों में कैद करना शुरू कर दिया. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मीडिया और कैमरों को सामने पाकर इब्राहिम अली खान थोड़े असहज हो गए. उन्होंने तुरंत पलक तिवारी को पैप्स के सामने आने से रोक दिया, ताकि वह कैमरों की नजरों से बच सकें.

पलक का रिएक्शन आया सामने

वायरल हो रहे इस वीडियो में इब्राहिम अली खान का अपनी कथित लेडी लव के लिए प्रोटेक्टिव रवैया साफ नजर आ रहा है. पैपराजी को देखते ही इब्राहिम ने पलक को पीछे रहने का इशारा किया और खुद आगे आकर मोर्चा संभाल लिया. वहीं, दूसरी तरफ पलक तिवारी भी पूरी कोशिश करती दिखीं कि उनका चेहरा कैमरे में न आए. दोनों का यह 'छुपन-छुपाई' वाला अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

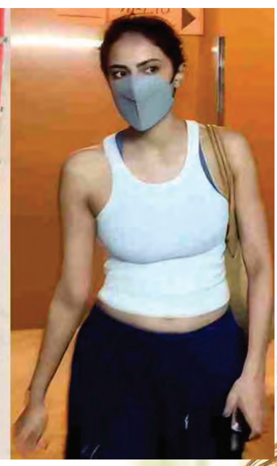

सोशल मीडिया पर यूजर्स के आए रिएक्शन

वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया यूजर्स की तरफ से मिले-जुले और तीखे रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं. कई यूजर्स इस बात से खफा दिखे कि दोनों अपने रिश्ते को इस तरह छुपा क्यों रहे हैं? एक यूजर ने लिखा, 'यह सारा ड्रामा क्यों? बाकी कपल्स की तरह सामान्य होकर चलिए, पैपराजी खुद आपका पीछा करना बंद कर देगी. साथ दिखने में इतनी शर्म कैसी? हर कोई समझता है कि आप दोनों साथ हैं, चाहे वो बेस्टीज की तरह हो या पार्टनर्स की तरह.' वहीं एक अन्य यूजर ने सवाल दागते हुए कहा, 'आखिर ये क्यों छुप रही है?'

जहां एक तरफ लोग दोनों को ट्रोल कर रहे थे, वहीं दूसरी तरफ कुछ इंटरनेट यूजर्स इस बात से नाराज दिखे कि पैपराजी सेलिब्रिटीज की प्राइवेसी का सम्मान नहीं करती है. एक यूजर ने लिखा, 'क्या बकवास है... पैपराजी उन्हें पकड़ने के बाद इस तरह हंस क्यों रही है? वहीं कुछ फैंस ने कपल का सपोर्ट करते हुए लिखा, 'प्लीज उन्हें प्राइवेसी दीजिए.'

झूठे आरोपों पर ट्रोल हुईं शिल्पा शिंदे, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई'

टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान कबूल की थी कि 2016 में भाबीजी घर पर है के प्रोड्यूसर पर उन्होंने यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री ने अपने बचाव पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती हैं कि उन्हें पता है कि उन्होंने जो किया है वह सही है और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने पॉडकास्ट के सिर्फ एक क्लिप के आधार पर, पूरे संदर्भ को समझे बिना ही मेरे बारे में राय बना ली। मैं आमतौर पर टिप्पणियां पढ़ती हूं क्योंकि मुझे पता है कि मेरे फैंस मुझे क्या लिखते हैं। अगर आप भाती और हर्ष का पॉडकास्ट देखेंगे, तो आपको वहां भी टिप्पणियां देखने को मिलेगी। इस पीआर कैंपेन और आ रही टिप्पणियों के बाद, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं कि आप जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं।

कुछ लोग हालात को समझे बिना तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है क्योंकि दुनिया कभी भी किसी अच्छी चीज की सराहना नहीं करती। आप जैसे लोग, जो आज कमेंट कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि मुझे यह कहने की जरूरत नहीं थी। मैं यह बात दस साल पहले भी कह सकती थी, जब मैं वह शो कर रही थी लेकिन मैंने इसे अब कहने का फैसला किया।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं यहां पर खुद को साबित करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि अपनी अंतरात्मा के सामने सही होना चाहती थी क्योंकि वह बात एक झूठ थी। मुझसे किसी ने ऐसा करने के लिए नहीं बोला था लेकिन मैं उस झूठ के बोझ के साथ जी नहीं सकती थी। उस समय मैं किस मुश्किल दौर से गुजरी, यह कोई नहीं जानता। भगवान न करे कि ऐसी परिस्थिति का सामना आपको या आपके परिवार को करना पड़े।

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने बताया कि यह सब उन्होंने पैसों के लिए नहीं किया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी, क्योंकि मैं जानती हूं कि उस समय मैंने कितनी बड़ी लड़ाई लड़ी थी। जिस व्यक्ति पर मैंने इल्ज़ाम लगाया था, वह जानता है कि असल में क्या हुआ था। मुझे अफसोस है। 'सॉरी' शब्द बहुत छोटा है लेकिन वह यह भी जानता है कि मैं उस समय किस हालात में थी। उस समय, मुझे लगा कि मेरे पास कोई और चारा नहीं है। मैं ऐसी मानसिक स्थिति में थी कि आत्महत्या करने के बारे में सोच रही थी।

उस समय कई लोगों ने मेरा मजाक बनाया और गाली भी दी, लेकिन जब आप जानते हैं कि आपने कुछ भी गलत नहीं किया है, तो आपको किसी भी चीज का डर नहीं लगता। उस समय किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया था, इसलिए अब भी मुझे किसी के साथ की उम्मीद नहीं है। मैं इन सभी चीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। लोग क्या सोचते हैं, मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है। जो प्रोड्यूसर कलाकारों को गालियां देते हैं, वे तो 10-15 साल तक लगातार काम करते रहते हैं, लेकिन हम जैसे कलाकारों से यह उम्मीद की जाती है कि हम चुप रहें।

अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, पूरा पॉडकास्ट देखे बिना सिर्फ एक लाइन के आधार पर फैसला सुनाना, पेड पीआर का घटिया तरीका है। मुझे समझने के लिए मेरे शुभचिंतकों का धन्यवाद।

शादी के पहले ही जब मां को लग गई थी सोनाक्षी सिन्हा और जहीर के रिश्ते की भनक, बताया पूरा किस्सा

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा जितना अपनी अदाकारी, गायकी और अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं, उतनी ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रही हैं। खासकर जहीर इकबाल के साथ उनकी लव स्टोरी और शादी ने खूब सुर्खियां बटोरीं। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया, लेकिन शादी से पहले ही सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा को दोनों के रिश्ते का अंदाजा हो गया था। दरअसल, मशहूर कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता फराह खान कुछ दिन पहले अपने यूट्यूब चैनल के लिए सोनाक्षी और जहीर के घर पहुंची थीं। इस दौरान उनके साथ उनके लोकप्रिय कुक दिलीप भी मौजूद थे। खास बात यह थी कि इस मौके पर सोनाक्षी और जहीर की मां भी मौजूद थीं।

बातों-बातों में फराह खान ने कपल से पूछा कि आखिर उनके परिवारों की पहली मुलाकात कब और कैसे हुई थी। इस सवाल का जवाब देते हुए सोनाक्षी ने बताया कि दोनों परिवारों की पहली मुलाकात अभिनेत्री हुमा कुरैशी के घर आयोजित एक पार्टी में हुई थी। सोनाक्षी ने बताया कि उस पार्टी में सिर्फ उनके और जहीर के परिवार ही नहीं, बल्कि हुमा कुरैशी के माता-पिता भी मौजूद थे। सभी ने साथ बैठकर बातचीत की, हंसी-मजाक किया और शाम का भरपूर आनंद लिया।

जब फराह खान ने सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा से पूछा कि क्या उस समय उन्हें सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को लेकर कोई अंदाजा हुआ था, तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि उन्हें कुछ-कुछ शक जरूर हो गया था। पूनम सिन्हा ने बताया कि पार्टी के दौरान सोनाक्षी, जहीर की मां के पैरों के पास बैठी हुई थीं। यह देखकर उन्हें थोड़ा अलग महसूस हुआ और तभी उनके मन में दोनों के रिश्ते को लेकर सवाल उठने लगे थे।

हालांकि उस समय किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा, लेकिन मां की नजरें अक्सर बच्चों के मन की बात भांप लेती हैं। बाद में यही रिश्ता प्यार से शादी तक पहुंचा और 23 जून 2024 को सोनाक्षी और जहीर ने शादी कर ली।

सोनाक्षी सिन्हा का जन्म 2 जून 1987 को हिंदी फिल्म के जाने-माने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और अभिनेत्री पूनम सिन्हा के घर हुआ था। फिल्मों में आने से पहले सोनाक्षी एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर के तौर पर काम करती थीं। उन्होंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की और फिल्म इंडस्ट्री में पर्दे के पीछे अपना करियर शुरू किया था।

अगर सोनाक्षी के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2010 में फिल्म दबंग से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार सलमान खान नजर आए थे। पहली ही फिल्म ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया और इसके लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला।

इसके बाद सोनाक्षी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। राउडी राठौर, सन ऑफ सरदार, दबंग 2 और हॉलिडेः ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी जैसी कई हिट फिल्मों में उन्होंने काम किया। वहीं लुटेरा में निभाए गए 'पाखी' के किरदार को आज भी उनके द्वारा निभाए गए बेहतरीन किरदारों में गिना जाता है। इसके अलावा उन्होंने गायकी में भी हाथ आजमाया। आज सोनाक्षी सिन्हा बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर एक अलग मुकाम हासिल किया है।

ऋचा और मैं अच्छे किरदारों के लिए जीते हैं, इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है : अली फजल

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है। अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, "ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।"

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए।

अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं।

अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी।

उन्होंने बताया, "हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।"

अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर दी नए प्रोजेक्ट की जानकारी, लिखा- 'बेसब्री से कर रही हूं इंतजार'

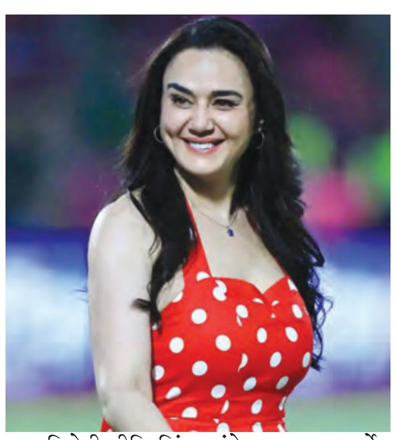

अभिनेत्री प्रीति जिंटा लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि इस प्रोजेक्ट को सभी के साथ शेयर करने का वे बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, नए प्रोजेक्ट की शुरुआत से पहले थोड़ा आराम कर रही हूं। मैं आप सभी के साथ इस नए प्रोजेक्ट को शेयर करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बहुत जल्द इसकी जानकारी दूंगी।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा जल्द ही फिल्म 'वाइब' और 'लाहौर 1947' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। 'वाइब' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म दो सच्चे दोस्तों की कहानी है, जिसमें एक सीधा-सादा और नियमों का पालन करने वाला है, जबकि दूसरा लापरवाह है। दोनों की साधारण जिंदगी में तब तूफान आ जाता है, जब वे अनजाने में एक आतंकवादी साजिश में फंस जाते हैं और देश की सुरक्षा का दारोमदार उनके हाथों में आ जाता है।

फिल्म का लेखन और निर्देशन कुणाल खेमू ने किया है। इसे 'द्रोंगो फिल्म्स' के बैनर तले कुणाल खेमू और चिराग निहलानी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म 2018 की फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' के बाद बड़े पर्दे पर प्रीति जिंटा की शानदार वापसी का प्रतीक है।

फिल्म में प्रीति जिंटा और कुणाल खेमू के अलावा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर शामिल हैं। यह एक बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है, जो 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। थिएटर रिलीज के बाद यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी।

इसके अलावा, वह सनी देओल के साथ 'लाहौर 1947' में भी नजर आएंगी। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में सनी देओल मुख्य भूमिका में होंगे, जबकि शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और अन्य कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे। आमिर खान के बैनर तले बन रही फिल्म 'लाहौर 1947' की कहानी भारत के विभाजन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

'बेबी डॉल' में दिखेगा संघर्ष और सपनों का सफर

नियति फतनानी बोलीं–मनोरंजन की दुनिया का भविष्य है माइक्रो–ड्रामा

मनोरंजन की दुनिया लगातार बदल रही है। जहां कभी लंबे टीवी शोज और दो से तीन घंटे की फिल्में दर्शकों की पहली पसंद हुआ करती थीं, वहीं अब डिजिटल दौर में कंटेंट देखने का तरीका तेजी से बदल रहा है। आज की पीढ़ी कम समय में ज्यादा मनोरंजन चाहती है और यही वजह है कि छोटे वीडियो, वेब सीरीज और माइक्रो-ड्रामा जैसे नए फॉर्मेट तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसी बदलते दौर के बीच अभिनेत्री नियति फतनानी अपने नए माइक्रो-ड्रामा शो 'बेबी डॉल' को लेकर चर्चा में हैं।

एक इंटरव्यू में उन्होंने इस नए फॉर्मेट में काम करने के अनुभव, अपने किरदार और मनोरंजन उद्योग के भविष्य को लेकर खुलकर बात की। नियति फतनानी ने कहा, "माइक्रो-ड्रामा में काम करना टेलीविजन शोज से काफी अलग अनुभव है। आज के समय में कलाकारों के लिए जरूरी है कि वे बदलते ट्रेंड के साथ खुद को भी अपडेट रखें। वर्टिकल वीडियो और माइक्रो-ड्रामा आने वाले समय में मनोरंजन की दुनिया का बड़ा हिस्सा बनने वाले हैं। इस फॉर्मेट की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेज रफ्तार है। यहां कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है और दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखने की कोशिश की जाती है। हालांकि यह चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन

कलाकारों के लिए यह एक नया अवसर भी लेकर आता है।"

अभिनेत्री ने कहा, माइक्रो-ड्रामा की दुनिया में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कलाकारों को अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिलता है। एक अभिनेता के रूप में यह अनुभव बेहद रोमांचक होता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और दिखाने का अवसर मिलता है। इससे न केवल अभिनय क्षमता बढ़ती है, बल्कि दर्शकों के साथ जुड़ने का तरीका भी और मजबूत होता है।

नए शो में अपने किरदार को लेकर नियति ने बताया कि इस कहानी में मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं जो अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती है। वह एक संघर्षशील कलाकार है, जिसके बड़े सपने हैं और जो इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रही है। लेकिन मुंबई जैसे बड़े शहर में रहना आसान नहीं होता। यहां रोजमर्रा के खर्चे, संघर्ष और प्रतिस्पर्धा किसी भी नए कलाकार के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़े हो जाते हैं।

नियति ने कहा कि कहानी में मेरे किरदार को एक एजेंट सफलता का आसान रास्ता सुझाता है। यहीं से कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आते हैं। हालांकि यह विषय काफी संवेदनशील है, लेकिन शो की खास बात यह है कि इसे गंभीरता के बजाय हास्य और मनोरंजन के साथ पेश किया गया है।

उन्होंने कहा कि दर्शकों को यह शो इसलिए भी पसंद आएगा, क्योंकि इसमें मनोरंजन के साथ-साथ वास्तविक जीवन की झलक भी देखने को मिलेगी। कहानी एक युवा लड़की के सपनों, संघर्षों और उसके सफर को दिखाती है। साथ ही इसमें ऐसे कई पल हैं जो दर्शकों को हंसाने के साथ भावनात्मक रूप से भी जोड़ेंगे।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने जारी की 10 प्रत्याशियों की सूची

गुजरात से चार, राजस्थान-एमपी से 2-2 उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने साल 2026 के राज्यसभा चुनाव और उप-चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की नई सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस बार कई राज्यों में बड़े संगठनात्मक फेरबदल के संकेत दिए हैं। हाईकमान ने अनुभवी चेहरों और क्षेत्रीय क्षत्रपों पर बड़ा दांव खेला है।

दिग्गजों को मिला मौका, क्षेत्रीय संतुलन पर जोर

भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश से अपने कद्दावर नेता ताई तागाक को मैदान में उतारा है। वहीं, मणिपुर से ए. शारदा देवी को टिकट देकर पूर्वोत्तर में पार्टी ने बड़ा संदेश दिया है। मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। राजस्थान में भी पार्टी ने बड़ा उलटफेर किया है। यहाँ से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को उच्च सदन भेजने की तैयारी है।

गुजरात और ओडिशा के लिए खास रणनीति

गुजरात से भाजपा ने राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा और मानसिंह परमार पर भरोसा जताया है। पार्टी ने यहां आदिवासी और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की पूरी कोशिश की है। इसके अलावा, ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उप-चुनाव 2026 के लिए देबाशीष सामंतराय को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

राज्यों का संख्या बल और एनडीए की मजबूत स्थिति

18 जून 2026 को होने वाला राज्यसभा चुनाव पूरी तरह से राज्यों के मौजूदा विधानसभा संख्या बल पर टिका है। इस चुनाव में विधायकों की संख्या ही सबसे बड़ा फैसला करेगी। मौजूदा समीकरणों को देखकर साफ है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बेहद फायदे में हैं। वे उच्च सदन यानी राज्यसभा में अपनी ताकत बढ़ाने की सबसे मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। इस बार मुख्य चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्यों पर केंद्रित हो गया है।

गुजरात और राजस्थान का चुनावी गणित

गुजरात और राजस्थान का चुनावी गणित इस बार बेहद दिलचस्प है। गुजरात विधानसभा में भाजपा के पास 156 विधायकों का भारी बहुमत है। इस प्रचंड बहुमत की वजह से भाजपा वहां की सभी चार सीटों पर क्लीन स्वीप करने जा रही है।

दूसरी तरफ, राजस्थान की स्थिति थोड़ी अलग है। यहां खाली हो रही तीन सीटों में से संख्या बल के हिसाब से दो सीटें भाजपा को मिलेंगी। वहीं, एक सीट कांग्रेस के खाते में जाना बिल्कुल तय है। राजस्थान में एक सीट जीतने के लिए उम्मीदवार को कम से कम 51 प्रथम वरीयता के वोटों की जरूरत है।

उपचुनाव: बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंहदेव के करीबी हारे

जगदलपुर-बिलासपुर में जीती कांग्रेस, 9 में से 3 सीटें भाजपा के खाते में

बिलासपुर/जगदलपुर, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अलग अलग जिले के वार्डों में हुए उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। बिलासपुर और जगदलपुर नगर निगम उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। जगदलपुर नगर निगम के इंदिरा वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी रामकृष्ण तिवारी ने 436 वोटों से बीजेपी के मनोहर दत्त तिवारी को हराया है। मनोहर दत्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के करीबी हैं।

बिलासपुर में वार्ड क्रमांक 29 के उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा के मधुसूदन राव को 1062 वोटों से हराया। उपचुनाव के नतीजों के मुताबिक, कांग्रेस ने 6 सीटों और भाजपा ने 3 सीटों पर उपचुनावों में जीत दर्ज की है।

सूरजपुर (शिवनंदनपुर), कवर्धा (सहसपुर लोहारा) और जांजगीर चांपा (बमनीडीह) में बीजेपी की जीत हुई है। घुमका, पलारी नगर पंचायत (अध्यक्ष पद) चारामा वार्ड 13 और पखांजूर सभी में कांग्रेस की जीत हुई है। इन नतीजों पर कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जनता का विश्वास भाजपा सरकार से उठ चुका है। वहीं जगदलपुर मेयर संजय पांडेय ने हार की समीक्षा की बात कही।

काशी में 200 साल पुरानी मस्जिद 22 मिनट में ढहाई

आधी रात 1000 जवान तैनात, 5 बुलडोजर चले, पूरा मलबा रातों-रात हटवाया

वाराणसी, 4 जून (एजेंसियां)। वाराणसी में आधी रात प्रशासन ने 200 साल पुरानी अजगैब शहीद मस्जिद को ढहा दिया। महज 22 मिनट में 5 बुलडोजरों ने 42 फीट ऊंची मस्जिद को तोड़ दिया। पूरा मलबा भी रातों-रात ट्रकों में भरकर हटा दिया गया।

मंगलवार रात 12 बजे प्रशासन 1000 से अधिक पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचा। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एडीसीपी वैभव बांगर ने मस्जिद के चारों ओर बैरिकेडिंग करवाई। लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई। इसके बाद बुलडोजर एक्शन शुरू हुआ। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद रेलवे की जमीन पर बनी थी। मामला कोर्ट गया था, वहां से फैसला रेलवे के पक्ष में आ चुका है। यहां काशी रेलवे स्टेशन को मॉडल बनाया जा रहा है। इसलिए उसका विस्तार किया जा रहा, इसी वजह से यह कार्रवाई की गई।

भदऊ चुंगी स्थित किला कोहना इलाके में अजगैब शहीद की मस्जिद और कब्रिस्तान स्थित है। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि मस्जिद 200 साल पुरानी थी। मस्जिद के मुतवल्ली शमीम उस्ताद थे, जिनका दो महीने पहले निधन हो चुका है।

प्रशासन का कहना है कि यह रेलवे की पुरानी जमीन है, जिस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा करके पहले मजार बनाई। बाद में मस्जिद और कब्रिस्तान का निर्माण किया गया। साल 2024 में काशी मॉडल रेलवे स्टेशन का प्रोजेक्ट आया। इसके बाद जमीन की पैमाइश कराई गई, जिसमें अवैध कब्जे का पता चला।

रेलवे ने मस्जिद के मुतवल्ली से जमीन खाली करने के लिए कहा। हालांकि, वह कोर्ट पहुंच गए। हाल ही में मुतवल्ली केस हार गए। इसके बाद रेलवे ने जमीन खाली करने के लिए 3 बार नोटिस जारी किया, लेकिन जमीन खाली नहीं की गई। इसके बाद कार्रवाई की गई।

बस से 2 करोड़ का गांजा पकड़ाया

झाड़ू बेचने की आड़ में तस्करी, गठरियों में छिपाकर एमपी ले जा रहे थे, आरोपी फरार

सूरजपुर (छत्तीसगढ़), 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में गुरुवार को पुलिस ने बस से करीब 20 क्विंटल गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 2 करोड़ रुपए आंकी गई है। गांजा कपड़ों की गठरियों में छिपाकर रखा गया था।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि सरगुजा पासिंग बस के जरिए झाड़ू की आड़ में गांजा कटनी भेजा जा रहा था। बस में झाड़ू बेचने वाले महिला और पुरुष सवार थे, जो पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गए। बस ड्राइवर और हेल्पर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है और फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। मामला जयनगर थाना क्षेत्र का है। बता दें कि 5 दिन पहले महासमुंद जिले की सिंघोड़ा थाना पुलिस ने 3 करोड़ का 6 क्विंटल गांजा पकड़ा था। आरोपी ओडिशा से माजदा वाहन से गांजा महाराष्ट्र ले जा रहा था।

गांजे को मशीनरी सामानों के कार्टूनों के नीचे बोरियों में छिपाकर रखा गया था। इस कार्रवाई में गांजा, वाहन, मोबाइल और कैश समेत कुल 3 करोड़ 12 लाख 15 हजार की संपत्ति जब्त की गई थी।

दरअसल, जयनगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नीलम कंपनी बस अंबिकापुर से मध्य प्रदेश की जा रही है, जिसमें भारी मात्रा में गांजा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सिलफिली के पास नाकेबंदी कर जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस टीम नीलम कंपनी की बस नजर आई। पुलिस ने बस रुकवाया।

जैसे ही बस रुकी, उसमें सवार महिला-पुरुष उतरकर भाग निकले। जब पुलिस ने ड्राइवर और हेल्पर को हिरासत में लेकर तलाश ली तो झाड़ू के आड़ में कपड़ों की गठरियों में गांजा मिला। इसके बाद फौरन जब्ती की कार्रवाई की गई। बस भी जब्त कर थाने में पार्क कराया गया है। पुलिस ड्राइवर-हेल्पर पूछताछ में जुटी हुई है।

13 दिन में टूटी 28 साल पुरानी टीएमसी

निष्कासित विधायक बोले-अभिषेक के खिलाफ बोल नहीं सकते थे; बगावत हुई क्योंकि फैसले थोपे जा रहे थे

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर चल रहे राजनीतिक संकट के बीच, पार्टी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर किसी को भी अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बोलने की इजाजत नहीं थी। टीएमसी की हार के बावजूद, नेताओं को डायमंड हार्बर के सांसद की तारीफ करने का निर्देश दिया गया था।

साहा ने कहा- जहां तक ट्रिगर पॉइंट की बात है, यह चुनाव में हार के बाद सामने आया। जब हम बैठक में गए, तो सभी विधायकों के लिए एक निर्देश जारी किया गया। अभिषेक के बारे में आलोचना का एक भी शब्द कहने की इजाजत नहीं थी। हमसे कहा गया कि सभी को खड़े होकर उनका सम्मान करना चाहिए। साहा ने यह भी बताया कि ये निर्देश उन नेताओं को भी दिए गए थे जो अभिषेक बनर्जी के टीएमसी में आने से पहले से ही पार्टी का हिस्सा थे। शायद तब अभिषेक बनर्जी स्कूल ही जाया करते होंगे, तब से।

दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को पार्टी गठन के 28 साल बाद पहली बार टूट का सामना करना पड़ा है। टीएमसी के 80 में 58 बागी विधायकों ने बुधवार को ममता बनर्जी की जगह रितब्रत बनर्जी को विधायक दल का नेता चुन लिया। स्पीकर ने इस दावे को मंजूरी भी दे दी।

बगावत का पूरा खेल 22 मई को दिल्ली के बंग भवन में टीएमसी विधायक ऋतब्रत बनर्जी और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मुलाकात से शुरू हुआ था। इस एक मुलाकात ने सिर्फ 13 दिनों में पार्टी को दो हिस्सों में बांट दिया।

टीएमसी के भीतर जारी राजनीतिक संकट के बीच ममता के करीबी माने जाने वाले कई नेता बुधवार को सीएम शुभेंदु की प्रशासनिक समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इनमें कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, कुणाल घोष, नयना बंद्योपाध्याय और अशोक देब शामिल थे। इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर चल रही खींचतान को और उजागर कर दिया है।

युवक ने प्रॉपर्टी के लिए माता-पिता, बहन को मारा

प्रयागराज, 4 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में करोड़पति परिवार के 4 सदस्यों की हत्या का पुलिस ने बुधवार को खुलासा कर दिया। मां-बाप और बहन की हत्या बेटे ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। हत्या के बाद दोनों ने घर से डेढ़ करोड़ रुपए के गहने लूटे। फिर गहनों के बंटवारे को लेकर उनके बीच आपस में झगड़ा हो गया। इसके बाद दोस्त ने बेटे की हत्या कर दी।

वारदात के बाद उसने दुकान में बाहर से ताला लगाया और गहने लेकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी दोस्त सनी गुप्ता को हिरासत में लिया है। वह चाय की दुकान लगाता है। उसके पास से लूटे हुए गहने भी बरामद हुए हैं। जांच में सामने आया है कि कारोबारी ने साल-2022 में बेटे को प्रॉपर्टी से बेदखल कर दिया था। इससे वह नाराज था। इसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी सनी गुप्ता ने मीडियाकर्मियों से कहा- हमें लगा कि जो अपने मां-बाप का नहीं हुआ, वह मेरा क्या होगा। हमने कोई अपराध नहीं किया था। उसी ने मुझे उकसाया और बुलाया। उसने अपने मां-बाप का कत्ल किया। हम दोनों सोना-चांदी लेकर नीचे आए। उसने कहा था कि मुझे भी हिस्सा देगा, लेकिन नहीं दिया। इसी वजह से मैंने उसकी हत्या कर दी।

मंगलवार को कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता (65) और बेटी मीनाक्षी (45) के शव घर के अंदर मिले थे। घर में बाहर से ताला बंद था, जबकि बेटे अभिषेक का कुछ पता नहीं चल पाया था। ऐसे में शक अभिषेक पर गया। हालांकि, करीब 2 घंटे बाद अभिषेक (40) का शव मकान के नीचे की दुकान में मिला। दुकान का ताला भी बाहर से बंद था। ऐसे में पुलिस मान रही थी कि किसी ने पूरे परिवार की हत्या कर दी है।

जांच में पुलिस को कारोबारी पति-पत्नी के शव से एक मीटर दूर एक गत्ता पड़ा मिला। इस पर लाल कलर के पेन से लिखा था- "बंटी, बबली और बहू ने मारा।" सूत्रों के मुताबिक, बेटे ने ही पुलिस को गुमराह करने के लिए ऐसा लिखा था। जिससे पुलिस का शक जेल से बाहर आई छोटे भाई की पत्नी पर जाए। वारदात साउथ मलाका इलाके में हीवेट रोड चौराहे की है। वीरेंद्र कुमार वैश्य का गिफ्ट का कारोबार था। उनका हीवेट रोड चौराहे पर दो मंजिला मकान है। मकान 8,000 वर्गफीट में बना है, जिसकी कीमत 10 से 15 करोड़ रुपए बताई जा रही है। निचले हिस्से में 14 दुकानें हैं, जिनमें से 13 किराए पर हैं। ऊपरी हिस्से में वीरेंद्र परिवार के साथ रहते थे। एक दुकान बेटी मीनाक्षी चलाती थी। वह गिफ्ट से जुड़े सामान बेचती थी। उसी दुकान पर वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे। बड़ा बेटा अभिषेक पेस्टीसाइड और फ्लोर क्लीनिंग सॉल्यूशन का व्यापार करता था। अभिषेक और मीनाक्षी की शादी नहीं हुई थी। छोटा बेटा कौशांबी जेल में बंद है। उसकी पत्नी रितु जमानत पर जेल से बाहर है।

तंत्र-मंत्र के चक्कर में 2 बेटों का मर्डर

7 दिन घर में चली पूजा, पानी में जहर मिलाकर पिलाया; मां समेत 4 को उम्रकैद

सक्ती, 4 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में अपने ही घर के 2 बेटों को तंत्र-मंत्र कर मर्डर करने वाले परिवार को उम्रकैद हुई है। ग्राम तांदुलडीह में 2 साल पहले यह घटना हुई थी। जहां मां और बहनें घर पर तंत्र साधना करती थीं। भाइयों ने विरोध किया तो उन्हें पानी में कीटनाशक मिलाकर पिलाया और गला घोंट दिया। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र का है। जांच में सामने आया था कि, परिवार ने उज्जैन के उमाकांत नामक बाबा से गुरु दीक्षा ली थी। वारदात से 7 दिन पहले सभी आरोपी उपवास रखे थे। भाइयों को कमरे में बंद कर तंत्र पूजा कर रहे थे। आरोपियों में मां, 2 बहनें और एक भाई शामिल हैं, जिन्हें आजीवन कारावास हुआ है।

बृजभूषण सिंह की बेटी सूर्या की मां से मिलीं

कहा- योगीजी अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए, अवैध मदरसे ढहाए जाएं

गाजियाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की बेटी शालिनी गुरुवार दोपहर गाजियाबाद में सूर्या चौहान के घर पहुंचीं। मां और भाई से मिलीं। घर के बाहर जमीन पर बैठकर उन्होंने बातचीत की और ढांढस बंधाया। साथ ही सूर्या को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा- हमने सूर्या के बड़े भाई को नौकरी का ऑफर दिया है। सूर्या हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। योगीजी, अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए।

शालिनी सिंह ने कहा- सरकार को अवैध मदरसे तुरंत गिराने चाहिए। इतने बड़े-बड़े अवैध मदरसे कैसे बन रहे हैं, कागज तो दिखाने ही चाहिए। जिन मदरसों में बच्चों को गलत शिक्षा दी जा रही, उन्हें भी ढहाया जाए। ये इंसान को इंसान नहीं रहने दे रहे। जो लोग इतना जघन्य अपराध करके वीडियो बना रहे, ऐसी मानसिकता कहां से उपज रही है? इन्हें कौन शिक्षा दे रहा है? जिस खोड़ा इलाके में बकरीद के दिन सूर्या की हत्या हुई थी, वहां 7 दिन से तनावपूर्ण स्थिति है। हिंदू संगठनों के लोग लगातार सूर्या के घर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस फोर्स तैनात है। हालांकि, अब 10 से 15 फीसदी दुकानें खुलने लगी हैं।

मुख्य आरोपी असद एनकाउंटर में मारा जा चुका है। असद के पिता समेत 5 आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। सूर्या की मां को गाजियाबाद के डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने नगर पालिका, खोड़ा में संविदा पर नौकरी दी है। सरकार की तरफ से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी दी गई है।

बदायूं में दरोगा की खिड़की से लटकी लाश मिली

बदायूं, 4 जून (एजेंसियां)। बदायूं में दरोगा का शव कमरे में दरवाजे के ऊपर बनी खिड़की से फंदे के सहारे लटका मिला। शव घुटने के बल बैठी पोजिशन में था। एसपी अंकिता शर्मा ने सुसाइड की आशंका जताई है। दरोगा मेघश्याम गौतम मूलरूप से मथुरा के गोविंदनगर थाना क्षेत्र के सकना गांव के रहने वाले थे।

एसपी ने बताया- मेघश्याम गौतम (55) कोर्ट सुरक्षा में तैनात थे। उनके मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकलवाई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है। परिजनों से पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के मधुबन कॉलोनी की है।

रायपुर के कारोबारी से 84 लाख की ठगी

शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा का लालच दिया, व्हाट्सऐप के जरिए किया था संपर्क

रायपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में शेयर मार्केट और आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) में भारी मुनाफा दिलाने का लालच देकर ठगों ने कारोबारी और उसके परिचितों से 84 लाख 63 हजार रुपए की ठगी की है। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने 3 आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। मामला देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार सेक्टर-1 देवेंद्र नगर निवासी अविनाश लोखंडे शेयर बाजार से जुड़ी एक ब्रोकिंग फर्म का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि जून 2025 में कुछ लोगों ने व्हाट्सऐप के जरिए से उनसे संपर्क किया था। आरोपियों ने खुद को निवेश सलाहकार बताते हुए शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ में कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का दावा किया।

उनके झांसे में आकर अविनाश और उनके परिचितों ने अलग-अलग किश्तों में 84 लाख 63 हजार रुपए निवेश कर दिए। बाद में जब मुनाफा और मूल रकम वापस नहीं मिली, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

पीड़ित के अनुसार, शुरुआत में आरोपियों ने अविनाश से एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर खाता खुलवाया। कुछ समय तक सामान्य ट्रेडिंग कराकर उन्हें मुनाफा भी दिखाया गया, जिससे उनका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद आरोपियों ने प्रीमियम आईपीओ कम कीमत पर उपलब्ध कराने का झांसा दिया और अधिक रकम निवेश करने के लिए कहा।

आरोपियों की बातों पर भरोसा कर अविनाश और उनके परिचित निवेशकों ने बड़ी राशि निवेश कर दी। हालांकि, बाद में न तो उन्हें वादा किया गया मुनाफा मिला और न ही निवेश की गई रकम वापस मिली। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं।

शिकायत के अनुसार अविनाश लोखंडे के अलावा उनके परिचित अमित अग्रवाल, अशोक वर्मा, सौरभ अग्रवाल और श्याम सुंदर अग्रवाल ने भी निवेश करने की सहमति दी। इसके बाद आरोपियों के निर्देश पर सभी ने अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से कुल 84 लाख 63 हजार रुपए जमा कराए।

शंकराचार्य ने चौराहे पर बिताई रात

कन्नौज में जिसके यहां रुकना था, उसे प्रशासन ने धमकाया; इसलिए जमीन पर सोए

कन्नौज, 4 जून (एजेंसियां)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को कन्नौज में चौराहे पर रात बितानी पड़ी। शंकराचार्य ने कहा, "प्रशासन हमें परेशान कर रहा है। जिस स्कूल में हमें रात में रुकना था। परमिशन न होने का हवाला देते हुए प्रशासन ने वहां ठहरने से मना कर दिया गया, इसलिए हमने सरकारी जमीन पर रुकने का फैसला किया। यहीं पर रात बिताएंगे। हम गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने के लिए निकले हैं। 150 विधानसभाओं में हम होकर आ चुके हैं। हम अपनी यात्रा पूरी करके रहेंगे।"

शंकराचार्य बुधवार शाम 7 बजे कन्नौज पहुंचे। फिर वह शिष्यों के साथ चौराहे पर ही बैठ गए। वहीं, खाली जमीन में टेंट लगाया गया। करीब 2 घंटे तक शंकराचार्य वहीं बैठे। फिर शिष्य उन्हें वैनिटी वैन में ले गए। गुरुवार सुबह वह फर्रुखाबाद के लिए निकल गए। शंकराचार्य के लगाए गए आरोपों को कन्नौज डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- संतों का सम्मान करना प्रशासन का पहला प्रयास है। शंकराचार्य को किसी ने नहीं रोका। उनकी सुरक्षा में फोर्स को भी तैनात किया गया।

शंकराचार्य 81 दिनों की गविष्टि (गो-रक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा पर हैं। उन्होंने काशी से 3 मई को यात्रा की शुरुआत की थी। ये यात्रा यूपी की 402 यानी सभी विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। यात्रा में करीब 25 अनुयायी उनके साथ चल रहे हैं।

शंकराचार्य बुधवार को औरैया के बिधुना होते हुए शाम साढ़े 6 बजे कन्नौज की तिर्वा विधानसभा पहुंचे। जहां सपाइयों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उनकी यात्री कन्नौज शहर पहुंची। शाम करीब 7 बजे वो पाल चौराहे पर पहुंचे। यहां शिष्यों ने उनके स्वागत में टेंट लगाया था। टेंट में करीब 45 मिनट तक शंकराचार्य रुके रहे।

इसके बाद यात्रा छिबरामऊ की ओर रवाना होनी थी, लेकिन तभी शंकराचार्य को सूचना मिली कि छिबरामऊ में उन्हें जिस स्कूल में रुकना था, वहां के आयोजक से प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति लेने का पत्र मांगा। आयोजक ने कोई अनुमति नहीं ली थी।

इसके बाद शंकराचार्य ने स्कूल में रुकने की व्यवस्था स्थगित कर दी। रात में यात्रा को आगे बढ़ाने की बजाय पाल चौराहे पर ही रोकने का फैसला किया। सड़क किनारे पड़ी खाली जगह पर तख्त के ऊपर बैठ गए। उनकी सुरक्षा में पुलिस फोर्स भी चौराहे पर रात भर डटी रही। चौराहे पर जहां शंकराचार्य रुके वहां बिजली की कोई व्यवस्था नहीं थी।

आमिर खान कोई गाय-भैंस तो हैं नहीं कि पकड़कर ले आऊं

हरदोई में भाई फैजल बोले- तहसीलदार की लापता मां को खोजने वाले को 2.51 लाख देंगे

हरदोई, 4 जून (एजेंसियां)। मशहूर फिल्म अभिनेता आमिर खान के बड़े भाई और अभिनेता फैसल खान गुरुवार को हरदोई स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे। उन्होंने तहसीलदार संध्या यादव से मुलाकात की। एक महीने पहले लापता हुईं उनकी मां लल्ली देवी (71) की तलाश में मदद करने के लिए लोगों से अपील की। फैसल खान ने कहा- लल्ली देवी पिछले एक महीने से लापता हैं। परिवार उनकी तलाश के लिए लगातार प्रयास कर रहा। उनकी सकुशल जानकारी देने या उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने वाले व्यक्ति को 2 लाख 51 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। आमिर खान के गांव नहीं आने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा, "वो कोई गाय-भैंस तो हैं नहीं कि पकड़कर ले आऊं। जब उनका मन होगा, वे खुद आ जाएंगे।"

दरअसल, आमिर और फैसल खान के पूर्वज शाहबाद क्षेत्र के निवासी थे। परिवार की करीब 120 बीघा कृषि भूमि और बाग अख्तियारपुर-दिलावरपुर गांवों में स्थित है। फैसल खान इन खेतों और बागों की देखरेख करते हैं। फैसल, फिल्म मेला सहित कई फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। तहसीलदार संध्या यादव ने बताया- उनकी मां लल्ली देवी 30 अप्रैल 2026 को लखनऊ के अर्जुनगंज-अहिमामऊ क्षेत्र स्थित एक मंदिर में दर्शन करने गई थीं। मंदिर से निकलने के बाद वह रास्ता भटक गईं और फिर घर नहीं लौट सकीं। आखिरी बार उन्हें अहिमामऊ स्थित शहीद पथ सर्विस लेन के पास फौजी ढाबा क्षेत्र में देखा गया था। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल सका।

कोडरमा विधायक के ड्राइवर की हत्या; 4 अरेस्ट

लोगों ने चार घंटे मेन रोड रखा जाम, गुस्साए लोगों ने आरोपी के घर लगाई आग

कोडरमा, 4 जून (एजेंसियां)। कोडरमा में विधायक डॉ नीरा यादव के निजी वाहन चालक राजकुमार यादव की हत्या का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव के साथ रांची-पटना मेन रोड को करीब चार घंटे जाम रखा। जहां पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना मिलने पर एसडीओ निर्मल सोरेन के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों से बात की।

एसडीओ ने बताया कि अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है। थाना प्रभारी विकास पासवान पर कार्रवाई को लेकर भी उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। आश्वासन मिलने के बाद लोगों ने जाम हटाया और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही राजकुमार यादव का शव गांव पहुंचा, लोग गुस्से में आ गए। ग्रामीणों ने हत्या के आरोपी रिश्तेदार भीखन यादव के घर में आग लगा दी। हालांकि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने आग पर काबू पाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी है। पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, उनका आक्रोश शांत नहीं होगा। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है।

कोडरमा जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर गांव में जमीन को लेकर हुए विवाद में कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव के निजी वाहन चालक राजकुमार यादव की हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार, राजकुमार यादव देर रात विधायक के साथ एक कार्यक्रम में मौजूद थे। झुमरीतिलैया से लौटने के दौरान उन्हें गांव में विवाद की सूचना मिली। जानकारी मिलने के बाद राजकुमार यादव तुरंत अपने गांव चितरपुर पहुंचे। वहां पहले से गोतिया परिवार के लोगों के साथ विवाद चल रहा था। जैसे ही वह घर के पास पहुंचे बहस हिंसक झड़प में बदल गया। इसी दौरान आरोपियों ने राजकुमार यादव पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनकी मौत हो गई।

शेयर बाजार में आज फ्लैट कारोबार रहा

सेंसेक्स 74360 और निफ्टी 23416 पर बंद

शेयर बाजार में आज यानी 4 जून को फ्लैट कारोबार रहा। सेंसेक्स14 अंक की बढ़त के साथ 74,360 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंक की तेजी रही, ये 23,417 पर बंद हुआ। आज मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही।

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 3 जून को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 303 अंक की गिरावट के साथ 74,346 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 77 अंकों की गिरावट रही, ये 23,405 पर बंद हुआ था।

'भारत–अमेरिका साझेदारी सदी की सबसे महत्वपूर्ण'

महिंद्रा से मिलकर बोले राजदूत गोर

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने 4 जून को मुंबई में कारोबारी दिग्गज आनंद महिंद्रा से मुलाकात की। उन्होंने महिंद्रा समूह के संयुक्त राज्य अमेरिका में निवेशों पर गहन चर्चा की। राजदूत गोर ने भारत और अमेरिका के बीच की साझेदारी को इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदारी बताया।

बातचीत में रोजगार सृजन और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे। गोर ने एक्स पर एक पोस्ट में महिंद्रा समूह के अमेरिकी विनिर्माण को मजबूत करने वाले निवेशों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों का निजी क्षेत्र भारत में बड़ा निवेश कर रहा है। अमेजन 2030 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित डिजिटलीकरण के लिए 35 अरब डॉलर का निवेश करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर और गूगल ने 15 अरब डॉलर के कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र की घोषणा की है।

महत्वपूर्ण खनिज ढांचा और व्यापार समझौता पिछले सप्ताह भारत के साथ महत्वपूर्ण खनिज ढांचा समझौता आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षरित हुआ। यह समझौता उन्नत

प्रौद्योगिकी और ऊर्जा के लिए आवश्यक मूलभूत तत्वों को विश्वसनीय नेटवर्क के भीतर उपलब्ध कराएगा।

इसका उद्देश्य जबरन बाजार प्रथाओं से आपूर्ति श्रृखलाओं की रक्षा करना और एकल-स्रोत एकाधिकार के प्रति सामूहिक भेद्यता को कम करना है। राजदूत गोर ने सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच का भारत में स्वागत किया। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में प्रगति कर रहे हैं।

गोर ने एक्स पर साझा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण से व्यापार और निवेश संबंधों को गहरा करने के प्रयासों में प्रगति हो रही है।

बंगाल के समुद्री क्षेत्रों का भी कायाकल्प कर सकते हैं अदाणी

सोनोवाल की सीएम से मुलाकात पर नजर

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने बुधवार, 3 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इस बैठक से राज्य के समुद्री क्षेत्र के पुनरुद्धार की उम्मीदें फिर से जगी हैं। अब केंद्रीय बंदरगाह और जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल गुरुवार, 4 जून 2026 को मुख्यमंत्री से मिलने वाले हैं।

करण अदाणी, उद्योगपति गौतम अदाणी के पुत्र हैं। उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद अदाणी समूह की राज्य के समुद्री बुनियादी ढांचा क्षेत्र में रुचि फिर से बढ़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। अधिकारियों ने हालांकि चर्चा के विवरण का खुलासा नहीं किया। उद्योग विशेषज्ञों ने बताया कि अदाणी समूह की बंगाल में डेटा केंद्रों, बिजली पारेषण और शहर गैस वितरण सहित कई बुनियादी ढांचा खंडों में पहले से ही उपस्थिति है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन पहले प्रस्तावित ताजपुर गहरे समुद्र बंदरगाह परियोजना के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरा था। हालांकि, पिछली टीएमसी सरकार ने निविदा रद्द कर दी थी और एक नई बोली प्रक्रिया का विकल्प

सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री

चुना था।

ताजपुर बंदरगाह परियोजना की उम्मीदें

भाजपा ने अपने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव घोषणापत्र में पूर्वी मिदनापुर में ताजपुर गहरे समुद्र बंदरगाह के विकास का वादा किया था। उन्होंने दक्षिण 24 परगना में प्रस्तावित कुलपी बंदरगाह के विकास का भी उल्लेख किया था। इन परियोजनाओं को औद्योगीकरण, लॉजिस्टिक्स वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण बताया गया था। अनुमानित 25,000 करोड़ रुपये की ताजपुर परियोजना को लेकर उम्मीदें सरकार बदलने के बाद बढ़ी हैं। उद्योग हितधारकों को उम्मीद है कि केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय इस उद्यम को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

निविदा और वर्तमान चुनौतियां

पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम द्वारा दिसंबर 2025 में जारी नवीनतम वैश्विक निविदा को रद्द कर दिया गया था। यह निविदा न्यूनतम आवश्यक बोलियां आकर्षित करने में विफल रही थी। बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की राष्ट्रीय शिपिंग और लॉजिस्टिक्स समिति के अध्यक्ष अधिप नाथ पाल चौधरी ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि बंगाल में केंद्र-राज्य का तालमेल परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत स्थिति में रखता है। हालांकि, इसकी सफलता मजबूत कनेक्टिविटी और निर्बाध बहुविध एकीकरण पर निर्भर करेगी।

परियोजना का लंबा इतिहास

एक दशक से भी पहले ताजपुर बंदरगाह परियोजना की कल्पना की गई थी। इसका उद्देश्य नदी आधारित कोलकाता डॉक प्रणाली पर दबाव कम करना है। यह पूर्वी भारत के समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का भी लक्ष्य रखती है। परियोजना को शुरू में श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता के साथ साझेदारी में खोजा गया था। बाद में राज्य ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल का विकल्प चुना। 2021 में, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने नई बंदरगाह परियोजना के लिए उच्चतम बोली लगाई थी। यह बोली डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण आधार पर थी। इसने जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रतिद्वंद्वी बोली को हराया था। पिछली टीएमसी के नेतृत्व वाली सरकार ने कुछ मतभेदों के कारण परियोजना की पेशकश से पीछे हट गई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष----	04-26 बजे
चंद्र	मकर	मे	मिथुन--	06-26 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क----	08-38 बजे
बुध	मिथुन	मे	सिंह----	10-51 बजे
गुरु	कर्क	मे	कन्या----	12-57 बजे
शुक्र	मिथुन	मे	तुला----	15-02 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक--	17-13 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु----	19-25 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर--	21-32 बजे
			कुंभ----	23-22 बजे
			मीन----	01-01 बजे
			मेष----	02-37 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय 05-44
सूर्यास्त. 18-44
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शुक्रवार **05 June 2026**
तिथि - पंचमी **01-20** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - श्रवण **06-03** रात्रि तक उप धनिष्ठा
योग. - ब्रह्म **09-42** तक उप ईन्द्
करण - कौलव **12-28** तक उप तैतिल
विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग **05-49** से
विश्व पर्यावरण दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-37 से 12-15 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05 -44 - 07-20	शुभ	रोग	18-44 - 20-09	अशुभ
लाभ	07-20 - 08-58	शुभ	काल	20-09 - 21-31	अशुभ
अमृत	08-58 - 10-37	शुभ	लाभ	21-31 - 22-53	शुभ
काल	19-37 - 12-15	अशुभ	उत्पात	22-53 - 00-15	अशुभ
शुभ	12-15 - 13-53	शुभ	शुभ	00-15 - 01-37	शुभ
रोग	13-53 - 15-31	अशुभ	अमृत	01-37 - 02-59	शुभ
उत्पात	15-31 - 17-09	अशुभ	चंचल	02-59 - 04-20	शुभ
चंचल	17-09 - 18-44	शुभ	रोग	05-20 - 05-44	अशुभ

तमिलनाडु सरकार ने एमएनसी के साथ 18,600 करोड़ का एमओयू किया

चेन्नई, 4 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की मौजूदगी में गुरुवार को राज्य सरकार और लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) के बीच 18,600 करोड़ रुपये के तीन परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इससे करीब 8,200 लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री विजय ने एलएंडटी अध्यक्ष एसएन सुब्रमण्यन से चर्चा कर निवेश की सराहना की। यह समझौता डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और जहाज निर्माण के तीन क्षेत्रों से संबंधित है। कांचीपुरम में डेटा सेंटर विस्तार में 15,000 करोड़ रुपये लगेंगे, 500 रोजगार सृजित होंगे। कोयंबटूर में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 2,500 करोड़ रुपये लगेंगे, 2,000 रोजगार सृजित होंगे। कट्टूपल्ली में जहाज निर्माण सुविधा विस्तार में 1,100 करोड़ रुपये लगेंगे, 5,700 रोजगार मिलेंगे। ये परियोजनाएं 2036 तक तमिलनाडु को 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक होंगी। यह मुख्यमंत्री विजय के पदभार संभालने के बाद पहला औद्योगिक समझौता है।

क्या है राजेश एक्सपोर्ट्स में 15.15 लाख करोड़ रुपये के घोटाले का सच

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को देश की प्रमुख आभूषण कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) और इसके चेयरमैन व प्रबंध निदेशक राजेश मेहता के खिलाफ एक कड़ा अंतरिम एकतरफा आदेश जारी किया है। कंपनी पर वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को फर्जी तरीके से बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने और फंड की हेराफेरी का गंभीर आरोप है। हालांकि कंपनी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से साफ इनकार किया है। इस खबर के सामने आते ही कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आइए आसान भाषा में सवाल-जवाब के जरिए समझते हैं कि यह पूरा मामला क्या है।

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने 109 पेजों का एक अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी की जांच में यह बात सामने आई है कि कंपनी ने कई वर्षों तक गैर-वास्तविक लेनदेन किए, संदेहास्पद अकाउंटिंग की और प्रमोटर ग्रुप से जुड़ी संस्थाओं के जरिए कंपनी के फंड को डायवर्ट किया। इन गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के कारण सेबी ने राजेश मेहता को अगले आदेश तक आरईएल की प्रतिभूतियों की खरीद, बिक्री या किसी भी तरह के सौदे करने से रोक (बैन कर) दिया है। सेबी का मानना है कि मेहता ही कंपनी में मुख्य निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं और उनका रोजमर्रा के कामकाज पर पूरा नियंत्रण है।

आरोपों का पैमाना चौंकाने वाला है। सेबी के अनुसार, राजेश एक्सपोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। नियामक ने यह भी बताया कि यह आंकड़ा इस अवधि के दौरान कंपनी की ओर से रिपोर्ट किए गए कुल राजस्व का लगभग 99.8% है। सेबी के मुताबिक, आरईएल का लगभग 97-99 प्रतिशत राजस्व बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था, जो कि अभूतपूर्व है।

60 वर्षीय राजेश मेहता का जन्म 20 जून 1964 को बेंगलुरु में हुआ था।

उन्होंने 1980 के दशक की शुरुआत में अपने सबसे बड़े भाई से मात्र 1,200 रुपये उधार लेकर अपने भाई प्रशांत के साथ चांदी के आभूषणों का कारोबार शुरू किया था। 1995 में कंपनी ने अपना आईपीओ लाकर 10 करोड़ रुपये जुटाए और पूंजी बाजार में कदम रखा। कंपनी को सबसे बड़ी वैश्विक पहचान साल 2015 में मिली जब उसने 400 मिलियन डॉलर के ऑल-कैश डील में स्विस रिफाइनरी 'वालकैम्बी' का अधिग्रहण किया।

फर्जी बुकिंग के खिलाफ आईआरसीटीसी ने कसा शिकंजा

3.03 करोड़ संदिग्ध आईडी निष्क्रिय

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने साल 2025-26 के दौरान टिकट बुकिंग प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने और साइबर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। आईआरसीटीसी ने 3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी को निष्क्रिय किया, ताकि वास्तविक यात्रियों को टिकट बुकिंग में निष्पक्ष अवसर मिल सके।

आईआरसीटीसी ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर 4.18 लाख संदिग्ध पीएनआर से जुड़े 501 शिकायतें दर्ज कराई गईं। इसके अलावा 6.05 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी को सत्यापन प्रक्रिया के लिए चिह्नित किया गया। फर्जी डिजिटल पहचान पर कार्रवाई करते हुए 13,343 संदिग्ध ईमेल डोमेन भी ब्लॉक किए गए।

आईआरसीटीसी ने बताया कि तत्काल जैसी उच्च मांग वाली बुकिंग अवधि में धोखाधड़ी रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके जरिये बल्क बुकिंग करने वाले एजेंटों और अस्थायी ईमेल आईडी का इस्तेमाल करने वाले खातों की पहचान कर उन्हें निष्क्रिय किया जाता है।

भारत में भी चलेगी प्राइवेट मालगाड़ी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। किराये पर ट्रक लेकर या हवाई जहाज लेकर उसे ऑपरेट करने का काम काफी पहले से हो रहा है। लेकिन मालगाड़ी के क्षेत्र में लीजिंग सिस्टम भारत में नहीं था। अब वह भी शुरू हो रहा है। मतलब कि भारतीय रेल से लेकर कोई भी कंपनी किराये पर मालगाड़ी लेकर उसे ऑपरेट कर सकेगी।

किसने की है शुरुआत

रेलवे के वैगन बनाने वाली कोलकाता की एक कंपनी है टैक्समेको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड। रेलवे के मैकेनिकल डिपार्टमेंट से रिटायर एक सेक्रेटरी स्तर के अधिकारी ने बताया कि इसे भारतीय रेलवे में भी प्राइवेटाइजेशन की शुरुआत मान सकते हैं। अभी तक मालगाड़ी के डिब्बे रेलवे की संपत्ति होती थी। उसकी खरीद रेलवे की तरफ से होता है, उसका मेंटनेंस और रिपेयरिंग भी रेलवे की तरफ से ही किया जाता है। प्राइवेट लीजिंग कंपनी के आ जाने के बाद से रेलवे इन सब झंझटों से दूर हो जाएगी क्योंकि यह सब काम प्राइवेट कंपनी का ही होगा।

टैक्समेको का क्या कहना है

चेयरमैन सरोज कुमार पोद्दार ने बताया "यह साझेदारी भारत के मालगाड़ी रेल इकोसिस्टम के लिए एक निर्णायक क्षण है। Touax की लीजिंग विशेषज्ञता, Trinity की वैश्विक रेल तकनीकी नेतृत्व क्षमता और Texmaco की निर्माण एवं बाजार ताकत को मिलाकर हम एक स्केलेबल, मजबूत और वैश्विक मानकों पर आधारित प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। यह भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें माल परिवहन में रेल की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।"

यह साझेदारी भारत के मालगाड़ी रेल इकोसिस्टम के लिए एक निर्णायक क्षण है। Touax की लीजिंग विशेषज्ञता, Trinity की वैश्विक रेल तकनीकी नेतृत्व क्षमता और Texmaco की निर्माण एवं बाजार ताकत को मिलाकर हम एक स्केलेबल, मजबूत और वैश्विक मानकों पर आधारित प्लेटफॉर्म बना रहे हैं।

रेल ट्रांसपोर्ट के लिए फायदेमंद

इस साझेदारी को भारत में रेल ट्रांसपोर्ट के लिए फायदेमंद बताया जा रहा है। दरअसल, यह डेवलपमेंट ऐसे समय में हुआ है जबकि भारत माल परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहता है।

मिलिट्री पर सबसे ज्यादा खर्च करने में चार देश भारत से आगे

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दुनिया इस समय दो बड़े युद्धों से जूझ रही है। यूक्रेन युद्ध को चार साल से अधिक समय बीत चुका है जबकि ईरान में तीन महीने से अधिक समय से लड़ाई चल रही है। इससे सेना पर दुनिया के बड़े देशों का खर्च बढ़ गया है। एक अनुमान के मुताबिक अमेरिका को ईरान युद्ध में रोजाना 2 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। 2027 के लिए ट्रंप प्रशासन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर का बजट मांगा है। पिछले साल अमेरिका का मिलिट्री पर खर्च 954 अरब डॉलर रहा था जो दुनिया में सबसे अधिक है। सिपरी के मुताबिक 2025 में मिलिट्री पर सबसे ज्यादा खर्च करने के मामले में अमेरिका सबसे आगे रहा। दूर-दूर तक कोई उसकी टक्कर में नहीं है। चीन 336 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसे रूस ने पिछले साल अपनी सेना पर 190 अरब डॉलर खर्च किए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपने बेकार हो गए प्रयासों से निराश न हो , आपको फिर से खड़े होकर प्रयास और कार्य करने की जरुरत है ! बेशक आपके द्वारा दी गयी जानकारियों से अहम मुद्दों का हल न निकला हो , लेकिन आपको इससे कुछ जटिल विवरणों की एक बेहतर जानकारी मिलेगी । आप आज के दिन का आनंद ले क्यों की अतीत के निवेश से आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो)
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
लालच आज आपके रास्ते में दिखाई देगा, लेकिन आवश्यक है की आप सही मार्ग पर चले । गलत और छोटे रास्ते अंत में आपके करियर के लिए हानिकारक हो सकते है । सही रास्ता चुनना इतना आसान नहीं होगा और ये तभी हो सकता है जब लालच आप पर हावी न हो । अगर आप अपने से यह नहीं कर सकते हैं, तो एक सच्चे शुभचिंतक की सहायता ले सकते है जो आपको मजबूत रहने में मदद करेग।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके कार्यस्थल पर कोई अपने घमंड में अपनी उपलब्धियों को गिना सकता है , परन्तु आप बुरा न माने क्यों की वह आपको बुरा महसूस कराना चाहता है। आपने इस अनुपात में पहले ही इन उपलब्धियों को छुआ है । वित्तीय मोर्चे पर आप को पहले ही आपकी जरुरत या उससे ज्यादा ही मिला है जिसे आप संजोके रख सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यों की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ बेहतर संबंध बनायेंगे । आज कुछ ऐसा नया करने के लिए ये दिन अच्छा है , जिसमे आपके प्रभावशाली कौशल की आवश्यकता हो , हालांकि जो लोग बीमार हैं , वो लोग घर से काम शुरू कर सकते है। इससे अप्रत्याशित रूप से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा और उस समय की बचत भी होगी जो यात्रा में बर्बाद हो रहा था ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द अत्तापुर

सोना 545 बढ़कर 1.56 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 4 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 545 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए हो गया है। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 2,432 रुपए कम होकर 2.59 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में तेजी रही है। सोना 2026 में अब तक 23 हजार रुपए और चांदी 29 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.56 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.59 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

38 अरब डॉलर के जुर्माने का डर

भारत में जांच एजेंसी के साथ आंकड़े साझा करेगा एपल

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय बाजार में अपने विस्तार को तेज कर रही अमेरिकी टेक दिग्गज एपल को एक बड़ा नियामकीय झटका लगा है। लंबे समय से चली आ रही खींचतान के बाद, अंततः कंपनी ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के साथ अपने भारतीय कारोबार की वित्तीय जानकारी साझा करने पर सहमति जता दी है। यह एपल के लिए भारत में अब तक का सबसे बड़ा हाई-प्रोफाइल विवाद है और इस कदम से भारत में एपल पर भारी जुर्माना लगने का रास्ता साफ हो गया है। आइए इस पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं। यह पूरा मामला एपल द्वारा अपने ऐप स्टोर पर डेवलपर्स के साथ की जा रही कथित मनमानी से जुड़ा है। साल 2021 में भारतीय स्टार्टअप्स के एक समूह 'एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन' (एडीआईएफ), टिंडर की मूल कंपनी मैच और एक गैर-लाभकारी संस्था ने मिलकर एपल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

थी। इनका आरोप था कि एपल का एप स्टोर डेवलपर्स के लिए एक अनिवार्य प्लेटफॉर्म बन गया है और कंपनी ऐप निर्माताओं को इन-एप खरीदारी के लिए किसी भी अन्य (थर्ड-पार्टी) पेमेंट सर्विस के इस्तेमाल से रोकती है। इसके बाद, 2024 में सीसीआई की जांच में एपल को आईफोन एप बाजार में अपने दबदबे का गलत इस्तेमाल करने का दोषी पाया गया। जांच में दोषी पाए जाने के बावजूद एपल अब तक अपनी वित्तीय जानकारी आयोग को देने से इनकार कर रहा था और उसने इन निष्कर्षों को चुनौती देने की बात कही थी। कंपनी का मुख्य तर्क यह था कि भारत के नए प्रतिस्पर्धा कानून के तहत जुर्माना कंपनी के वैश्विक टर्नओवर पर आधारित हो सकता है। एपल के अनुसार, अगर उसे अपनी वैश्विक वित्तीय जानकारी देनी पड़ी, तो उस पर 38 अरब डॉलर तक का भारी-भरकम जुर्माना लग सकता है।

हालांकि, सीसीआई ने इस तर्क को खारिज करते हुए साफ किया कि उसे जुर्माना तय करने के लिए शुरुआत में सिर्फ एपल के भारतीय कारोबार के आंकड़ों की जरूरत है। आयोग का मानना था कि यह अमेरिकी दिग्गज कंपनी समानांतर अदालती चुनौतियों के जरिए मामले में सिर्फ देरी करने की कोशिश कर रही है। आखिरकार, पिछले महीने एक जज द्वारा एपल को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिए जाने के बाद कंपनी को अपना रुख बदलना पड़ा।

'सुप्रीम कोर्ट का कदम स्वागत योग्य'

अशोक गहलोत बोले- अरावली पर कमेटी से है बड़ी उम्मीद

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। अरावली पर्वतमाला की परिभाषा तय करने और इससे जुड़े अहम मुद्दों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 5 सदस्यीय हाई-पावर कमेटी का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट के इस कदम पर कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने खुशी जताई। साथ ही कहा कि अरावली की परिभाषा और संरक्षण के महत्वपूर्ण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 5 सदस्यीय हाई-पावर कमेटी का गठन एक स्वागत योग्य कदम है। हमें उम्मीद है कि यह कमेटी अरावली के इकोसिस्टम को सुरक्षित रखने वाली एक वैज्ञानिक परिभाषा तैयार करेगी।

अशोक गहलोत ने आज सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिख कि आज राजस्थान और देश जिस तरह भीषण गर्मी और मौसम की विकट परिस्थितियों से जूझ रहा है, उसे देखते हुए अरावली को सुरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करना बेहद जरूरी है। एक या दो दशक पहले के मापदंड आज की बदलती और गंभीर जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल नहीं हो सकते। कमेटी को वर्तमान पर्यावरण संकट को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेना चाहिए।

केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए अशोक गहलोत ने लिखा कि केंद्र की नीतियों ने अरावली के अस्तित्व के सामने गहरा संकट खड़ा कर दिया था, जिसके बाद 'अरावली बचाओ' मुहिम को बल मिला। पूर्ण विश्वास है कि कमेटी के प्रयासों से हमारी लघु पहाड़ियों का संरक्षण होगा और अरावली का यह प्राकृतिक सुरक्षा कवच मजबूत बना रहेगा।

अशोक गहलोत ने कहा कि मेरा सभी पर्यावरणविदों, स्थानीय समुदायों और सजग नागरिकों से विनम्र निवेदन है कि जब भी कमेटी सुझाव आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू करे, अपने बहुमूल्य सुझाव अवश्य दर्ज कराएं।

अरावली पर्वतमाला की परिभाषा तय करने और इससे जुड़े अहम मुद्दों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 5 सदस्यीय हाई-पावर कमेटी का गठन किया है।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस मामले की 25 मई को सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। यह कमेटी 31 अगस्त से पहले अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में सौंपेगी। उसके बाद 7 सितंबर को इस मामले की सुनवाई होगी। यह कदम अरावली क्षेत्र में पहाड़ों की कटाई, अनियंत्रित खनन और पारिस्थितिकीय नुकसान को रोकने के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

भाजपा के मंत्री 'चवन्नी चोर', राजस्थान में सरकार नहीं सर्कस है : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा

कोटा, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली मंगलवार को एक दिवसीय कोटा प्रवास पर आए। इस दौरान डोटासरा ने पत्रकार वार्ता में राज्य सरकार और मंत्रिमंडल के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा कि भाजपा के मंत्री 'चवन्नी चोर' हैं। राजस्थान में सरकार नहीं सर्कस है। इन मंत्रियों की सुन कौन रहा है। मंत्री विभाग में काम बताते हैं और जब वह काम नहीं होता है, तो उससे अभद्रता करते हैं, गालियां देते हैं।

डोटासरा ने कहा कि नीट के पेपर तीन साल से लगातार लीक हो रहे हैं। 2024 में नीट पेपर लीक होने पर सरकार ने इसे नहीं माना और इसके बाद 2025 व अब 2026 में भी नीट का पेपर लीक हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक माफियाओं को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का संरक्षण है, प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए।

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस की ओर से जातिगत जनगणना के लिए अभियान चलाया गया। इसके बाद केन्द्र सरकार बैक फुट पर आई और जातिगत जनगणना शुरू की, लेकिन ओबीसी के हितों से कुठाराघात किया गया है। राहुल गांधी का कहना है कि जिसकी जितनी भागीदारी है, उसे उतनी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने ओबीसी को 33 फीसदी आरक्षण दिया था।

प्रसूताओं की मौत के लिए सरकार जिम्मेदार : जूली

टीकाराम जूली ने कोटा में प्रसूताओं की मौत के मामले में सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रसूताओं के मौत के मामले में 15 दिन बाद दवा की रिपोर्ट आई। दवा अमानक होने से प्रसूताओं की मौत हुई। यह हत्या है। मामले में दोषियों पर हत्या की धाराओं में कार्रवाई होनी चाहिए। जूली ने कोटा में प्रिंसिपल की नाले में गिरकर मौत और सीबीएसई की कॉपी चैकिंग घोटाले को भी सरकार की नाकामी बताया। ओबीसी कांग्रेस के चेयर पर्सन अनिल जयहिंद ने कहा कि 400 सीटों की बात करने वाली भाजपा संविधान सम्मेलन में 75 की जगह 36 सीटों पर अटक गई।

कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ कोटा शहर और देहात की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह व अधिवेशन में कोटा कांग्रेस में लम्बे समय से चल रही गुटबाजी का असर दिखा। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की मौजूदगी में भी कांग्रेस गुटों में बंटी नजर आई। कार्यक्रम में हाड़ौती के कांग्रेस के विधायकों और जिलाध्यक्षों ने दूरी बनाए रखी। कोटा में हुए इस कार्यक्रम में दोनों जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल नहीं हुए, जबकि बूंदी जिलाध्यक्ष ने मंच साझा किया। डोटासरा ने भी पत्रकारों से बातचीत में माना कि कोटा में गुटबाजी है और उसे मिलकर दूर करेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को काले झंडे दिखाने 4 आरोपियों पर इनाम घोषित

कुचामनसिटी, 6 जून (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को आरएलपी कार्यकर्ताओं की ओर से काले झंडे दिखाने को लेकर दर्ज मुकदमे के आरोपियों पर पुलिस ने इनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. प्यारेलाल शिवरान के अनुसार कुचामन सिटी थाने में 30 मई को दर्ज मामले में फरार चल रहे चार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने यह कदम उठाया है। इसके तहत सुरेन्द्रनगर निवासी भूराराम शेषमा पुत्र पूसाराम जाट पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। उनके साथ ही फरार चल रहे हिरानी निवासी रामनिवास कांटिया पुत्र मोहनाराम, रसाल निवासी मुकेश सारण उर्फ मोदी पुत्र पूसाराम और राणासर निवासी दिनेश कूकना पुत्र मोहनराम पर 2100-2100 रुपए का इनाम घोषित किया है।

पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि इन आरोपियों को गिरफ्तार करवाने या इनके छिपने के ठिकाने के संबंध में सूचना देने पर नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

विजय सिंह पलाड़ा और सीआइ सतपाल सिंह ने इन आरोपियों के खिलाफ 30 मई को मुकदमा दर्ज करवाया था। प्रकरण में कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक ने चार आरोपियों पर इनाम घोषित किया है।

मामले में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करना कोई अपराध नहीं है। कुचामन में आरएलपी के कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया, लेकिन उन्हें पहले शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया और बाद में उन पर राजकार्य में बाधा डालने के मुकदमे दर्ज किए।

अब उन्हें पकड़ने के लिए हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की तरह इनाम भी घोषित कर दिया गया। यह राज्य सरकार की नैतिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। देखना आगे क्या होता है।

बीते शुक्रवार को कुचामन सिटी में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के दौरे के दौरान आरएलपी कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर और सरकार विरोधी नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। जवाहर स्कूल के पास पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। इसी घटना के बाद शुरू हुआ राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। इस घटना में रोज नए अपडेट हो रहे हैं।

जल जीवन मिशन घोटाला: एसीबी ने पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ 17,500 पेज की चार्जशीट पेश की

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन टेंडर घोटाले में एसीबी ने पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ 17,500 पेज का आरोप पत्र विशेष न्यायालय में पेश किया है। फर्जी दस्तावेजों के जरिए करोड़ों रुपये के टेंडर आवंटित करने के आरोपों की जांच जारी है।

राजस्थान के बहुचर्चित जल जीवन मिशन टेंडर घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल के खिलाफ विशेष न्यायालय में आरोप पत्र पेश कर दिया है। एसीबी ने करीब 17,500 पृष्ठों का विस्तृत चार्जशीट न्यायालय में दाखिल किया है।

एसीबी की जांच में आरोप है कि जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये के टेंडर फर्जी दस्तावेजों और कथित अनियमितताओं के आधार पर आवंटित किए गए। इसी मामले में एसीबी ने 9 अप्रैल को पूर्व आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

हालांकि जांच एजेंसी ने इस मामले में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी, कारोबारी संजय बड़ाया और अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ जांच अभी लंबित रखी है। एसीबी का कहना है कि इन पहलुओं की जांच जारी है और आगे साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले एसीबी मामले में दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डी.के. गौड़, महेंद्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और नीरिल कुमार सहित कई आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश कर चुकी है।

वहीं मामले में फरार चल रहे जितेन्द्र शर्मा, मुकेश गोयल और संजीव गुप्ता के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी हैं। एसीबी इन आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। जल जीवन मिशन से जुड़े इस कथित घोटाले को राजस्थान के हालिया वर्षों के सबसे बड़े टेंडर घोटालों में से एक माना जा रहा है, जिसकी जांच में लगातार नए तथ्य सामने आ रहे हैं।

फिर टूटा एक सपना, अभ्यर्थी की मौत; पुलिस ने शुरू की जांच

कोटा, 6 जून (एजेंसियां)। कोटा में एक छात्र की मौत का मामला सामने आया है। जवाहर नगर थाना क्षेत्र के पुराना राजीव गांधी नगर इलाके में रह रहे 17 वर्षीय अभ्यर्थी का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान आर्यन ओझा पुत्र कृपाशंकर के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश का निवासी था। कोटा में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि वह किराए के कमरे में रह रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद जवाहर नगर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस छात्र को तुरंत एक निजी अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने घटना की जानकारी छात्र के परिजनों को दे दी है। साथ ही मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। पुलिस कमरे की तलाशी लेने के साथ-साथ अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि छात्र ने यह कदम क्यों उठाया। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और सभी तथ्यों के सामने आने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर कोई निष्कर्ष निकाला जा सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही छात्र की मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी। पूरे मामले पर परिजनों और प्रशासन की नजर बनी हुई है।

एक्सईएन पति गिरफ्तार, हाथ जोड़ते हुए गया थाने

टॉर्चर से परेशान होकर पत्नी ने किया था सुसाइड

सीसीटीवी में मारपीट करते और थूकते हुए दिखा था

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। जयपुर में पत्नी से मारपीट करने और सुसाइड के लिए उकसाने वाले एक्सईएन पति को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गौतम मीणा को मानसरोवर थाना पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। गिरफ्तार होने के बाद हाथ जोड़ते हुए थाने गया।

एक्सईएन पर नौकरानी से अफेयर और पत्नी अनु मीणा को मेंटली टॉर्चर का आरोप है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी एक्सईएन पत्नी के साथ मारपीट करके ऊपर थूकते हुए दिखा था।

एसीपी (मानसरोवर) आदित्य काकड़े ने बताया- अनु मीणा सुसाइड केस में आरोपी पति गौतम मीणा को गुरुवार सुबह राउंडअप किया था। आरोपी गौतम मीणा पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट में एक्सईएन के पद पर कार्यरत है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

अनु मीणा सुसाइड केस से संबंधित सभी परिवार मेंबर सहित रिश्तेदारों के बयान दर्ज कर लिए गए थे। घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में भी वह अपनी पत्नी अनु मीणा से मारपीट करते दिखा था। इसके साथ ही दोनों बच्चों ने भी अपने बयानों में पिता गौतम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अनु मीणा के साथ शराब पीकर आए दिन मारपीट करना। नौकरानी के साथ पत्नी अनु मीणा के पकड़ने के बाद और ज्यादा मेंटली-फिजिकल टॉर्चर बढ़ने का भी आरोप है।

गौतम की पत्नी अनु मीणा (36) ने 17 अप्रैल को सुसाइड कर लिया था। परिवार जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र के बालाजी विहार में रहता है। गौतम पर उनके ससुराल पक्ष ने पत्नी अनु को सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवा रखा है। मामले में गौतम मीणा का कहाना था कि मैंने पत्नी को कभी पैसों के लिए परेशान नहीं किया था। मेरी 70 प्रतिशत संपत्ति उसके नाम थी। अब बच्चों को मेरे खिलाफ भड़काया जा रहा है। घटना वाले दिन पत्नी अनु मीणा से दो बार बात हुई थी।

भतीजे ने ताऊ को घर में घुसकर मारी गोली

पूर्व सीआरपीएफ जवान की हैवानियत दहल उठा गांव

भरतपुर, 6 जून (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के उच्चैन थाना क्षेत्र के चक सहना गांव में घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद एक भतीजे ने अपने ताऊ के घर में घुस कर सीने में गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

चक सहना निवासी साहब सिंह मीणा और उनके भतीजे अनिल कुमार मीणा के बीच किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी इतनी बढ़ गई कि अनिल कुमार ने तमंचे से अपने ताऊ साहब सिंह के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही साहब सिंह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा गंभीर रूप से घायल साहब सिंह को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उच्चैन लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर उच्चैन सर्किल अधिकारी सुरेश कुड़ी और थाना प्रभारी अवतार सिंह पुलिस जाब्ते के साथ अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा घटनास्थल का मौका-मुआयना किया।

उच्चैन सर्किल सीओ सुरेश कुड़ी ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि सीएचसी उच्चैन में एक गनशॉट से घायल व्यक्ति को लाया गया है। मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो मृतक के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद के चलते मृतक साहब सिंह के भतीजे अनिल कुमार ने फायरिंग की है। मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है तथा आरोपी की तलाश जारी है।

भीड़ ने पादरी को पीटा, कपड़े फाड़े

बोला-15 लोगों का धर्मांतरण करवा चुका हूं, घर में प्रार्थना करवाते विहिप ने पकड़ा

अलवर, 6 जून (एजेंसियां)। अलवर में धर्मपरिवर्तन के आरोप में भीड़ ने पादरी को पीट दिया। एक मकान में ईसा मसीह की प्रार्थना चल रही थी। सूचना पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता पहुंचे और पादरी को घर से बाहर निकाला। इस पर बाहर खड़ी भीड़ ने पादरी की पिटाई शुरू कर दी, कपड़े भी फाड़ दिए। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में एक महिला पादरी को लात मारती हुई दिख रही है। पादरी की पिटाई होते देख घर के अंदर मौजूद 15 लोग वहां से फरार हो गए। विश्व हिंदू परिषद का आरोप है कि पादरी दिल्ली से आता है। संगठन को सूचना मिली थी कि इस घर में धर्मांतरण कराया जा रहा था। मौके से धार्मिक साहित्य और प्रार्थना से जुड़ी किताबें मिली हैं। मोबाइल की जांच में धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अन्य सामग्री भी मिली है। पूछताछ में पादरी ने बताया- अब तक 15 से ज्यादा लोगों का धर्मांतरण करवा चुका है।

मिठाई वाले पर जीएसटी विभाग की कार्रवाई

गलत आईटीसी क्लेम करने का है शक

जोधपुर, 6 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कर (जीएसटी) विभाग ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) के खिलाफ कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए जोधपुर शहर के सरदारपुरा स्थित एक प्रसिद्ध मिठाई व्यवसायी के प्रतिष्ठान पर निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की। इससे पहले विभाग ने एक चर्चित मिर्चीबड़ा विक्रेता के यहां भी इसी प्रकार की कार्रवाई की थी। अधिकारियों का कहना है कि व्यवसायी के रिकॉर्ड, खरीद-बिक्री विवरण और जीएसटी रिटर्न की जांच की जा रही है।

फर्जी अथवा अतिरिक्त लिए गए आइटीसी की गणना की जा रही है, जिसके बाद उसे रिवर्स करवाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। संबंधित व्यवसायी मिठाई और नमकीन की बिक्री के साथ रेस्तरां का संचालन भी करता है। जीएसटी नियमों के तहत रेस्तरां सेवा पर 5 प्रतिशत कर लागू होता है और इस श्रेणी के कारोबारियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने की अनुमति नहीं होती। हालांकि काउंटर से मिठाई, नमकीन और अन्य वस्तुओं की बिक्री पर निर्धारित शर्तों के अनुसार आइटीसी क्लेम किया जा सकता है। विभाग इसी बिंदु की पड़ताल कर रहा है कि कहीं रेस्तरां गतिविधियों से जुड़े खर्चों पर भी अनुचित तरीके से आइटीसी तो नहीं लिया।

सूत्रों के अनुसार जांच दल ने विभिन्न बिलों, खरीद संबंधी दस्तावेजों और कर भुगतान के रिकॉर्ड का मिलान भी शुरू कर दिया है। विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि घोषित कारोबार और वास्तविक लेनदेन में कोई अंतर तो नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार कर वसूली, ब्याज और जुर्माने की कार्रवाई भी की जा सकती है। विभाग की यह मुहिम फर्जी आईटीसी के माध्यम से राजस्व को होने वाले नुकसान पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

व्यापारियों का कहना है कि राजस्थान में ऐसे अनेक करदाता लंबे समय से फर्जी अथवा गलत आइटीसी क्लेम कर रहे हैं, लेकिन विभाग समय रहते इन गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं रख पा रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जीएसटी पोर्टल और विभागीय डेटा एनालिटिक्स का सही उपयोग किया जाए तो इस प्रकार की अनियमितताओं को शुरुआती स्तर पर ही पकड़ा जा सकता है। उनका कहना है कि तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था मजबूत होने से कर चोरी और फर्जी दावों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

करोड़ों की हेरोइन लेकर ट्रेन के जनरल कोच में सफर कर रहा था राजस्थान का तस्कर, सामने आया बंगाल कनेक्शन

उज्जैन, 6 जून (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स की मध्य प्रदेश यूनिट को बड़ी सफलता मिली है। सीबीएन की संयुक्त टीम ने उज्जैन रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए 1 किलो 67 ग्राम हेरोइन जब्त की है। मामले में रमेशचंद्र पिता भुवन (54) निवासी असारवा, जिला प्रतापगढ़ (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया है जो कि शिप्रा एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 22911) के जनरल कोच में यात्रा कर रहा था। बताया जाता है कि सीबीएन नीमच को विशेष खुफिया सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति करीब एक किलो हेरोइन लेकर पश्चिम बंगाल के हावड़ा जा रहा है। सूचना के आधार पर सीबीएन नीमच, उज्जैन और इंदौर कार्यालय के अधिकारियों की संयुक्त प्रिवेंटिव टीम गठित की गई। टीम ने रणनीतिक तरीके से उज्जैन रेलवे स्टेशन पर निगरानी शुरू की और ट्रेन के पहुंचने पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसे रोक लिया। इसके बाद आरोपी को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स कार्यालय ले जाया गया। यहां नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के प्रावधानों के तहत उसकी विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के हैंड बैग से दो पैकेट बरामद हुए, जिनमें कुल 1.067 किलोग्राम हेरोइन छिपाकर रखी गई थी। सीबीएन अधिकारियों ने मौके पर ही मादक पदार्थ को जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह हेरोइन राजस्थान के प्रतापगढ़ क्षेत्र से इंदौर-उज्जैन मार्ग के जरिए पश्चिम बंगाल के हावड़ा पहुंचाई जा रही थी।

कांस्टेबल से उपनिरीक्षक बना आरोपी गिरफ्तार

पेपर लीक करने के बाद भाई-बहनों ने एक साथ दिया था एग्जाम

जयपुर, 6 जून (एजेंसियां)। जयपुर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक प्रकरण में 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी एवं चयनित उपनिरीक्षक दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी सितंबर 2025 से फरार चल रहा था। एसओजी ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से 8 जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सांचौर के चितलवाना निवासी दिनेश कुमार ने अपनी बहन निरमा कुमारी के साथ मिलकर पेपर लीक गिरोह के सरगना जगदीश विश्नोई से परीक्षा से पहले हल प्रश्न पत्र प्राप्त किया था। दोनों ने प्रश्न पत्र का अध्ययन कर परीक्षा दी।

जांच में सामने आया कि दिनेश को हिन्दी में 141.55 और सामान्य ज्ञान में 167.89 अंक मिले, जबकि उसकी बहन निरमा को हिन्दी में 180.94 तथा सामान्य ज्ञान में 156.90 अंक प्राप्त हुए थे।

स्टाफ के साथ मिलकर कंप्यूटर में लगाया था सॉफ्टवेयर, राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा धांधली में एसओजी ने किया गिरफ्तार

जांच के अनुसार लीक हुए हल प्रश्नपत्र के आधार पर परीक्षा देने से दिनेश कुमार का मेरिट क्रमांक 182 आया और उसका चयन उपनिरीक्षक पद पर हो गया। चयन से पहले वह वर्ष 2015 बैच का कांस्टेबल था और उदयपुर जिले में तैनात था। उपनिरीक्षक बनने के बाद उसकी पोस्टिंग चित्तौड़गढ़ जिले में हुई थी।

एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि निरमा कुमारी लिखित परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने के बावजूद साक्षात्कार में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे सकी। न्यूनतम आवश्यक अंक नहीं मिलने के कारण उसका अंतिम चयन नहीं हो पाया। फिलहाल वह फरार है और उसकी तलाश जारी है।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी के नाम पर ठगी

मीटर अपडेट के बहाने लोगों से लाखों की धोखाधड़ी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में साइबर ठगों द्वारा हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के नाम पर आम लोगों से ठगी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। जानकारी के अनुसार, ठग व्हाट्सएप संदेश, एसएमएस और फोन कॉल के माध्यम से लोगों को डराते हैं। वे दावा करते हैं कि आपका पानी का बिल अपडेट नहीं है, मीटर रीडिंग दर्ज नहीं हुई है, खाता संख्या का सत्यापन लंबित है या आज रात आपकी पानी आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। इसके बाद समस्या के समाधान के नाम पर लोगों से ऐप फोन या दूर से सहायता देने वाले ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। कई मामलों में केवल 10 रुपए, 13 रुपए या 20 रुपए जमा करने का झांसा दिया जाता है, जिससे लोग इसे वास्तविक समझकर धोखे में आ जाते हैं।

इसके बाद असली ठगी शुरू हो जाती है। जैसे ही पीड़ित इन ऐप को अपने मोबाइल में स्थापित करते हैं, उनके फोन में असामान्य गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। स्क्रीन का रुक जाना, मोबाइल का हैंग होना और नियंत्रण में कमी जैसी समस्याएं आने लगती हैं। इसके बाद वीडियो कॉल या दूर से नियंत्रण के माध्यम से ठग पीड़ितों को बैंकिंग ऐप या एकीकृत भुगतान प्रणाली से जुड़े निर्देश देते हैं। इस दौरान पीड़ितों की जानकारी के बिना उनके बैंक खाते, भुगतान प्रणाली खाते और क्रेडिट कार्ड से बड़ी रकम निकाल ली जाती है। हाल की शिकायतों में लोगों को हजारों से लेकर लाखों रुपये तक का नुकसान हुआ है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, पीड़ितों द्वारा डाउनलोड किए गए ऐप या दूर से नियंत्रण वाले ऐप असली जल आपूर्ति बोर्ड के ऐप नहीं होते, बल्कि साइबर अपराधियों द्वारा बनाए गए हानिकारक सॉफ्टवेयर होते हैं। इनकी मदद से ठग मोबाइल स्क्रीन देख सकते हैं, एक बार उपयोग में आने वाले पासवर्ड और संदेश पढ़ सकते हैं, बैंकिंग जानकारी चुरा सकते हैं और बिना जानकारी के वित्तीय लेन-देन कर सकते हैं। साइबर पुलिस ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि जल आपूर्ति बोर्ड के नाम पर आने वाले किसी भी संदेश या कॉल पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी अनजान लिंक या ऐप फाइल को डाउनलोड न करें। दूर से सहायता देने वाले ऐप केवल अधिकृत निर्देश पर ही उपयोग करें।

अधिकारियों ने यह भी कहा है कि एक बार उपयोग में आने वाले पासवर्ड, सीवीवी, भुगतान प्रणाली पहचान संख्या और बैंक पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। यदि कोई संदिग्ध लिंक के जरिए मामूली भुगतान की मांग करता है तो उसे भी सावधानी से जांचें। किसी भी संदेह की स्थिति में केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप के जरिए ही जानकारी की पुष्टि करें। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऐसी ठगी हो जाती है, तो उसे तुरंत इंटरनेट बंद कर देना चाहिए, संदिग्ध ऐप हटाने चाहिए, बैंक खाते और भुगतान प्रणाली सेवाओं को बंद करवाना चाहिए, पासवर्ड बदलना चाहिए और तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करना चाहिए या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए। यह जानकारी साइबराबाद साइबर अपराध विभाग के पुलिस उपायुक्त टी. साई मनोहर द्वारा दी गई है।

पुलिस की तत्परता से लापता तीन वर्षीय बच्ची परिवार से मिली

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुड़ा पुलिस की त्वरित कार्रवाई और एक जागरूक नागरिक की सतर्कता से लापता हुई तीन वर्षीय बच्ची को सुरक्षित खोजकर उसके परिवार से मिला दिया गया। पुलिस के अनुसार, नागरिक मोहम्मद इरफान ने एक छोटी बच्ची को अकेले भटकते हुए देखा और तुरंत चिलकलगुड़ा पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल एक टीम को मौके पर भेजा गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल नरेश और श्रीकांत तुरंत घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेकर आसपास के क्षेत्रों में व्यापक पूछताछ की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने कम समय में ही बच्ची के परिवार और निवास का पता लगा लिया। इसके बाद बच्ची को उसकी दादी सारा भानू को सुरक्षित एवं स्वस्थ अवस्था में सौंप दिया गया। बच्ची के परिजनों ने मोहम्मद इरफान की सतर्कता और पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। पुलिस कांस्टेबल नरेश और श्रीकांत द्वारा दिखाई गई उत्कृष्ट कार्यकुशलता, समर्पण और त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए चिलकलगुड़ा के सहायक पुलिस आयुक्त तथा थाना प्रभारी ने दोनों पुलिसकर्मियों को बधाई दी।

तेलंगाना राज्य के गठन में भाजपा का समर्थन निर्णायक रहा : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा है कि संसद में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन विधेयक (आंध्र प्रदेश रीऑर्गेनाइजेशन बिल) को भाजपा के बिना शर्त समर्थन के बिना तेलंगाना राज्य का गठन संभव नहीं था। उन्होंने तेलंगाना गठन का श्रेय लेने के कांग्रेस और बीआरएस के दावों को खारिज किया। हैदराबाद प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मीट द प्रेस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा तेलंगाना के मुद्दे पर हमेशा अपनी प्रतिबद्धता पर कायम रही, जबकि अन्य राजनीतिक दल समय-समय पर अपना रुख बदलते रहे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए तेलंगाना विधेयक को पारित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं को न्याय देना प्राथमिक लक्ष्य : केशव राव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार के सलाहकार के. केशव राव ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य उन सभी कार्यकर्ताओं को न्याय देना है, जिन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के गठन के आंदोलन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग लिया था। गुरुवार को सचिवालय में के. केशव राव की अध्यक्षता में गठित समिति के तहत एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई।

इस समिति का उद्देश्य तेलंगाना आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें सम्मान देना है। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए केशव राव ने बताया कि समिति में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विधान परिषद सदस्य कोदंडाराम और अद्दांकी दयाकर, रामुलु नायक और शोभन रेड्डी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की पहचान के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। इस उद्देश्य से विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई, जो आंदोलन से जुड़े रहे हैं। बैठक में उनसे सुझाव और विचार लिए गए कि कार्यकर्ताओं की पहचान और सम्मान की प्रक्रिया किस प्रकार आगे बढ़ाई जाए।

उन्होंने बताया कि छात्र संगठनों, अधिवक्ताओं, डॉक्टरों, पत्रकारों और आंदोलन से जुड़े अन्य वर्गों से भी बातचीत की जाएगी। सरकार का उद्देश्य प्रथम पीढ़ी के आंदोलनकारियों की पहचान करना है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि समिति सभी राजनीतिक दलों से दो-दो प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर चर्चा कर रही है। इसके साथ ही कर्मचारियों, छात्रों, पत्रकारों और अधिवक्ताओं से भी सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान घायल हुए या नुकसान झेलने वाले सभी लोगों को न्याय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी बताया कि समिति का कार्यालय जल्द ही शहीद स्मारक स्थल पर शुरू किया जाएगा। सरकार सभी हितधारकों से सुझाव ले रही है कि आंदोलनकारियों को किस प्रकार सम्मानित किया जाए, और इसके लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सुझाव स्वीकार किए जा रहे हैं।

विधान परिषद सदस्य कोदंडाराम ने कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय तेलंगाना आंदोलन में समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न संयुक्त कार्रवाई समितियां (जेएसी) सक्रिय हैं और सभी से चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों से जुड़ी जेएसी से भी बैठकें की जाएंगी।

तेलंगाना सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से भूमि मूल्यों का पुनर्गठन किया : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि राजस्व विभाग में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य तेलंगाना के नागरिकों को तेज, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करना है। मंत्री ने गुरुवार को गच्चीबोवली स्थित तालिम क्षेत्र में एकीकृत उप-पंजीयक कार्यालय निर्माण परियोजना की प्रगति की स्वयं समीक्षा की।

इससे पहले दिन में उन्होंने सचिवालय में पत्रकारों के साथ भी चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का पंजीकरण शुल्क बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। मंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने दरों को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत किया था। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए और यह समझते हुए कि केवल 1 प्रतिशत की वृद्धि भी जनता पर हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डाल सकती है। राज्य सरकार ने वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर भूमि मूल्यों का पुनर्निर्धारण किया है, जो बाजार वास्तविकताओं के अधिक करीब है। उन्होंने आगे बताया कि अनियमितताओं की किसी भी संभावना को समाप्त करने के उद्देश्य से उप-पंजीयकों की शक्तियों को सीमित किया गया है। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का न्यूनतम मूल्य 2.75 लाख रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया गया है, जबकि नगर निगम क्षेत्रों में यह 5 लाख रुपये प्रति एकड़, एचएमडीए सीमा में 10 लाख रुपये प्रति एकड़ तथा आउटर रिंग रोड (ओआरआर) सीमा में 15 लाख रुपये प्रति एकड़ तय किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार की विसंगति या असमानता पाई जाती है तो भूमि मूल्यों की पुनः समीक्षा की जाएगी।

मंत्री ने बताया कि संशोधित भूमि मूल्यों से संबंधित किसी भी पूछताछ, संदेह या शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 599 4788 या व्हाट्सएप नंबर 8247619983 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सिटी को रद्द करना संभव नहीं है। फ्यूचर सिटी में भूमि मुफ्त में नहीं दी जा रही है। यदि इसे रद्द किया गया तो सरकार को धन वापस करना पड़ेगा, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय बना तेलंगाना का शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालय

> आईआईआरएफ रैंकिंग 2026 में चौथा स्थान

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (आईआईआरएफ) भारत रैंकिंग 2026 में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने तेलंगाना राज्य में शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालय का अपना स्थान भी बरकरार रखा है। यह रैंकिंग शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध कार्य, रोजगार क्षमता, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण, समावेशिता, संस्थागत विकास और पारदर्शिता जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर तैयार की गई है। इस उपलब्धि पर कार्यवाहक कुलपति प्रो.जे. अनुराधा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता संकाय, शोधार्थियों, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अंतःविषय शोध, शैक्षणिक उत्कृष्टता, उद्योग से जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के क्षेत्र में मजबूत स्थिति रखता है। उन्होंने आगे बताया कि 'इंस्टिट्यूशन ऑफ एमिनेंस' के रूप में मान्यता प्राप्त यह विश्वविद्यालय भविष्य में अपने आधारभूत ढांचे, डिजिटल क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को और मजबूत करने की दिशा में कार्य करेगा।

परिवारवाद के खिलाफ युवाओं को लामबंद करेंगे

रोहित सिंह ने कहा पीएम मोदी ही नौजवानों की उम्मीद

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित सिंह ने हैदराबाद में वंशवादी राजनीति पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष ने राजनीति में परिवारवाद के बीज को बरगद के वृक्ष की तरह विकसित किया है। देश का आम नौजवान परिवारवादी राजनीति से खुद को ठगा महसूस कर रहा है।

उन्होंने कहा, भारतीय राजनीति में एकमात्र नेता जो देश के आम नौजवानों की चिंता में देश के उत्थान हेतु काम कर रहे हैं, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। मोदी जी भारत के नौजवानों की समृद्धि, उनके विकास और रोजगार सृजन के लिए विचारणीय कार्य कर रहे हैं। युवा चेतना संयोजक ने ऐलान किया कि वे कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा करके आम नौजवानों को संगठित करेंगे। उन्होंने कहा कि नेपोकिड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष राहुल गांधी और हर प्रदेश में मौजूद परिवारवादी शक्तियों के खिलाफ लोकतांत्रिक लड़ाई को तेज किया जाएगा। सिंह ने हाल के चुनाव नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष पूरी तरह आउट हो गया। पश्चिम बंगाल में नेपोकिड्स एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष अभिषेक बनर्जी धराशायी हो गए। तमिलनाडु के उदय निधि स्टालिन को जनता ने रिजेक्ट कर दिया, वहीं असम में अध्यक्ष गौरव गोगोई अपनी सीट तक नहीं बचा पाए।

रोहित सिंह ने कहा, इससे यह प्रमाणित हो चुका है कि देश का जो जनादेश है, वो कांग्रेस और विपक्ष के खिलाफ पूरी ताकत के साथ खड़ा है। देश के आम नौजवानों के लिए कांग्रेस और विपक्ष ने कुछ नहीं किया। नौजवानों को सिर्फ ठगा गया। उन्होंने कहा कि देश के नौजवान अब परिवारवाद के खिलाफ एकजुट हो गए हैं और आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

संग्रहालय को अगले पाँच वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मानकों की संस्था बनाने की योजना : शिव प्रताप शुक्ल

> पीएसयू से सालारजंग संग्रहालय के आधुनिकीकरण में सहयोग का आह्वान > संग्रहालय प्लेटिनम जुबली वर्ष के समारोहों की तैयारी में

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने केंद्रीय एवं राज्य सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) से अपील की है कि वे सालारजंग संग्रहालय के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

यह संग्रहालय अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष के समारोहों की तैयारी कर रहा है। राज्यपाल, स्वयं सालारजंग संग्रहालय के अध्यक्ष भी हैं। गुरुवार शाम लोक भवन में विभिन्न पीएसयू के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में विशेष मुख्य सचिव (राज्यपाल) एम. दाना किशोर तथा संयुक्त सचिव शशिशिरणा आचार्य भी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि यह भव्य समारोह नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालारजंग तृतीय की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। प्लेटिनम जुबली के अंतर्गत 14 जून से 21 जून तक सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों में विशेष प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षिक गतिविधियां, प्रकाशन, जनसंपर्क एवं जनभागीदारी कार्यक्रम शामिल होंगे। राज्यपाल ने कहा कि संग्रहालय को अगले पाँच वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मानकों की एक आधुनिक संस्था के रूप में विकसित करने के लिए एक व्यापक विकास योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार इस पहल में सहयोग देगी तथा पीएसयू को कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर ने बताया कि राज्य सरकार मूसी नदी के तटवर्ती क्षेत्र के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय, सालारजंग संग्रहालय और उस्मानिया जनरल अस्पताल को मिलाकर एक विरासत कॉरिडोर विकसित करने की योजना तैयार की जा रही है। इस संदर्भ में उन्होंने उपस्थित संगठनों से संग्रहालय के विकास में सहयोग देने का आग्रह किया। राज्यपाल की अपील पर पीएसयू प्रतिनिधियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि वे संग्रहालय के आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्यक्रमों में साझेदारी के विकल्पों पर विचार करेंगे।

बैठक में सालारजंग संग्रहालय के अधिकारियों ने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से भविष्य की विकास रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि आगामी पाँच वर्षों में गैलरी उन्नयन, संग्रह संरक्षण सुविधाओं तथा संरक्षण अवसंरचना के लिए लगभग 25 करोड़ से 35 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित हैं। प्रस्तावित योजनाओं में गैलरी का उन्नयन, शैक्षिक कार्यक्रमों का विस्तार, संरक्षण प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण, आगंतुक सुविधाओं में सुधार तथा सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार शामिल है। संग्रहालय प्राधिकरण ने तेलंगाना की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने हेतु लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से एक समर्पित तेलंगाना हेरिटेज विंग की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा है। बैठक में उपस्थित प्रमुख पीएसयू प्रतिनिधियों में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के कार्यकारी निदेशक विनोद कुमार, एनएमडीसी के महाप्रबंधक पी. जयप्रकाश, हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (हुडको) के क्षेत्रीय प्रमुख पी. सुभाष रेड्डी, एनटीपीसी के एजीएम अखिल, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के सीजीएम डोम्मन यादव, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के कार्यकारी निदेशक राम मोहन राव, गेल के जोनल सीजीएम देवकांत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के सीजीएम (ऑपरेशन्स) सूरज पटनायक, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के प्रतिनिधि टॉश चतुर्वेदी तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के सीजीएम सुशील कुमार राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोचिंग संस्थान में तोड़फोड़ शिक्षा पर हमला है : बिनय यादव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने पटना स्थित शिक्षाविद् एवं शिक्षक खान सर के कोचिंग संस्थान में हुई तोड़फोड़ और हिंसक घटना की कड़ी निंदा की है। समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने कहा कि किसी भी प्रकार का विरोध लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए तथा हिंसा, तोड़फोड़ और सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। यादव ने कहा कि शिक्षा संस्थानों पर हमला न केवल कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। उन्होंने घटना में शामिल दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार सहित देशभर के लाखों छात्र-छात्राएं शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षण संस्थानों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने तथा शांति और सौहार्द का वातावरण बनाए रखने की अपील की। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने बिहार सरकार और प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कराने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने का आग्रह किया है।

शब्बीर अली का पवन कल्याण पर तीखा हमला

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने जन सेना प्रमुख एवं आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वे तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी के विभाजनकारी राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। पवन कल्याण द्वारा कथित रूप से राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत के विरोध को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शब्बीर अली ने इन दावों को निराधार और गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में ऐसा कोई विवाद मौजूद नहीं है। उनके अनुसार, पवन कल्याण अपनी काल्पनिक फिल्मों जैसी सोच को राजनीतिक कथानक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में न तो राष्ट्रीय गान, न राष्ट्रीय गीत और न ही देश की एकता को लेकर कोई विवाद है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. EPC-CECONI VSKP2026003, दिनांक : 31.05.2026

कार्य का नाम : दक्षिण तट रेलवे (SCoR) जोन, विशाखापट्टनम के लिए आवासिय परिसर (टाइप-IV, टाइप-V एवं टाइप-VI), महाप्रबंधक बंगला, मनोरंजन सुविधाएँ, स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा आदि का निर्माण, जिसमें डिजाइनिंग और लैंडस्केप शामिल है।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 193,92,91,325.96, EMD : ₹ 3,89,85,900/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 21 (इक्कीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.07.2026 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते है।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-I)/विशाखापट्टनम

PR-72/CJ/26-27

एनएमडीसी में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से एनएमडीसी लिमिटेड, मुख्यालय ने आज गुरुवार को अनुसंधान एवं विकास केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के आरम्भ में राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यशाला में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्यालय के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) रुद्रनाथ मिश्र ने बताया कि अनुसंधान एवं विकास कार्मिकों के लिए प्रत्येक वर्ष न्यूनतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से किया जाता है तथा कार्यालयीन आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सत्रों का संचालन किया जाता है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एस.के.चौरसिया, महाप्रबंधक, अनुसंधान एवं विकास ने सभी कार्मिकों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित जयशंकर तिवारी, सहायक निदेशक (सेवानिवृत्त), हिंदी शिक्षण योजना ने हिंदी टिप्पण एवं पत्राचार विषय पर सत्र लिया एवं कम्प्यूटर पर प्रायोगिक अभ्यास करवाया। राजभाषा विभाग के अप्रेंटिस प्रशिक्षु एनवाईएस रामराजु ने कार्यशाला के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

राजेश कुमार गोंड के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

'पालमुरु क्षेत्र की समस्याओं पर कांग्रेस सरकार विफल'

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार अविभाजित पालमुरु क्षेत्र की सिंचाई और कृषि से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दौरे से पहले बीआरएस नेताओं की कथित रूप से अवैध गिरफ्तारी की जा रही है। गुरुवार को तेलंगाना भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीनिवास गौड़ ने जुराला परियोजना में पानी की कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकार से सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री स्वयं इस स्थिति को देखने आएंगे। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया था और शेष काम को जल्द पूरा कर किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की।

परमात्मा के प्रति विश्वास से हर समस्या का समाधान हो जाता है : श्रीमाली

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वीसा मोड गौ भुजा समाज वाड़ी में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्री मद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने बताया कि जीवन में समस्याएं चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो यदि पूर्ण समर्पण एवं दृढ़ विश्वास परमात्मा के प्रति हो तो समाधान अवश्य अवश्य निकलता है। पूर्ण एवं दृढ़ विश्वास हमारे आराध्य देव के प्रति हो तो प्रभु अवश्य हमारी सहायता करते हैं। परमात्मा की सहायता शक्ति स्वरूपिणी बनकर के आत्मबल के साथ हमें साहस और धैर्य प्रदान करती है। निरंतर भक्ति का मार्ग मिलता है, हवा के झोंके की तरह समस्याएं दूर हो जाती हैं। आराध्य देव की कृपा से पता ही नहीं चलता कि कठिन समय कब व्यतीत हो गया। अपने आराध्य देव पर पूर्ण विश्वास से मनुष्य निश्चित होकर के जीवन में आगे बढ़ता है। यात्री को विमान पर रेल में बैठकर के अपने गंतव्य तक पहुंचने का पूरा विश्वास रहता है उसी प्रकार से अपने आराध्य देव के लिए भी होना चाहिए कि जीवन यात्रा बिना किसी बाधा के सफल होगी। जीवमात्र का परम कर्तव्य है दृढ़ विश्वास रखते हुए सदा अपने आराध्य देव की सतत निष्काम भाव से सेवा करते रहें।

कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से हटे

रोहित की फिटनेस पर भी सस्पेंस

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। भारत के सीनियर बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग, यानी जांघ की मांसपेशियों में चोट की वजह से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कोहली के सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की है। हालांकि, बीसीसीआई ने इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया है।

एजेंसी ने लिखा- 'कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं।' 37 साल के कोहली ने आरसीबी को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने फाइनल मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 75 रन की नाबाद पारी खेली थी। बताया जा रहा है कि इसी पारी के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है।

टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने कहा-कोहली और रोहित को लेकर अधिकृत जानकारी जल्द ही सामने आएगी। वनडे सीरीज से पहले उनकी फिटनेस का आंकलन किया जाएगा।

अफगानिस्तान का भारत दौरा 6 जून से शुरू हो रहा है। टीम मुल्लांपुर स्टेडियम पर 6 जून से सिंगल टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 13 जून से 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

कोहली के अलावा, पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी सस्पेंस है। उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने की शर्त पर टीम में शामिल किया गया था। रोहित को चोट के कारण आईपीएल के कुछ मैचों से बाहर रहना पड़ा था। रोहित की फिटनेस पर अंतिम फैसला टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा।

कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज की व्यूअरशिप पर असर पड़ेगा। क्योंकि, ये दोनों स्टार केवल वनडे क्रिकेट ही खेलते हैं। दोनों ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है।

विनेश फोगाट मामले में डब्ल्यूएफआई को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली राहत

एशियाड ट्रायल विवाद पर याचिका बंद

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर डब्ल्यूएफआई की याचिका को निष्प्रभावी मानते हुए बंद कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल पहले ही पूरे हो चुके हैं, इसलिए मामले पर आगे सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। हालांकि शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिका बंद करने का मतलब हाईकोर्ट की टिप्पणियों से सहमति नहीं माना जाएगा और सभी कानूनी मुद्दे भविष्य के लिए खुले रहेंगे।

न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि जिस चयन प्रक्रिया को लेकर विवाद था, वह अब पूरी हो चुकी है। ऐसे में विशेष अनुमति याचिका स्वतः ही निष्प्रभावी हो गई है। पीठ ने आदेश में कहा, 'बाद के घटनाक्रमों को देखते हुए यह विशेष अनुमति याचिका निष्प्रभावी हो गई है। इस न्यायालय के आदेश को हाईकोर्ट के निष्कर्षों और टिप्पणियों की पुनर्पुष्टि के रूप में नहीं देखा जाएगा। सभी मुद्दे खुले रखे जाते हैं।'

सुनवाई के दौरान डब्ल्यूएफआई की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एन. गोबुरधुन ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा की गई कुछ प्रतिकूल टिप्पणियों को हटाने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते समय महासंघ की मंशा पर सवाल उठाने वाली टिप्पणियां की थीं, जिससे लंबित कार्यवाही प्रभावित हो सकती है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन टिप्पणियों को हटाने से इनकार कर दिया।

मामला तब शुरू हुआ था जब डब्ल्यूएफआई ने अपनी संशोधित चयन नीति के तहत विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य माना था। इसके बाद विनेश ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। पिछले महीने दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश देते हुए विनेश को ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने कहा था कि मातृत्व को किसी खिलाड़ी को पेशेवर अवसरों से वंचित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना था कि WFI की नीति में मातृत्व अवकाश और प्रसव के बाद रिकवरी अवधि को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया।

हालांकि कानूनी लड़ाई में राहत मिलने के बावजूद विनेश फोगाट का मैदान पर वापसी का प्रयास सफल नहीं हो सका। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित चयन ट्रायल में उन्होंने महिला 53 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया। डब्ल्यूएफआई ने पहले उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग तक सीमित रखा था, लेकिन बाद में फैसला बदला गया। सेमीफाइनल में विनेश को मीनाक्षी गोयत से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल मामला बंद कर दिया है, लेकिन उसने स्पष्ट कर दिया है कि हाईकोर्ट की टिप्पणियों और चयन नीति से जुड़े सभी कानूनी प्रश्न अभी भी खुले हैं। इसका मतलब है कि भविष्य में इन मुद्दों पर आगे कानूनी बहस हो सकती है।

विश्व नंबर-एक के आगे फिर बेबस दिखीं सिंधू

यंग से हारकर इंडोनेशिया ओपन से हुईं बाहर

जकार्ता, 4 जून (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू का इंडोनेशिया ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया। उन्हें प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर-एक और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग ने सीधे गेम में 21-17, 21-14 से हराया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब सिंधू को एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

जकार्ता में खेले गए मुकाबले में पीवी सिंधू ने कुछ मौकों पर शानदार खेल दिखाया, लेकिन वह उसे पूरे मैच में बरकरार नहीं रख सकीं। दक्षिण कोरिया की स्टार खिलाड़ी एन से यंग ने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए 21-17, 21-14 से जीत दर्ज की।

सिंधू को पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी एन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने भारतीय स्टार की चुनौती खत्म की है।

इस हार के साथ सिंधू का एन से यंग के खिलाफ रिकॉर्ड और निराशाजनक हो गया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में सिंधु को लगातार 10वीं हार झेलनी पड़ी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि भारतीय खिलाड़ी अभी तक विश्व नंबर-एक के खिलाफ एक भी मुकाबला जीतने में सफल नहीं हो सकी हैं।

पिछले कुछ वर्षों में चोटों और फॉर्म में उतार-चढ़ाव से जूझ रही सिंधू के लिए यह सीजन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि इंडोनेशिया ओपन में उनका अभियान जल्दी समाप्त हो गया, लेकिन आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में वह वापसी की उम्मीद के साथ उतरेंगी।

दूसरी ओर, एन से यंग ने एक बार फिर साबित किया कि वह मौजूदा समय में महिला बैडमिंटन की सबसे मजबूत खिलाड़ियों में से एक हैं।

पहला वनडे- श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 41 रन से हराया

मेंडिस और निसांका के अर्धशतक, चमीरा ने 4 विकेट झटके

किंग्सटन, 4 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा मुकाबला 7 जून को खेला जाएगा।

किंग्सटन के सबीना पार्क स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने कप्तान कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका की फिफ्टी की मदद से 7 विकेट पर 303 रन बनाए।

जवाब में 304 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 262 रन पर ऑलआउट हो गई। दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट लिए। कप्तान कुसल मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जॉयडन सेल्स ने वेस्टइंडीज को पहला विकेट जल्दी दिला दिया। उन्होंने श्रीलंकाई ओपनर कामिंडु मेंडिस (12 रन) को शाई होप के हाथों कैच कराया। इसके बाद पथुम निसांका और कप्तान कुसल मेंडिस ने शतकीय साझेदारी कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया।

मैथ्यू फोर्ड ने कुसल मेंडिस (72 रन) को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। मेंडिस के बाद निसांका 79 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जनिथ लियानागे (नाबाद 44) और चरित असालंका (नाबाद 45) ने टीम को 303/7 रन तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज, जॉयडन सेल्स और मैथ्यू फोर्ड ने दो-दो विकेट लिए।

304 रन चेज कर रही मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी रही। जस्टिन ग्रिव्स (45) और जॉन कैंपबेल (17) ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर ली थी। कप्तान शाई होप ने 56 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर में उन्हें किसी बल्लेबाज का साथ नहीं मिला। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49.2 ओवर में 262 रन पर सिमट गई। श्रीलंका के लिए दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट झटके। महीश तीक्षणा ने 2 विकेट हासिल किए।

स्मृति मंधाना- शेफाली वर्मा की जो है परेशानी वही है टीम इंडिया की सबसे बड़ी मुश्किल

लंदन, 4 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड की जमीन पर होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. इस आईसीसी टूर्नामेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने अभियान का आगाज 14 जून को चिर-प्रतिद्वन्दी पाकिस्तान के खिलाफ करेगी. मगर फिलहाल हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी के लिए समस्या वो नहीं, बल्कि जिसके चलते मुश्किलें बढ़ी दिख रही हैं, वो स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की परेशानी है. स्मृति और शेफाली दोनों भारतीय टीम की ओपनर हैं और परेशानी ये है कि इन दोनों का ही बल्ला टूर्नामेंट के करीब आकर खामोश हो गया है.

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के बल्ले की चुप्पी का सबसे ताजा उदाहरण इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई 3 टी20 मैचों की सीरीज में देखने को मिला. इस सीरीज के तीनों मैचों में ना शेफाली चलीं और ना मंधाना. पार्टनरशिप तो दूर की बात है, दोनों का इंडिविजुअल प्रदर्शन भी उतना ही बेकार रहा है.

सबसे पहले बात करते हैं इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में स्मृति और शेफाली के बीच हुई पार्टनरशिप की. पहले टी20 में दोनों ने एक भी रन स्कोर बोर्ड पर नहीं जोड़े. दूसरे टी20 में 27 रन की पार्टनरशिप दोनों के बीच हुई. वहीं तीसरे और आखिरी टी20 में स्मृति-शेफाली ने मिलकर 19 रन स्कोर बोर्ड में जोड़े.

अब जरा इन दोनों के इंडिविजुअल प्रदर्शन को भी देख ली जिए. इंग्लैंड के खिलाफ T20 सीरीज में स्मृति मंधाना का पहले टी20 में खाता नहीं खुला. वहीं शेफाली ने भी सिर्फ 2 रन बनाए. दूसरे टी20 में स्मृति ने 32 रन बनाए तो शेफाली ने 22 रन की पारी खेली. जबकि तीसरे और आखिरी टी20 में स्मृति एक बार फिर से दहाईं का आंकड़ा पार नहीं कर पाई और सिर्फ 8 रन बनाए. वहीं शेफाली ने 11 रन बनाए.

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा का प्रदर्शन इतना खराब रहा है, इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में ओवरऑल रन बनाने वालों की टॉप-5 लिस्ट में भी दोनों में से कोई नहीं हैं. सीरीज के 3 मैचों में दोनों के लिए 50 रन भी जोड़ पाना मुश्किल हो गया. स्मृति मंधाना ने T20 सीरीज के 3 मैचों में 13.33 की औसत से 40 रन बनाए तो वहीं शेफाली वर्मा ने 11.66 की औसत से 35 रन बनाए हैं. महिला टी20 वर्ल्ड कप जैसे स्टेज पर जीत दर्ज करने के लिए बेहतर शुरुआत का मिलना बहुत जरूरी होता है.

भारतीय टीम के लिए वो काम स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को करना है. लेकिन, जिस तरह की दोनों की मौजूदा फॉर्म है, उसने टीम इंडिया की मुश्किल को बढ़ा दिया है. स्मृति और शेफाली वैसे बड़े मैचों के खिलाड़ी रहे हैं. ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि ये दोनों टी20 वर्ल्ड कप में अपने पुराने रंग में दिखेंगे.

ग्रैंड स्लैम इतिहास में पहली बार 2 इटैलियन में सेमीफाइनल

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेटी के बाहर होने के बावजूद फ्रेंच ओपन में इटली का दबदबा कायम है।

फ्लावियो कोबोली और माटेओ अर्नाल्डी ने अपने-अपने मैच जीतकर मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब शुक्रवार को दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। यह ग्रैंड स्लैम इतिहास का पहला ऑल-इटैलियन मेंस सेमीफाइनल होगा। ऑल-इटैलियन सेमीफाइनल पर कोबोली ने कहा- 'इटालियन टेनिस के लिए यह बेहद खुशी की बात है।' पिछले साल सिनर और मुसेटी दोनों अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन ड्रॉ के अलग-अलग हिस्सों में थे।

24 वर्षीय कोबोली ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। वहीं, अर्नाल्डी को हमवतन माटेओ बेरेटिनी के चोटिल होकर मैच छोड़ने से सेमीफाइनल का टिकट मिला। बेरेटिनी बाएं कूल्हे की चोट से जूझ रहे थे और दूसरे सेट में पीछे रहने के बाद मुकाबले से हट गए।

पुरुष एकल कैटेगरी का दूसरा सेमीफाइनल जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और चेक खिलाड़ी जैकब मेंसिक के बीच खेला जाएगा। ज्वेरेव ने स्पेन के राफेल जोदार को 7-6, 6-1, 6-3 से हराया। वहीं, मेंसिक ने ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-3, 7-6 से हराया। फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया था। सारा एरानी और आंद्रेआ वावासोरी गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल खेलेंगे। वहीं, वावासोरी और सिमोने बोलेली पुरुष युगल के सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

फ्रेंच ओपन में हार के बाद टूटीं विश्व नंबर-एक सबालेंका

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। फ्रेंच ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-एक महिला टेनिस खिलाड़ी अरीना सबालेंका का अभियान बेहद निराशाजनक अंदाज में समाप्त हुआ। क्वार्टर फाइनल में उन्हें 25वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका बेहद निराश नजर आईं और उन्होंने संन्यास तक की बात भी कर दी। इससे फैंस डर गए हैं। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है...

दरअसल, डायना श्नाइडर के खिलाफ सबालेंका ने शानदार शुरुआत की थी और एक समय वह जीत से सिर्फ दो अंक दूर थीं, लेकिन इसके बाद मुकाबले का पूरा रुख बदल गया।सबालेंका 6-3, 5-2 की बढ़त पर थीं, लेकिन फिर लगातार 10 गेम गंवा बैठीं। निर्णायक सेट में उन्हें 6-0 से हार का सामना करना पड़ा और उनका फ्रेंच ओपन खिताब जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में अभी कोई विचार नहीं है, कोई भावना नहीं है। मैं इस समय टेनिस छोड़ना चाहती हूं। कुछ दिनों बाद देखेंगे क्या होता है। उम्मीद है कि मैं मानसिक रूप से फिर से सही रास्ते पर लौट पाऊंगी।' यह बयान सुनकर मौजूद पत्रकार भी हैरान रह गए। आमतौर पर अपने जुझारू रवैये के लिए पहचानी जाने वाली सबालेंका इस बार पूरी तरह टूटी हुई दिखीं।मानसिक रूप से अंधेरे दौर में चली गई थींसबालेंका ने स्वीकार किया कि मैच के दौरान वह मानसिक रूप से बुरी तरह बिखर गई थीं और खुद को संभाल नहीं सकीं।

उन्होंने कहा, 'मुझे याद नहीं कि आखिरी बार कब मैंने लगातार 10 गेम गंवाए थे। मुझे लगता है कि मैं मानसिक रूप से बहुत गहरे और अंधेरे गड्ढे में चली गई थी और वहां से वापस नहीं आ सकी।' मैच के दौरान उनकी निराशा साफ दिखाई दे रही थी। तीसरे सेट में एक अंक गंवाने के बाद उन्होंने कोर्ट पर खड़े होकर जोर से चीख भी लगाई थी। पूरे मुकाबले में उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका फायदा श्नाइडर ने पूरी तरह उठाया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस हार से कैसे उबरेंगी, तो शुरुआत में उनके पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि बाद में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि वह अपना गुस्सा निकालने के लिए 'रेज रूम' जाने का सोच रही हैं। सबालेंका ने कहा, 'जो हमें नहीं मारता, वह हमें और मजबूत बनाता है। किसी समय मैं इस स्थिति को समझ लूंगी और पहले से ज्यादा मजबूत होकर लौटूंगी। अभी मुझे एक तरीका सूझा है, ऐसी जगह जाना जहां चीजों को तोड़-फोड़ सकते हैं। शायद मैं पूरा दिन वहीं बिताऊंगी और सब कुछ तोड़ दूंगी। हो सकता है इससे मदद मिले, हो सकता है नहीं।'

सबालेंका ने माना कि क्ले और ग्रास कोर्ट पर ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाने का दबाव उन पर असर डाल रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लियोनेल मेसी तोड़ सकते हैं बड़े रिकॉड्र्स

खेल डेस्क, 4 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से उम्मीद की जा रही है कि वो अपने देश के फीफा वर्ल्ड कप 2026 कैंपेन में अहम रोल अदा करेंगे, क्योंकि मौजूदा चैंपियन टीम अपने खिताब को डिफेंड करने का टारगेट लेकर चल रही है. ऐसे में इस फुटबॉल सुपरस्टार का करिश्मा देखने को मिल सकता है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का एडिशन अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में खेला जाने वाला है. इस एडिशन में महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी 5 बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं.

इस टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में उतरते ही वो 6 फीफा वर्ल्ड कप खेलने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन जाएंगे. 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 के एडिशंस में अर्जेंटीना को रिप्रजेंट करने के बाद, 2026 का टूर्नामेंट उन्हें एक अनोखा रिकॉर्ड कायम करते हुए देख सकता है. पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और मैक्सिको के गोलकीपर गुइलेर्मो ओचोआ भी यही उपलब्धि हासिल कर सकते हैं.

मेसी फीफा वर्ल्ड में सबसे ज्यादा गोल करने के ऑल टाइम रिकॉर्ड के भी करीब पहुंच सकते हैं. अर्जेंटीना के लेजेंड ने टूर्नामेंट में 26 मैचों में 13 गोल किए हैं. जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस के नाम अभी 16 गोल के साथ ये रिकॉर्ड है, जिसका मतलब है कि अगर मेसी का ये कैंपेन भी कमयाब रहता है, तो उनके पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का पूरा मौका है.

लियोनेल मेसी असिस्ट के आंकड़ों को भी बेहतर करने की दौड़ में भी शामिल है. फीफा वर्ल्ड कप में 8 असिस्ट के साथ, वो अर्जेंटीना के लिए डिएगो माराडोना के साथ संयुक्त रूप से रिकॉर्ड शेयर करते हैं. सिर्फ एक और असिस्ट उन्हें देश का इकलौता रिकॉर्ड-होल्डर बना देगा, जबकि 2 और असिस्ट उन्हें टूर्नामेंट के ऑल टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने में मदद कर सकते हैं. गौरतलब है कि इस ग्लोबल टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा 9 असिस्ट का रिकॉर्ड जर्मनी के फ्रिट्ज वाल्टर के नाम है.

एक और ऐतिहासिक अचीवमेंट तब हासिल हो सकती है, जब मेसी अर्जेंटीना को एक और फीफा वर्ल्ड कप खिताब जिताने में कप्तान के तौर पर कामयाब होते हैं. किसी भी खिलाड़ी ने कप्तान के तौर पर 2 बार ये ट्रॉफी नहीं उठाई है, जिससे ये एक खास रिकॉर्ड बन सकता है.

मेसी फ़ुटबॉल के इतिहास में ऐसे पहले कप्तान बन सकते हैं, जो किसी टीम को 3 फीफा वर्ल्ड कप फाइनल तक ले गए हों. 2014 और 2022 में अर्जेंटीना को टाइटल क्लैश तक पहुंचाने के बाद, 2026 में एक और फाइनल में पहुंचना उन्हें रिकॉर्ड बुक में एक खास जगह दिला देगा.

भारत-यूके के बीच क्रिटिकल मिनरल्स साझेदारी को नई मजबूती : किशन रेड्डी

वैश्विक सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी केंद्र का शुभारंभ

नई दिल्ली/हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को नई गति मिली है। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी स्थापित करने की घोषणा की गई थी।

इसी क्रम में गुरुवार को भारत-यूके क्रिटिकल मिनरल्स ग्लोबल सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी (जीएससीओ) के सैटेलाइट केंद्र का उद्घाटन किया गया। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यूके की विदेश सचिव यवेट कूपर के साथ संयुक्त रूप से इस केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर किशन रेड्डी ने कहा कि यह ऑब्जर्वेटरी विश्व स्तर पर सुरक्षित, स्थिर और विश्वसनीय क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, आधुनिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल परिवर्तन के तेजी से विस्तार के बीच क्रिटिकल मिनरल्स वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनते जा रहे हैं।

यह केंद्र दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मटेरियल फ्लो मैप के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र सरकार क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से 4 अरब डॉलर के राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल्स मिशन की शुरूआत की गई है। मिशन का उद्देश्य खनिजों की खोज, उत्खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण तथा नवाचार को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) को प्रोत्साहित करने के लिए 18 करोड़ डॉलर की विशेष योजना लागू की जा रही है। देशभर में नौ उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं।

साथ ही औद्योगिक अपशिष्टों से मूल्यवान खनिजों की प्राप्ति तथा विदेशों में खनिज संसाधनों के दोहन जैसे कदम भी उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खनिज क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार कई नीतिगत सुधार कर रही है। ई-नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है, निजी कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है और जूनियर माइनिंग कंपनियों के लिए भी अवसर सृजित किए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य भारत को खनिज क्षेत्र में निवेश के लिए दुनिया के सबसे अनुकूल देशों में शामिल करना है। किशन रेड्डी ने ब्रिटिश उद्योगों, निवेशकों और प्रौद्योगिकी कंपनियों से भारत के क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खनिज प्रसंस्करण और निष्कर्षण तकनीक में यूके की विशेषज्ञता भारत के इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा, एयरोस्पेस और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों के विकास को गति दे सकती है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में यह ऑब्जर्वेटरी वैश्विक स्तर पर क्रिटिकल मिनरल्स इंटेलिजेंस के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित होगी और उद्योगों, शोधकर्ताओं तथा निवेशकों को महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगी। यह कार्यक्रम केंद्रीय खान मंत्रालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यालय), धनबाद, टेक्समिन फाउंडेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रौद्योगिकी अनुवाद अनुसंधान पार्क तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यूके विदेश मंत्रालय, ब्रिटिश उच्चायोग, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद, टेक्समिन फाउंडेशन तथा केंद्रीय खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम ने महबूबनगर सिंचाई परियोजनाओं का व्यापक सर्वेक्षण किया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को पूर्व महबूबनगर जिले में कई प्रमुख सिंचाई सुविधाओं का हवाई सर्वेक्षण किया। इसमें कोयलसागर परियोजना, कृष्णा और भीमा नदियों पर प्रस्तावित बैराज, और प्रियदर्शिनी जुराला परियोजना बांध शामिल थे। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने जोगुलम्बा गडवाल जिले के धारूर मंडल में गुडेमदोड्डी जलाशय और चरण-1 पंप हाउस का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने मकतल-नारायणपेट-कोडांगल लिफ्ट सिंचाई योजना के चल रहे विकास कार्यों का भी जायजा लिया। अपना दौरा समाप्त करते हुए, रेवंत रेड्डी ने सोमासिला में एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें पूर्व महबूबनगर जिले के भीतर सभी महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, दामोदर राजा नरसिम्हा, जुपल्ली कृष्णा राव और वकिति श्रीहरि भी मुख्यमंत्री के साथ थे। इसी तरह, योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष चिन्नारेड्डी, पूर्व जिले के विधायक और एमएलसी, निगमों के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इबोला संदिग्ध मरीज मिलने पर एयरपोर्ट से गांधी अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सूडान से गुरुवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे एक यात्री में इबोला वायरस के लक्षण दिखाई देने के बाद उसे तुरंत गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थापित आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना के तहत मरीज को विशेष एम्बुलेंस के माध्यम से सीधे गांधी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में स्थानांतरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि मरीज से आवश्यक नमूने लेकर जांच के लिए पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान भेज दिए गए हैं। फिलहाल जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, अफ्रीकी देशों में इबोला के मामलों को देखते हुए तेलंगाना स्वास्थ्य विभाग ने सभी प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है।

योजना का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचे : चन्द्रा रेड्डी

किसान रजिस्ट्री और फार्मर आईडी पर किसानों को किया गया जागरूक

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) चन्द्रा रेड्डी ने गुरुवार को मोइनाबाद मंडल में आयोजित ग्रामसभा कार्यक्रम में भाग लेकर किसानों को किसान रजिस्ट्री (फार्मर रजिस्ट्री) एवं फार्मर आईडी पंजीकरण के संबंध में जागरूक किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सब्सिडी, निवेश सहायता तथा अन्य कृषि संबंधी लाभ समय पर प्राप्त हों, इसके लिए किसान रजिस्ट्री में पंजीकरण अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि एक गुंटा भूमि रखने वाला किसान भी किसान रजिस्ट्री में अपना नाम दर्ज कराकर फार्मर आईडी अवश्य प्राप्त करे। अतिरिक्त कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन किसानों का अभी तक किसान रजिस्ट्री में पंजीकरण नहीं हुआ है, उनकी पहचान कर पंजीकरण प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि योजना का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए गांव स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने किसानों को मौसम के अनुकूल फसलों की खेती करने तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की सलाह के अनुसार फसल योजना तैयार करने की सलाह दी। चंद्रा रेड्डी ने कहा, किसान रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और त्वरित रूप से मिलेगा। प्रत्येक पात्र किसान को फार्मर आईडी उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी विशेष ध्यान दें। कार्यक्रम में मंडल विशेष अधिकारी किशन राव, तहसीलदार, एमपीडीओ, मंडल कृषि अधिकारी अनुराधा, मंडल पंचायत अधिकारी तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम सरपंच तलारी लक्ष्मी, उपसरपंच आंजनेयुलु, पंचायत सचिव श्रीलता, अन्य ग्राम सचिव, वार्ड सदस्य, किसान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

साइबर ठगी से जुड़े फर्जी खातों के मामले में पांच गिरफ्तार

निर्मल, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधों में संलिप्तता के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों ने साइबर ठगों के साथ मिलकर फर्जी बैंक खातों का संचालन किया, जिनमें 8.18 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की राशि जमा की गई थी। गुरुवार को मामले की जानकारी देते हुए एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि कस्बे के निवासी निम्मा गजेंद्र, मग्गिडी नवीन, मग्गिडी महेंद्र, मेकाला निखिल और शिकारी साई कृष्णा को गिरफ्तार किया गया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने साइबर ठगों के लिए फर्जी खातों के जरिए अवैध लेनदेन में सहयोग किया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि वे इन खातों का संचालन करने के बदले जालसाजों से कमीशन प्राप्त करते थे। आरोपियों ने विभिन्न व्यवसायों के नाम पर खाते खोले और बाद में बैंक की चेकबुक, डेबिट कार्ड तथा मोबाइल नंबर भी साइबर ठगों को सौंप दिए थे। अधिकारियों ने यह भी बताया कि इस मामले से जुड़े अन्य तीन लोगों को पहले ही लोकेश्वरम क्षेत्र से गिरफ्तार किया जा चुका है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

चुनौतियों को अवसर में बदलने वाले दिव्यांग खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा : राज्यपाल

> पैरा साइकिलिस्ट शिवानी, ज्योति, शेख अरशद और लीशा दास की सराहना

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि चुनौतियों को अवसरों में और विपरीत परिस्थितियों को अपनी शक्ति में बदलने वाले दिव्यांग खिलाड़ी पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राज्यपाल ने गुरुवार को हैदराबाद के रसूलपुरा में आदित्य मेहता फाउंडेशन के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

14वें सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए खेल, प्रशिक्षण और पुनर्वास के क्षेत्र में फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने पैरा खिलाड़ियों से बातचीत की और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही प्रशिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन ने जमीनी स्तर से खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्यपाल ने पैरा साइकिलिस्ट शिवानी, ज्योति, शेख अरशद और लीशा दास को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें देश का गौरव बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन खिलाड़ियों का अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएगा।

शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि समावेशिता केवल नीतियों का विषय नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आदित्य मेहता फाउंडेशन जैसी संस्थाएं दिव्यांगजनों में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराकर महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी जयेश रंजन, आदित्य मेहता फाउंडेशन के संस्थापक आदित्य मेहता, अंजना सिन्हा तथा अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू भी उपस्थित थीं।

गारमेंट्स स्टोर में भीषण आग, कोई जनहानि नहीं

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के अमीरपेट क्षेत्र में मैत्रीवनम भवन के पास स्थित एक गारमेंट्स स्टोर में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर स्थित केएसआर फैशन्स में लगी, जो मेट्रो पिलर संख्या 1043 के निकट स्थित है।

घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीन फायर इंजनों तथा आठ पानी के टैंकरों की मदद से आग पर काबू पा लिया। एहतियात के तौर पर आसपास की दुकानों में मौजूद लोगों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के बाद अमीरपेट मुख्य मार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। इलाके में घना धुआं फैल जाने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, आग लगते ही दुकान के कर्मचारी तुरंत बाहर निकल आए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राथमिक के अनुसार आग से बड़े पैमाने पर संपत्ति का नुकसान हुआ है। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित एक हेलमेट दुकान में मौजूद प्लास्टिक सामग्री के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और संबंधित अधिकारी मामले की विस्तृत पड़ताल में जुटे हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

> थाईलैंड, मुंबई, गुजरात, हैदराबाद में फैले तस्करी नेटवर्क का खुलासा

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की ईगल फोर्स ने थाईलैंड से भारत में हाइड्रोपोनिक गांजा (कैनाबिस) की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह विभिन्न भारतीय हवाई अड्डों के जरिए तस्करी कर कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी से बचने की कोशिश करता था।

मामले की जांच तब शुरू हुई जब हैदराबाद हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक यात्री के पास से 13 किलोग्राम से अधिक हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। इसके बाद की जांच में थाईलैंड, मुंबई, गुजरात, हैदराबाद और अन्य शहरों तक फैले एक सुव्यवस्थित तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ।

पुलिस के अनुसार, यह सिंडिकेट कथित तौर पर सैकड़ों कैरियरों का उपयोग कर मादक पदार्थों की तस्करी करता था और इससे प्राप्त धनराशि को हवाला चैनलों के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता था। मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रयास जारी हैं। इस अवसर पर पुलिस ने आम जनता से मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने की अपील की। पुलिस ने विशेष रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्गों से कहा कि गांजा किसी भी प्रकार से उचित चिकित्सा उपचार का विकल्प नहीं है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान विभिन्न बीमारियों के प्रभावी उपचार उपलब्ध कराता है। पुलिस ने सॉफ्टवेयर पेशेवरों, चिकित्सकों, व्यापारियों, खिलाड़ियों और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों से भी समाज, विशेषकर युवाओं के लिए आदर्श बनने का आह्वान किया। उनसे कहा गया कि वे अपनी उपलब्धियों, पेशेवर प्रतिबद्धता और स्वस्थ जीवनशैली के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करें तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें। युवाओं को संबोधित करते हुए पुलिस ने कहा कि फिटनेस हासिल करने के नाम पर मादक पदार्थों, अनियमित सप्लीमेंट्स या हानिकारक इंजेक्शनों के दुरूपयोग से बचें।

वहीं स्कूली छात्रों को सलाह दी गई कि वे अपने जीवन के निर्माणकाल में नशीले पदार्थों, शराब और सिगरेट से दूर रहें तथा शिक्षा, खेल और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करें। पुलिस ने चेतावनी दी कि नशीले पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य, भविष्य और जीवन के अवसरों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है तथा इसके कारण कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है।

टीजी लॉ सेट और पीजी लॉ सेट 2026 के परिणाम घोषित

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लॉ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी लॉ सेट) 2026 और पीजीएलसीईटी 2026 के परिणाम गुरुवार को यहां घोषित किए गए। परीक्षा में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न पाठ्यक्रमों में अच्छे परिणाम दर्ज किए गए। तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम में कुल 38,261 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी, जिनमें से 29,327 उम्मीदवार (76.65 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए। वहीं पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम में 11,520 छात्रों में से 6,073 (52.72 प्रतिशत) सफल घोषित किए गए। पीजीएलसीईटी परीक्षा में 4,593 उम्मीदवारों में से 93.03 प्रतिशत उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न जिलों के छात्रों ने शीर्ष स्थान प्राप्त किए हैं। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले की मीसाला विजयदुर्गा ने तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम में, मेडचल-मलकजगिरी की अल्लूरी सनिथ रेड्डी ने पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम में और रंगारेड्डी की शेगुरी निशिता ने पीजीएलसीईटी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

टीजीएफडीसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना वन विकास निगम (टीजीएफडीसी) ने अपने पर्यावरण-पर्यटन ब्रांड डेक्कन वुड्स एंड ट्रेल्स के तहत कोथागुडा आरक्षित वन स्थित वनस्पति उद्यान में पर्यावरण संरक्षण और जन कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत पाला पिटा साइक्लिंग पार्क में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर हुई, जिसमें 30 से अधिक साइकिल चालकों, स्वयंसेवकों और प्रकृति प्रेमियों ने भाग लिया। इस साइक्लिंग रैली को टीजीएफडीसी के महाप्रबंधक डॉ.जी. स्काईलैब ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इसके बाद वन अग्नि जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें तेलंगाना अग्निशमन विभाग के माधापुर अग्निशमन स्टेशन के अधिकारियों ने आग से सुरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग की जानकारी दी तथा व्यावहारिक प्रदर्शन किया। दिनभर चले इन कार्यक्रमों का समापन पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ जीवनशैली और हरित तेलंगाना के निर्माण की सामूहिक शपथ के साथ किया गया।

बाल्का सुमन की गिरफ्तारी राजनीतिक साजिश : केटी रामाराव

हैदराबाद, 4 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पूर्व विधायक बल्का सुमन की गिरफ्तारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में कथित अनियमितताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए सुमन को फंसा रही है।

गुरुवार को चंचलगुडा जेल में बल्का सुमन से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रामाराव ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से बीआरएस लगातार कई कथित घोटालों को उजागर कर रही है, जिनमें मुख्यमंत्री के बहनोई से जुड़े साइट विजिटेशन सर्टिफिकेट घोटाले और सौर निविदाओं में अनियमितताओं के आरोप शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सुमन पर सिंगारेनी श्रमिकों का समर्थन करने और कंपनी में कथित अनियमितताओं को उजागर करने के कारण पीडीपीपी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है। उन्होंने दावा किया कि अदालत ने भी पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कुछ धाराओं को हटाया है। रामाराव ने यह भी आरोप लगाया कि सिंगारेनी के रिकॉर्ड में लगभग 40 लाख मीट्रिक टन कोयले का उल्लेख है, जिसकी कीमत करीब 1,600 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि वास्तव में वहां कोई खनन कार्य नहीं हुआ। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग करते हुए राज्य और केंद्र सरकार से जवाबदेही तय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच की मांग करेंगे और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। बीआरएस नेता ने आगे कहा कि सरकार द्वारा अनुकंपा नियुक्तियों और उत्तराधिकार नौकरियों को लेकर की गई कार्रवाई से श्रमिक परिवारों में चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर अपना आंदोलन जारी रखेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.